राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 17 दिसंबर 2025 वर्ष-8,अंक-290 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मथुरा: 7 बसें-3 कारें टकराईं, 13 जिंदा जले

शरीर के टुकड़े 17 पॉलिथीन में ले गए, एक्सप्रेस-वे पर कोहरे के चलते हादसा, 70 घायल

एजेंसी

मथुरा। यमुना एक्सप्रेस-वे पर कोहरे के चलते 7 बसें और 3 कारें भिड़ गईं। टक्कर होते ही गाड़ियों में आग लग गई। भाजपा नेता समेत 13 लोगों की जलकर मौत हो गई। 70 लोग घायल हैं। मरने वालों का आंकड़ा और भी बढ़ सकता है, क्योंकि बसों में कटे हुए अंग मिले हैं। पुलिस ने इन्हें 17 पॉलिथीन बैग में भरकर ले गई है। अब डीएनए टेस्ट से इनकी पहचान की जाएगी। हादसा थाना बलदेव क्षेत्र में माइलस्टोन 127 पर हुआ। पुलिस, फायर ब्रिगेड और SDRF के 50 जवानों और 9 थानों की पुलिस ने 6 घंटे में रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा किया। हादसे के चलते एक्सप्रेस-वे पर 3 किमी लंबा जाम लग गया था। हादसे की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दे दिए गए हैं। ADM प्रशासन अमरेश जांच का नेतृत्व करेंगे। टक्कर के बाद राहगीर ने पुलिस को फोन कर सूचना दी। पुलिस के पहुंचने से पहले आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। प्रत्यक्षदर्शी भगवान दास ने बताया कि टक्कर के बाद ऐसा लगा जैसे बम फटा हो। लोग बसों के शीशे तोड़कर बाहर कूद रहे थे। थोड़ी देर में बसें जलकर राख हो गईं। हमने बस से 8-9 लाशें निकालीं। आरोप है कि रेस्क्यू करीब एक घंटे बाद शुरू हुआ। घायलों को 11 एम्बुलेंस से मथुरा जिला अस्पताल और वृंदावन संयुक्त जिला अस्पताल भेजा गया। गंभीर घायलों को आगरा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। बसों से पुलिस ने खरोच-खरोच कर शवों को उठाया। वहीं, सीएम योगी ने मृतकों के परिजनों के लिए 2-2 लाख रुपए के मुआवजे का ऐलान किया। हादसे की जांच के लिए 4 सदस्यीय टीम का गठन किया गया है। 48 घंटे के अंदर टीम रिपोर्ट प्रशासन को सौंपेगी। एक्सप्रेस-वे पर घना कोहरा था। माइलस्टोन 127 पर अचानक स्लीपर बस के सामने धुंध आ गई। इसके चलते ड्राइवर ने ब्रेक मारकर स्पीड धीमी की। इसके बाद पीछे चल रही 6 बसें और 4 कारें आकर भिड़ गईं। टक्कर से एसी बस में आग लग गई। लोगों को भागने तक का मौका नहीं मिला। अपने परिजनों की तलाश में लोग अस्पताल पहुंच रहे हैं। राठ हमीरपुर के गुलजारी लाल अपनी भाभी की तलाश में पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे। उन्होंने बताया कि उनकी भाभी अपने बच्चों के साथ थीं। हादसे के बाद बच्चे तो बाहर आ गए, लेकिन भाभी अंदर ही फंस गईं। यहां भी उनका कुछ पता नहीं चल पाया है। जिला संयुक्त चिकित्सालय, वृंदावन में कई मरीजों को भर्ती कराया गया है। उनका इलाज जारी है। किसी की भी हालत गंभीर नहीं बताई जा रही है।

पीएम मोदी ने हादसे पर दुख जताया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हादसे पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने हादसे में घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (PMNRF) से मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए देने का ऐलान किया गया है।

सीएम योगी गहरा शोक व्यक्त किया

एजेंसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी जनपद मथुरा में सड़क दुर्घटना का संज्ञान लेते हुए जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त किया है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने दिवंगतों के शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है तथा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि घायलों का तत्काल, समुचित एवं निःशुल्क उपचार सुनिश्चित करते हुए उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री ने हादसे में दिवंगतों के परिजनों को रुपए 02-02 लाख तथा घायलों को रुपए 50-50 हजार की आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने के निर्देश दिए हैं।

हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए

संवाददाता

जिला प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर जारी कर दिए हैं। लोग किसी भी समस्या या जानकारी के लिए अपर जिलाधिकारी वित्त और राजस्व डॉ. पंकज कुमार वर्मा के मोबाइल नंबर 9454417583 पर फोन कर सकते हैं। इसके अलावा एसपी ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत के मोबाइल नंबर 9454401103 पर संपर्क किया जा सकता है। कंट्रोल रूम मथुरा- 0565 2403200। जिलाधिकारी मथुरा- 9454417512

घटना स्थल पर पहुंचे जिलाधिकारी व एसएसपी

संवाददाता

मथुरा। मथुरा जिलाधिकारी एवं एसएसपी तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और आवश्यक दिशा निर्देश दिये। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने अवगत कराया है कि घायल व्यक्तियों को प्राथमिक उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने चिकित्सकों को निर्देश दिए कि सभी घायलों को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराए। जिलाधिकारी ने अवगत कराया है कि घायलों में कोई भी व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल नहीं है। बेहतर से बेहतर उपचार दिया जा रहा है। जिलाधिकारी ने बताया कि अन्य यात्रियों को गंतव्य तक सरकारी वाहनों से भिजवाया गया है। पुलिस विभाग, अग्निशमन विभाग, एन0एच0ए0आई0, स्वास्थ्य विभाग आदि द्वारा दुर्घटना स्थल पर तत्काल पहुंचकर बचाव कार्य किया गया।

■ आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा

टीवी 27 के सीईओ गाजियाबाद निवासी अशोक अग्रवाल समेत चार की मौत

संवाददाता

उन्नाव/गाजियाबाद। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर मंगलवार सुबह एक दिल दहला देने वाला हादसा हो गया। उन्नाव जिले के बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र में हवाई पट्टी के पास एक लग्जरी फॉर्च्यूनर कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में प्रतिष्ठित न्यूज चैनल टीवी 27 के सीईओ और गाजियाबाद के जाने-माने व्यक्ति अशोक अग्रवाल (57) भी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, यह हादसा सुबह करीब 6 बजे हुआ, जब आगरा से लखनऊ की ओर जा रही फॉर्च्यूनर कार पहले किसी अज्ञात वाहन से टकराई और फिर मध्य डिवाइडर से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का एक हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर के बाद चालक वाहन से गिर पड़ा और कार करीब 500 मीटर तक घिसटती चली गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और यूपीडा (UPIDA) टीम के सहयोग से शवों को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस ने हादसे का प्राथमिक कारण घना कोहरा और दृश्यता कम होना बताया है। मृतकों की पहचान- पुलिस के अनुसार मृतकों में से तीन की पहचान कर ली गई है- अशोक अग्रवाल (57), निवासी मोदीनगर, गाजियाबाद (पुत्रः संतोष अग्रवाल)। आकाश अग्रवाल (35), निवासी गाजियाबाद (पुत्रः विनोद अग्रवाल)। अभिनव अग्रवाल (20), निवासी गाजियाबाद (पुत्रः सतीश अग्रवाल)। चौथे मृतक की पहचान के प्रयास जारी हैं। अशोक अग्रवाल न केवल एक प्रतिष्ठित मीडिया हस्ती थे, बल्कि गाजियाबाद के सामाजिक जीवन में भी उनका विशेष स्थान था। पिछले वर्ष ही उनके पुत्र का विवाह संपन्न हुआ था, जिसमें शहर के अनेक गणमान्य लोग और जनप्रतिनिधि शामिल हुए थे। उस अवसर पर राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल, गाजियाबाद के सांसद अतुल गर्ग और पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर समेत कई विशिष्ट व्यक्तित्व उपस्थित रहे थे। इस दर्दनाक हादसे की खबर मिलते ही गाजियाबाद में शोक की लहर दौड़ गई है।

राहुल बोले: मनरेगा खत्म करना बापू का अपमान, पीएम को उनके विचारों से समस्या

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून (MGNREGA) को खत्म करने की कोशिश महात्मा गांधी के विचारों का सीधा अपमान है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पोस्ट में आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को महात्मा गांधी के विचारों और गरीबों के अधिकारों से समस्या है। उन्होंने लिखा... पिछले 10 सालों से मोदी सरकार मनरेगा को कमजोर करने की कोशिश कर रही है और अब इसे पूरी तरह खत्म

करने का इरादा है। 'VB-जी राम जी' बिल गरीब ग्रामीण परिवारों की आजीविका पर हमला है। कांग्रेस सड़क से लेकर संसद तक इस जनविरोधी बिल का विरोध करेगी। दरअसल, मोदी सरकार मनरेगा को खत्म करके कर उसकी जगह विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी 'विकसीत भारत-जी राम जी' स्कीम ला रही है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को बिल लोकसभा में पेश किया। मनरेगा महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के सपने की जीवित मिसाल है। यह योजना करोड़ों ग्रामीण परिवारों के लिए जीवन रेखा रही है और कोरोना महामारी के दौरान आर्थिक सुरक्षा कवच साबित हुई। मनरेगा की नींव तीन मूल सिद्धांतों पर रखी गई थी। पहला- काम का अधिकार, यानी काम मांगने वाले हर व्यक्ति को रोजगार; दूसरा- गांवों को अपने विकास कार्य तय करने की आजादी; और तीसरा- मजदूरी का पूरा खर्च केंद्र सरकार और सामग्री लागत का 75% केंद्र द्वारा देना।

गोवा अग्निकांड- लूथरा ब्रदर्स को थाइलैंड से दिल्ली लाया गया

एजेंसी

गोवा। नाइट क्लब 'बिर्च बाय रोमियो लेन अग्निकांड मामले में मुख्य आरोपी सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा को थाइलैंड से दिल्ली लाया गया है। भारतीय सुरक्षा अधिकारी दोनों भाइयों के साथ मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उतरे। दिल्ली एयरपोर्ट पर गोवा पुलिस की एक टीम ने दोनों को एयरपोर्ट पर ही गिरफ्तार कर लिया। गोवा पुलिस ने दोनों आरोपियों की दिल्ली में मेडिकल जांच कराई। अब उन्हें पटियाला हाउस कोर्ट में ट्रांजिट रिमांड के लिए पेश किया जाएगा। ट्रांजिट रिमांड की इजाजत

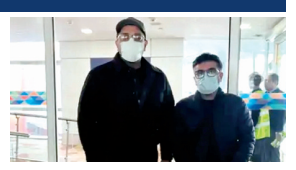

मिलते ही पुलिस दोनों को लेकर गोवा जाएगी। सौरभ और गौरव लूथरा बिर्च नाइट क्लब के मालिक हैं। क्लब में 6 दिसंबर को आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी। घटना के बाद दोनों भाई थाईलैंड भाग गए थे। थाईलैंड पुलिस ने 11 दिसंबर को फुकेट में दोनों भाइयों को हिरासत में लिया। आज सुबह उन्हें बैंकॉक से भारत डिपोर्ट किया गया था। सूत्रों के अनुसार, 9 दिसंबर को थाई अधिकारियों को पता चला कि भारतीय सुरक्षा एजेंसियां जिन भाइयों को ढूंढ रही है, वे फुकेट में छिपे हैं।

अयोध्या में डॉ. रामविलास वेदांती को जल-समाधि

सरयू में स्नान कराया, बीच धारा में पार्थिव शरीर को प्रवाहित किया

एजेंसी

अयोध्या। राममंदिर आंदोलन के संत और पूर्व सांसद डॉ. रामविलास दास वेदांती को मंगलवार शाम अयोध्या में जल-समाधि दी गई। उनके पार्थिव शरीर को 25-25 किलो बालू से भरी 4 बोरियों से बांधा गया। फिर सरयू की बीच धारा में शरीर को प्रवाहित कर दिया गया। दोपहर 2:20 बजे उनकी अंतिम यात्रा निकली गई, जो हनुमान गढ़ी और राममंदिर होते हुए सरयू घाट पहुंची। इससे पहले अंतिम दर्शन के लिए हिंदू धाम में पार्थिव देह को रखा गया। सीएम योगी, मंत्री सूर्य प्रताप शाही और भाजपा नेता बृजभूषण सिंह समेत कई लोगों ने डॉ. वेदांती को उनके आश्रम जाकर श्रद्धांजलि दी। इसके अलावा उनके अंतिम दर्शन करने देशभर से भी संत अयोध्या पहुंचे। 67 साल के डॉ. वेदांती का सोमवार को मध्यप्रदेश के रीवा में दोपहर 12:20 बजे निधन हो गया था। उनका पार्थिव शरीर रात करीब साढ़े 11 बजे अयोध्या पहुंचा। डॉ. वेदांती की रीवा में रामकथा चल रही थी। इसी दौरान उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें एयरलिफ्ट कर भोपाल एम्स ले जाने की तैयारी थी। एयर एंबुलेंस पहुंच भी गई थी, लेकिन कोहरे की वजह से लैंड नहीं कर सकी। डॉ. वेदांती का जन्म रीवा के गुढ़वा गांव में 7 अक्टूबर, 1958 को हुआ था। जब वे 12

साल के थे, तभी अयोध्या आ गए थे। उनका पूरा जीवन यहीं बीता। यूपी के प्रतापगढ़ और जौनपुर की मछलीशहर सीट से वे 2 बार भाजपा के सांसद रहे। 25-25 किलों की 4 बोरियों में बालू भरी गई। उन्हीं बोरियों के साथ डॉ. रामविलास वेदांती के पार्थिव शरीर को बांध दिया गया। इसके बाद सरयू की बीच धारा में जाकर शव को प्रवाहित कर दिया गया। बालू बांधने का उद्देश्य यह है कि इससे पार्थिव शरीर उतराकर ऊपर न आए। राममंदिर आंदोलन में बड़ी भूमिका निभाने वाले डॉ. रामविलास वेदांती के पार्थिव शरीर को नाव से सरयू नदी ले जाया गया। यहां उन्हें स्नान कराया गया। इस बीच लोगों ने जय हनुमान जी, सरयू मैया की, रामलला की जय कहा। संस्कृत के आचार्य ने सरयू तट पर डॉक्टर वेदांती को अंतिम श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त देवेंद्र पति त्रिपाठी, आचार्य डॉ. आशुतोष त्रिपाठी, नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष अखिलेश पांडे के प्रतिनिधि शैलेंद्र बड़ी पांडे, सांवलिया मंदिर के राघवेंद्र दास मौजूद रहे। डॉ. रामविलास दास वेदांती को आज सरयू नदी में जलसमाधि दी जाएगी। उनकी अंतिम यात्रा आश्रम से निकल गई है। राम मंदिर होते हुए थोड़ी देर में सरयू पहुंचेगी। यहां पर उन्हें जलसमाधि दी जाएगी। सीएम योगी ने आश्रम में वेदांती जी को श्रद्धांजलि के बाद मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा-राम विलास वेदांती जी आज भले ही हमारे बीच में नहीं हैं। लेकिन उनका आशीर्वाद हम लोगों के साथ हमेशा रहेगा। उन्होंने अपना पूरा जीवन राम जन्म भूमि आंदोलन के लिए समर्पित कर दिया। राम कथा सुनाते हुए उन्होंने नश्वर संसार को छोड़ दिया। उन्होंने राम जन्म भूमि मुक्ति आंदोलन को शुरू किया था। उस आंदोलन का बाद में जो परिणाम आया, उसे देखने का सौभाग्य भी उन्हें मिला। 25 नवंबर को राम जन्म भूमि के ध्वजारोहण समारोह में भी उनकी उपस्थिति रहीं। ये सारी चीजें दिखाती हैं कि एक ऐसा संत जिन्होंने सदैव राम जन्म भूमि अभियान के लिए काम किया।

जॉर्डन के बाद इथियोपिया पहुंचे पीएम नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री अबी अहमद अली ने गले लगाकर स्वागत किया, 2 दिन का राजकीय दौरा

एजेंसी

अम्मान। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जॉर्डन का दौरा पूरा करने के बाद इथियोपिया पहुंच गए हैं। राजधानी अदीस अबाबा के एयरपोर्ट पर इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली ने गले लगाकर कर ढट का स्वागत किया। इसके बाद पीएम मोदी और प्रधानमंत्री अहमद ने अनौपचारिक बातचीत की। यह ढट का पहला इथियोपिया दौरा है। वे यहां 2 दिन के राजकीय दौरे पर हैं। इस दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों, सहयोग और आपसी हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। भारत, इथियोपिया का दूसरा बड़ा ट्रेड पार्टनर है। दोनों देशों के बीच 2023-24 में 5175 करोड़ रुपए का ट्रेड हुआ। इस दौरान भारत ने 4433 करोड़ रुपए और इथियोपिया ने 742 करोड़ रुपए का निर्यात किया। इथियोपिया, भारत से लोहा, स्टील, मेडिसन और फार्मास्युटिकल्स, मशीनरी और उपकरण आयात करता है। वहीं भारत, इथियोपिया से दालें, कीमती पत्थर, सब्जियां और बीज, चमड़ा और मसाले आयात करता है। भारत और इथियोपिया के बीच व्यापारिक रिश्तों की शुरूआत 1940 के दशक में हुई थी। आजादी से पहले

ही दोनों के बीच कारोबार शुरू हो गया था। 1950 में राजनयिक संबंध बनने के बाद दोनों देशों में औपचारिक व्यापार शुरू हुआ। पीएम मोदी और इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली ने अदीस अबाबा में अनौपचारिक बातचीत की। पीएम जॉर्डन का दौरा पूरा करने के बाद इथियोपिया पहुंचे हैं। जॉर्डन की आधिकारिक यात्रा के दौरान मंगलवार को पीएम मोदी को खास सम्मान दिया गया। क्राउन प्रिंस अल हुसैन बिन अब्दुल्ला ने खुद गाड़ी चलाकर प्रधानमंत्री मोदी को जॉर्डन म्यूजियम तक ले गए। साथ ही उन्हें एयरपोर्ट तक छोड़ने आए। इससे पहले मोदी भारत-जॉर्डन बिजनेस फोरम की बैठक में शामिल हुए। इसमें उन्होंने कहा कि भारत की विकास दर 8 प्रतिशत से ज्यादा है। यह बेहतर शासन और इनोवेशन पर आधारित नीतियों का नतीजा है। मोदी कल शाम जॉर्डन पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने जॉर्डन किंग अब्दुल्ला से मुलाकात की थी। दोनों देशों के बीच 5 अहम समझौते हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इथियोपिया की राजधानी अदीस अबाबा पहुंच गए हैं। वे इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली के निमंत्रण पर दो दिवसीय राजकीय दौरे पर वहां गए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बांग्लादेश चुनाव 2026 का बदलता सियासी परिदृश्य और भारत तथा हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की चुनौती

बांग्लादेश के लोकतांत्रिक ढांचे में यह भी एक चिंता का विषय है कि क्या अगले चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से संपन्न होंगे। पिछले कुछ वर्षों में विपक्षी दलों पर कार्रवाई, आंदोलनकारियों के खिलाफ कठोर कदम और राजनीतिक हिंसा की घटनाओं ने यह प्रश्न और गंभीर बना दिया है। यदि चुनावी प्रक्रिया पारदर्शिता से नहीं होती, तो इसका प्रभाव देश के सामाजिक ढांचे पर भी पड़ सकता है और अल्पसंख्यक समुदायों पर खतरा और अधिक बढ़ सकता है।

(लेखक - कांतिलाल मांडोत)

बांग्लादेश फरवरी 2026 में होने वाले राष्ट्रीय चुनावों की ओर बढ़ रहा है और वहां की राजनीति एक बार फिर तीव्र उथलपुथल के दौर से गुजर रही है। सत्ता परिवर्तन की संभावनाओं ने विभिन्न राजनीतिक दलों को नए गठबंधनों और संघर्षों की दिशा में धकेला है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की सक्रियता, जमात ए इस्लामी के उभार, 1971 के मुक्ति संग्राम की यादें और देश के भीतर अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं,ये सभी आगामी चुनाव के प्रमुख कारक बन चुके हैं। इस पूरे राजनीतिक विमर्श में भारत का स्थान भी केंद्र में है क्योंकि बांग्लादेश के राजनीतिक रुझान दोनों देशों के संबंधों पर सीधे प्रभाव डालते हैं। सबसे अधिक चर्चा बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के मुखिया तारिक रहमान की है जिन्होंने जमात ए इस्लामी को खुलकर निशाने पर लिया है। उन्होंने 1971 के युद्ध का उल्लेख करते हुए जमात को देश के विभाजनकारी और हिंसक इतिहास से जोड़ते हुए आरोप लगाए कि मुक्ति संग्राम के दौरान जमात ने लाखों लोगों की हत्या और उत्पीड़न में भूमिका निभाई थी। इस प्रकार का बयान चुनावी मंच पर 1971 की ऐतिहासिक स्मृति को फिर से केंद्र में ला रहा है। बांग्लादेश की राजनीति में यह पहली बार नहीं है कि युद्ध अपराध या ऐतिहासिक जिम्मेदारी को चुनावी मुद्दा बनाया गया हो, लेकिन इस बार सियासी समीकरण बदले हुए हैं और इस मुद्दे की तीव्रता पहले की तुलना में अधिक दिखाई दे रही है।

बीते कुछ वर्षों में बांग्लादेश की राजनीति में एक और बड़ा परिवर्तन यह हुआ है कि जमात ए इस्लामी जिसे कभी मुख्यधारा की राजनीति में हाशिये पर धकेल दिया गया था।अब नए गठबंधनों के जरिए प्रभावी राजनीतिक ताकत के रूप में उभरी है। छात्र नेताओं और युवा संगठनों की सक्रियता ने उसे नई ऊर्जा दी है। स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन और 2025 में बनी नेशनल सिटीजन पार्टी जैसे संगठनों ने उसके साथ मिलकर गणतांत्रिक संगस्कार जोट नामक फ्रंट का गठन किया है, जिसने पिछले वर्ष हुए आक्रामक आंदोलनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। यही कारण है कि वर्तमान समय में यह राजनीतिक धड़ा बांग्लादेश के मतदाताओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। चुनावी सर्वेक्षणों के अनुसार बीएनपी को लगभग तैंतीस प्रतिशत और जमात को लगभग उनतीस प्रतिशत तक समर्थन मिलता दिखाई दे रहा है। यह संकेत देता है कि दोनों ही दल बड़े दावेदार बनकर उभर रहे हैं। इसके साथ ही जमात के प्रति लगभग तिरपन प्रतिशत और बीएनपी के प्रति इक्यावन प्रतिशत मतदाता सकारात्मक रुझान रखते हैं। ऐसे अनुमानों से स्पष्ट है कि देश की अगली सरकार किस दिशा में जाएगी और कौन सा गठबंधन सत्ता के केंद्र में आएगा, इसका निर्णय बेहद करीबी मुकाबले में होने वाला है।

लेकिन इन सारे आंकड़ों और समीकरणों से परे, सबसे बड़ा प्रश्न भारत और हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा तथा भविष्य की नीतियों से जुड़ा है। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय लंबे समय से संवेदनशील स्थिति में रहा है। जब भी राजनीतिक अस्थिरता बढ़ती है या सड़कों पर हिंसक आंदोलन होते हैं, अल्पसंख्यकों पर हमले बढ़ने की घटनाएँ भी सामने आती हैं। इतिहास गवाह है कि बांग्लादेश में कई बार हिंदू मंदिरों पर हमले, उनकी संपत्तियों पर कब्जे या सामुदायिक हिंसा की घटनाएँ उभरती रही हैं। ऐसी स्थिति में आगामी चुनावों से उत्पन्न राजनीतिक उथलपुथल अल्पसंख्यकों के लिए कितनी सुरक्षित साबित होगी, यह चिंता का विषय है। बीएनपी और जमात दोनों पर भारत विरोधी रुख अपनाने के आरोप समय समय पर लगे हैं, विशेष रूप से जमात के संदर्भ में यह धारणा और अधिक मजबूत रही है। विश्लेषकों का एक वर्ग यह भी मानता है कि यदि जमात सरकार में अधिक प्रभावशाली स्थिति में पहुँचती है तो भारत के साथ बांग्लादेश के संबंधों में तनाव पैदा हो सकता है। भारत सदैव बांग्लादेश के साथ शांतिपूर्ण, सहयोगपूर्ण और रणनीतिक संबंधों की अपेक्षा रखता है, और अवामी लीग की सरकार के दौरान यह रिश्ते अपेक्षाकृत स्थिर रहे थे। इसलिए मौजूदा हालात में भारत के लिए यह एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक चुनौती है कि वह नए राजनीतिक समीकरणों में भी स्थिरता और सहयोग का मार्ग बनाए रखे।

अवामी लीग, जो बांग्लादेश की राजनीति में लंबे समय तक एक प्रमुख शक्ति रही थी, वर्तमान समय में हाशिये पर है और विभिन्न कानूनी और राजनीतिक कार्रवाइयों के चलते उसकी भूमिका सीमित हो चुकी है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना कई विवादों और राजनीतिक आरोपों के कारण देश छोड़कर बाहर हैं। उनके खिलाफ कई कानूनी मामलों के चलते राजनीतिक परिदृश्य में बड़ी विसंगतियाँ उत्पन्न हुई हैं, लेकिन इन मामलों की सत्यता और प्रक्रिया को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी कई सवाल उठते रहे हैं। इन परिस्थितियों ने बांग्लादेश की राजनीति को और जटिल बना दिया है।

बांग्लादेश के लोकतांत्रिक ढांचे में यह भी एक चिंता का विषय है कि क्या अगले चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से संपन्न होंगे। पिछले कुछ वर्षों में विपक्षी दलों पर कार्रवाई, आंदोलनकारियों के खिलाफ कठोर कदम और राजनीतिक हिंसा की घटनाओं ने यह प्रश्न और गंभीर बना दिया है। यदि चुनावी प्रक्रिया पारदर्शिता से नहीं होती, तो इसका प्रभाव देश के सामाजिक ढांचे पर भी पड़ सकता है और अल्पसंख्यक समुदायों पर खतरा और अधिक बढ़ सकता है। भारत के लिए बांग्लादेश केवल पड़ोसी देश ही नहीं बल्कि सामरिक, आर्थिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण साझेदार है। दोनों देशों के बीच व्यापार, ऊर्जा सहयोग, सुरक्षा समन्वय और सीमाई प्रबंधन जैसे कई अहम मुद्दे जुड़े हैं। यदि बांग्लादेश में ऐसी सरकार सत्ता में आती है जिसका रुख भारत के प्रति कठोर या विरोधाभासी हो, तो इन सभी क्षेत्रों में नई चुनौतियाँ उत्पन्न हो सकती हैं। इसके अलावा भारत में रहने वाले लाखों बंगाली भाषी नागरिकों और सांस्कृतिक संबंधों का भी दोनों देशों के रिश्तों पर असर पड़ता है। सबसे संवेदनशील पहलू यह है कि हिंदू मंदिरों और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा पर नई सरकार की नीति कैसी होगी। बांग्लादेश में कई वर्षों से यह मांग उठती रही है कि अल्पसंख्यकों को सुरक्षा देने के लिए विशेष कानून और निगरानी तंत्र विकसित हों। कई बार सरकारों ने कदम उठाए भी हैं लेकिन राजनीतिक तनाव के बीच यह प्रयास कमजोर पड़ जाते हैं। यदि नई सरकार इस दिशा में ठोस उपाय करती है तो देश में स्थिरता और साम्प्रदायिक सद्भाव बढ़ सकता है, लेकिन यदि उलट स्थिति बनती है तो अल्पसंख्यकों के लिए खतरा गंभीर हो सकता है।

आगामी चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का प्रश्न नहीं बल्कि बांग्लादेश के भविष्य की दिशा तय करने का निर्णायक क्षण भी होगा। युवा नेतृत्व के उभार, गठबंधनों की जटिलता, 1971 के युद्ध की यादें, भारत विरोधी आवाज़ें, और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा,ये सभी ऐसे तत्व हैं जो इस चुनाव को बेहद महत्वपूर्ण बना देते हैं। भारत की दृष्टि से यह जरूरी है कि बांग्लादेश में स्थिर और लोकतांत्रिक सरकार बने, जो क्षेत्रीय शांति, विकास और सहयोग को मजबूत करे। चुनाव नतीजे चाहे जो हों, बांग्लादेश की नई सरकार के लिए यह सबसे बड़ी कसौटी होगी कि वह देश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे, ऐतिहासिक घावों को भरने की दिशा में आगे बढ़े और अंतरराष्ट्रीय समुदाय में अपना लोकतांत्रिक चरित्र मजबूत करे। भारत और बांग्लादेश दोनों के भविष्य के लिए यह आवश्यक है कि आपसी विश्वास, स्थिरता और संवेदनशीलता के साथ आगे बढ़ा जाए।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

सिडनी में खूनी खेल

सिडनी में यहूदियों को निशाना बनाये जाने की घटना ने पहलगाम आतंकी हमले के जख्मों को हरा कर दिया। पहलगाम में भी आतंकियों ने लोगों को चुन-चुनकर मारा था। सिडनी के बॉन्डी बीच पर यहूदी समुदाय की सभा पर हुआ हमला हमें इस क्रूरता की याद दिलाता है कि आतंकवादी आम जीवन के केंद्र में, प्रार्थना स्थलों और सुकून देने वाले स्थलों को ही अपना निशाना बनाते हैं। यह हिंसा उस हनुक्का उत्सव के दौरान की गई, जो अंधकार के साम्राज्य को प्रकाश से पराजित करने का संकल्प दर्शाता है। इस मायने में यह हमला क्रूरता की हद दर्शाता है। दरअसल, आस्ट्रेलिया लंबे समय से इस विश्वास के चलते शांति का अहसास करता रहा है कि तमाम वैश्विक संघर्षों से बनायी गई उसकी दूरी, उसे सुरक्षा प्रदान करती है। लेकिन इस घटना के बाद उसका भ्रम टूटा है। अब जाकर उसे यह अहसास हुआ है कि आतंकवादी अपने घातक मसूंबों को अंजाम देने के लिये हमारे ऐसे ही विश्वासों को तोड़कर हमले करते हैं। बॉन्डी के हमले ने न केवल आस्ट्रेलिया के भ्रम को तोड़ा है बल्कि उसे अपनी सुरक्षा नीतियों में बदलाव को बाध्य किया है। जैसा कि अपरिहार्य है, आस्ट्रेलिया के अधिकारियों ने हमले को एक वैश्विक आतंकवाद के रूप में वर्गीकृत किया है। खासकर हिंसा के तौर-तरीके और वैचारिक मकसद को ध्यान में रखते हुए। यह वर्गीकरण इस बात को भी स्वीकार करता है कि हमला नफरत से प्रेरित हिंसा के एक व्यापक पैटर्न का हिस्सा था,जो दुनिया के तमाम देशों में देखा जा रहा है। इस आतंकी घटना के बाद यहूदी समुदाय में दुख के साथ-साथ आक्रोश भी उमड़ रहा है। खासकर इस बात को लेकर कि यहूदी समुदाय द्वारा लंबे समय से दी जा रही चेतावनी के बावजूद आस्ट्रेलिया में यहूदी विरोधी रवैये को गंभीरता से नहीं लिया गया। इस प्रवृत्ति पर पहले से ही सतर्क निगरानी रखी गई होती तो शायद बॉन्डी के हमले को टाला जा सकता। निस्संदेह, आस्ट्रेलिया में गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से ही इस मुद्दे पर सार्वजनिक बहस तीखी और ध्रुवीकृत हो चली थी। हालांकि, यहां हुए अधिकांश विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे हैं, लेकिन चरमपंथी विचारधारा का पोषण करने वाले मुट्ठीभर लोग भी घातक घटनाओं को अंजाम दे सकते हैं। यह हमला ऐसे मंसूबों की रोकथाम की सीमाओं को भी उजागर करता है। निस्संदेह, सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता से आंतकी नेटवर्क की निगरानी समय रहते की जा सकती है। वे सही वक्त पर ही न केवल आने वाले खतरों का आकलन कर सकती हैं बल्कि साजिशों को नाकाम भी कर सकती हैं। लेकिन एक विसंगति यह भी है कि सार्वजनिक स्थानों पर अकेले हमले करने वालों को रोकना कुछ कठिन जरूर होता है। जैसे कि इस मामले में देखने में आया है। फिर भी, इस भयावह घटना के बीच एक साहस देखने को भी मिला। एक बहादुर राहगीर ने एक हमलावर को निहत्था करने के लिये अपनी जान भी जोखिम में डाली। हालांकि, वह इस प्रयास में घायल हुआ, लेकिन वह कई लोगों की जान बचाने में कामयाब हुआ। पूरी दुनिया में उसके साहस के लिये प्रशंसा हो रही है। संकट की घड़ी में ऐसा साहस आतंकवादियों की कायरता पर करारा प्रहार होता है और इससे आतंकवादियों के मंसूबे धरे रह जाते हैं। यह घटना हमें यह याद दिलाती है कि घोर अंधकार के क्षणों में भी मानवता का अंत नहीं होता। निश्चित रूप से इस घटना के बाद आस्ट्रेलिया को सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके यहां रह रहे संवेदनशील समुदायों के लिये मजबूत सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही समय रहते समाज में घृणा को बढ़ाने वाले अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। ऐसे वक्त में जब हमास व इस्राइल के संघर्ष के बाद पूरी दुनिया में यहूदी विरोधी माहौल बनाया जा रहा है, तो इसके खिलाफ वैश्विक स्तर पर साझा लड़ाई लड़ने की जरूरत है।

संसद में प्रदूषण पर चर्चा का मुद्दा

(लेखक -राज कुमार सिन्हा)

हवा की सांसें उखड़ने लगीं, और हम चुप हैं

वायु प्रदूषण आज हमारे समय का सबसे मौन लेकिन सबसे घातक सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बन चुका है। शहर हों या गांव, हर जगह हवा में घुले अदृश्य जहरीले कण, जैसे औद्योगिक धुआं, वाहनों का उत्सर्जन, थर्मल पावर प्लांटों की राख और घरेलू ईंधन का धुआं लोगों की सांसों पर भारी पड़ रहे हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि लोग बिना शोर-शराबे के बीमार हो रहे हैं। न इसका दर्द तुरंत दिखता है, न इसकी मार तत्काल महसूस होती है, लेकिन शरीर को भीतर से खोखला करने की इसकी क्षमता बेहद तेज है। आज हवा में घुला जहर केवल पर्यावरण संकट नहीं, बल्कि मानव स्वास्थ्य पर चल रहा एक धीमा हमला है।

वायु प्रदूषण को रोकना अब केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं रहा,यह एक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति बन चुका है। वायु प्रदूषण सिर्फ स्वास्थ्य की समस्या नहीं, यह सामाजिक असमानता का आईना भी है। सबसे गंदी हवा वही लोग सांस में लेते हैं जो इसके लिए सबसे कम जिम्मेदार हैं,गरीब परिवार, सड़क किनारे रहने वाले लोग, औद्योगिक क्षेत्रों के पास बसे समुदाय और मेहनतकश मजदूर। सांस की बीमारियां जैसे अस्थमा, सीओपीडी, खांसी, ब्रोंकाइटिस अब हर घर की सामान्य शिकायत बनती जा रही हैं। दिल और दिमाग पर इसका प्रभाव और भी घातक है। हवा में मौजूद सूक्ष्म कण रक्त में घुलकर दिल का दौरा, उच्च रक्तचाप और स्ट्रोक का जोखिम बढ़ा देते हैं। वायु प्रदूषण की सबसे ज्यादा मार बच्चों पर पड़ती है। उनके विकसित होते फेफड़े प्रदूषित हवा सहन नहीं कर पाते, जिससे जीवनभर के लिए फेफड़ों की क्षमता कम हो जाती है।

बुजुर्ग और गर्भवती महिलाएं भी अत्यधिक जोखिम में रहती हैं, क्योंकि उनकी कमजोर प्रतिरोधक क्षमता हवा में मौजूद सूक्ष्म विषैले कणों से प्रभावी ढंग से लड़ नहीं पाती।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के जलवायु, पर्यावरण और स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, वायु प्रदूषण से हर साल विश्व में लगभग 90 लाख मौतें होती हैं। नवंबर में प्रकाशित लैंसेट की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 मंफ भारत में 17 लाख मौतें वायु प्रदूषण के कारण हुईं।यह संख्या 2010 की तुलना में 38 प्रतिशत अधिक है।इनमें से 7.5 लाख मौतों के लिए जीवाश्म ईंधन जिम्मेदार है।अकेले कोयले से लगभग 4 लाख मौतें हुईं हैं। वैश्विक स्तर पर जीवाश्म ईंधन से जुड़े वायु प्रदूषण के कारण 25.2 लाख मौतें दर्ज की गईं। ये निष्कर्ष ऐसे समय में आए हैं जब दिल्ली और उत्तर भारत का बड़ा हिस्सा फिर से घने शीतकालीन धुंध की चपेट में है।दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स 360 के पार पहुंच चुका है। कई इलाकों में पीएम 2.5 स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन की तय सुरक्षित सीमा से 20 गुना अधिक दर्ज किया गया है।

हरियाणा में वायु प्रदूषण के कारण प्रीमेच्योर डिलीवरी के मामलों में वृद्धि देखी गई है।

पीजीआई रोहतक की गायनी विभाग की अध्यक्ष डॉ. पुष्पा दहिया के अनुसार,एक वर्ष में 13,500 डिलीवरी हुईं है।

इनमें से 18 प्रतिशत (2,430 बच्चे) प्रीमेच्योर जन्मे हैं। इसका प्रमुख कारण प्रदूषण बताया गया है।राष्ट्रीय व्यावसायिक स्वास्थ्य संस्थान द्वारा कोयला खदानों के पास रहने वाले 1,202 लोगों पर किए गए अध्ययन में पाया गया कि

14.3 प्रतिशत श्रमिकों,10 प्रतिशत पर्यवेक्षक कर्मचारियों और 7.8 प्रतिशत स्थानीय निवासियों के फेफड़ों का कार्य असामान्य था। एक्स-रे में फेफड़ों में फाइब्रोसिस के मामले भी सामने आए हैं।

भारत में वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए कई कानून मौजूद हैं।वायु (रोकथाम और प्रदूषण का नियंत्रण) अधिनियम, 1981 के तहत केंद्र और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को निगरानी और कार्रवाई की शक्तियां दी गई हैं।2019 में शुरू किया गया राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) देश का सबसे बड़ा केंद्र-स्तरीय प्रयास है, जिसका लक्ष्य 131 शहरों में पीएम 10 स्तर को 40 प्रतिशत तक कम करना है। हालांकि, 2019-2025 के बीच जारी 11,211 करोड़ रुपये में से केवल 68 प्रतिशत (7,594 करोड़ रुपये) का ही उपयोग हो पाया है।

मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की 2024-25 की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य के 29 जिला मुख्यालयों की हवा पिछले वर्ष की तुलना में और खराब हुई है।इसमें इंदौर जैसे 卐स्वच्छ शहर卐 भी शामिल हैं।आदिवासी बहुल जिलों अलीराजपुर, डिंडोरी, उमरिया, बैतूल में भी एक्यूआई लगातार बढ़ रहा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने देश के 131 शहरों को नॉन-अटेनमेंट (वायु गुणवत्ता का अनुपालन नहीं करने वाला शहर) सिटी घोषित किया है। मध्यप्रदेश के भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, सागर और देवास इस सूची में शामिल हैं। राज्य सरकार ने शहरों में प्रदूषण कम करने के लिए नगर वन योजना को पुनर्जीवित करने की घोषणा की है, जिसके तहत पांच वर्षों में 500 करोड़ रुपये खर्च किए जाने हैं।लेकिन दूसरी ओर,भोपाल में 27,000 पेड़ काटने का प्रस्ताव विरोध के बाद रद्द हुआ।अयोध्या बायपास विस्तार के लिए 8,000 पेड़ों की कटाई पर विरोध। जबलपुर, सागर, रायसेन और मंडला में अवैध या नियमविरुद्ध पेड़ कटाई के मामलों पर हाईकोर्ट और एनजीटी को हस्तक्षेप करना पड़ा है। ये उदाहरण दिखाते हैं कि विकास की अंधी दौड़ में पर्यावरणीय संतुलन लगातार नज़र अंदाज किया जा रहा है।

उद्योग, शहरीकरण और उपभोग को अनियंत्रित रूप से बढ़ाते हुए हमने हवा, पानी और मिट्टी तीनों को प्रदूषित कर दिया है।वायु प्रदूषण अब भविष्य की नहीं, आज की आपदा है। अगर संसद, सरकार और समाज ने इसे स्वास्थ्य आपातकाल की तरह नहीं लिया, तो इसकी कीमत हमें सांसों से चुकानी पड़ेगी।

(लेखक बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ से जुड़े हैं)

चिंतन मनन

प्रकृति की तीन शक्तियां

प्रकृति में तीन शक्तियां हैं- ब्रह्म शक्ति, विष्णु शक्ति और शिव शक्ति। प्राय- तुममें कोई भी एक शक्ति अधिक प्रबल होती है। ब्रह्म शक्ति वह ऊर्जा है जो नव-निर्माण करती है; विष्णु शक्ति ऊर्जा का पालन करती है और शिव शक्ति वह ऊर्जा है जो रूपांतरण करती है- नया जीवन देकर या संहार कर। तुममें से कुछ हैं जिनमें ब्रह्म शक्ति प्रबल है। तुम सृष्टि तो कर सकते हो, पर अपनी रचना को सुरक्षित नहीं रख पाते। हो सकता है तुम तुरंत ही नए मित्र बना लो, परंतु वह मित्रता अधिक समय तक टिकती नहीं। तुममें कुछ और लोग हैं जिनमें विष्णु शक्ति है। तुम रचना नहीं कर सकते, परंतु जो है उसे अच्छी तरह संभालकर रखते हो। तुम्हारी सभी पुरानी दोस्ती बहुत स्थायी होती है, परंतु तुम नए मित्र नहीं बना पाते। और तुममें कुछ ऐसे भी लोग हैं जिनमें शिव शक्ति प्रबल है। वे नव-जीवन लाते हैं या रूपांतरण, या जो है उसे खत्म करते हैं। गुरु शक्ति में ये तीनों शक्तियां पूर्ण रूप से प्रफुल्लित हैं। पहले यह पहचानो कि तुममें कौन-सी शक्ति प्रबल है और फिर गुरु शक्ति की आकांक्षा करो, प्रार्थना करो।

संपूर्ण सृष्टि सरलता और बुद्धिमत्ता के मंगलमय लय से प्रकृति के नियमों पर चल रही है। यही मंगल ही दिव्यता है। शिव वह सामंजस्यपूर्ण सरलता है जो कोई नियंत्रण नहीं जानती। शिव का विपरीत है वशी, यानी नियंत्रण। नियंत्रण मन का होता है। नियंत्रण का अर्थ है दो, द्वैत, कमजोरी। वशी का अर्थ है स्वाभाविकता से कुछ करने के बजाए दबाव द्वारा कुछ करना। प्राय- लोग समझते हैं कि उनका जीवन, परिस्थितियां उनके नियंत्रण में, उनके वश में हैं; परंतु नियंत्रण एक भ्रम है, मन में क्षणिक ऊर्जा का दबाव नियंत्रण है। यह है वशी। शिव इसका विपरीत है। शिव ऊर्जा का स्थाई और अनंत स्रेत है, सत्ता की अनंत अवस्था, वह एक जिसका कोई दूसरा नहीं। द्वैत भय का कारण है और वह सामंजस्यपूर्ण सरलता द्वैतवाद को विलीन करती है। जब एक क्षण पूर्ण है, संपूर्ण है; तब वह क्षण दिव्य है। वर्तमान क्षण में होने का अर्थ है- न भूतकाल का पछतावा, न भविष्य की कोई मांग। समय रुक जाता है, मन रुक जाता है। तुम्हारे शरीर के प्रत्येक कोष में पांचों इंद्रियों की क्षमता है। आंखों के बिना तुम देख सकते हो, दृष्टि चेतना का अंश है; इसीलिए स्वप्न में तुम आंखों के बिना देख सकते हो।

विचार मंथन

संवैधानिक कोर्ट के फैसलों का कड़ाई से पालन हो; नागरत्ना

(लेखक-सनत जैन)

न्यायपालिका केवल फैसलों का मंच नहीं है और न ही न्यायपालिका कोई प्रशासनिक मंच ही है। न्यायाधीश को हर प्रकरण में गुण और दोष के आधार पर बिना किसी भेदभाव के संविधान के अनुसार फैसला देने की बाध्यता है। न्यायपालिका वह अंतिम सीढ़ी है, जो संविधान के अनुसार विधायिका और कार्यपालिका जो निर्णय करती हैं, इसकी विवेचना करते हुए संविधान के अनुसार सही हो। यह न्यायपालिका को सुनिश्चित करना होता है। भारतीय संविधान ने न्यायपालिका को सर्वोच्च स्थिति में रखा है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट संविधान के प्रावधानों का पालन मौलिक अधिकारों को ध्यान में रखते हुए नियम और कानून के अनुरूप हो। यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी संविधान ने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों को सौंपी है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों को एक समान अधिकार प्राप्त हैं। इनमें अंतर केवल इतना है, कि हाईकोर्ट के न्यायाधीश अपने अधिकारिता के क्षेत्र में निर्णय कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय राष्ट्रीय स्तर पर लागू होते हैं। सुप्रीम कोर्ट को हाईकोर्ट से इतर एक विशेष अधिकार प्राप्त है। वह हाईकोर्ट के निर्णय की समीक्षा कर उनके निर्णय को बदलने का अधिकार सुप्रीम कोर्ट को होता है।

मौत की सजा वाले विशेष मामले को छोड़कर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय राष्ट्रीय स्तर पर सभी के लिए अंतिम निर्णय के रूप में बंधनकारी होता है। अनुशासन, परंपरा और संस्थागत संतुलन का यह संवैधानिक ढांचा है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस नागरत्ना द्वारा दिया गया हालिया फैसला, 2014 की संविधान पीठ के निर्णय को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज करते हुए जो टिप्पणी की है, संवैधानिक पीठ के निर्णय को सर्वोच्चता प्रदान की है। न्याय पालिका में अधिवक्ताओं की जिम्मेदारी और जवाबदारी को स्पष्ट किया है। जो न्यायपालिका के अनुशासनात्मक ढांचे की रक्षा का सशक्त उदाहरण है। यह निर्णय सिर्फ़ एक कानूनी विवाद का अंत नहीं करता, बल्कि न्यायिक वरीयता क्रम और संस्थागत मर्यादा की अनदेखी पर गहरी चिंता जताता है। संविधान पीठ के निर्णय सर्वोच्च न्यायिक विवेक द्वारा गंभीर विचार विमर्श के बाद लिए जाते हैं। इन्हें वर्षों की सुनवाई, व्यापक बहस और संवैधानिक व्याख्या के बाद दिया जाता है। ऐसे में अनुच्छेद 32 के तहत वर्षों बाद उसी निर्णय को चुनौती देना न्यायिक अनुशासन पर सीधा प्रहार है। यही कारण है, न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने इस याचिका को न केवल खारिज किया, बल्कि याचिकाकर्ता पर 1 लाख का जुर्माना लगाकर स्पष्ट संदेश दिया है, कि न्यायिक निर्णयों के वरीयता क्रम की अवहेलना किसी भी कीमत में स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। यह नाराज़गी केवल न्यायाधीशों की व्यक्तिगत असहमति नहीं, बल्कि न्यायपालिका की संस्थागत चिंता का विषय है। संविधान पीठ के ही निर्णयों को न्यायपालिका या न्यायपालिका से जुड़े अधिवक्ताओँ द्वारा हल्के में लिया जाएगा, तो न्यायिक स्थिरता बनाए रखना संभव नहीं होगा। हर फैसले को बार-बार चुनौती मिलेगी। जिससे निचली अदालतों से लेकर शीर्ष अदालतों तक भ्रम और अराजकता को फैलाने का कारण बनेगी। अदालत का यह कहना कि ऐसी याचिकाएं पूरे न्यायपालिका के सिस्टम को 卐चरमराने卐 की ओर ले जाती हैं। मामले का संवैधानिक पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। शिक्षा का अधिकार (अनुच्छेद 21ए) और अल्पसंख्यकों के शैक्षणिक अधिकार (अनुच्छेद 30) के बीच संतुलन को बरकरार रखते हुए संविधान पीठ का निर्णय था। 2014 के फैसले में संवैधानिक पीठ ने स्पष्ट व्याख्या करते हुए अल्पसंख्यक संस्थानों को आरटीआई से छूट दी थी। उस संतुलन को वर्षों बाद तोड़ने की कोशिश न्यायिक परंपरा के विरुद्ध है।

यह केवल कानून की पुनर्व्याख्या नहीं, बल्कि स्थापित संवैधानिक व्यवस्था को अस्थिर करने का सुनियोजित प्रयास माना जा सकता है। अदालत की सख्ती ने वकीलों की भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठाये हैं। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि अधिवक्ताओं से अपेक्षा है, वह वरीयताक्रम, बाध्यकारी फैसलों और न्यायिक मर्यादा का सम्मान करें। दुर्भावनापूर्ण या अविवेकपूर्ण याचिकाएं न केवल अदालत का समय नष्ट करती हैं बल्कि आम नागरिकों के न्याय पर जो भरोसा है, उसको कमजोर करती हैं।

वर्तमान स्थिति में जब लोकतांत्रिक संस्थाएं लगातार कई प्रकार के दबाव का सामना कर रही हैं, सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय न्यायपालिका की आत्मरक्षा के साथ-साथ लोगों का भरोसा न्यायपालिका पर बनाए रखने जैसा है। न्यायमूर्ति नागरत्ना का साफ संदेश है, वरीयता क्रम की अनदेखी से न्यायाधीशों में नाराज़गी स्वाभाविक है। ऐसी प्रवृत्तियों पर कठोरता के साथ रोक लगाना आवश्यक है। न्यायपालिका की मजबूती, अनुशासन, न्यायायिक निर्णयों की स्थिरता ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी सुरक्षा है। यह फैसला उसी मूल भावना को पुष्ट करता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टाटा पावर वेफर और इन्गोट परियोजना के लिए 6,500 करोड़ निवेश करेगी

- परियोजना के लिए संभावित स्थल की खोज जारी

भुवनेश्वर । टाटा पावर के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि कंपनी 10 गीगावाट क्षमता वाला वेफर और इन्गोट संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है। इस परियोजना में लगभग 6,500 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। यह कदम टाटा पावर को सौर ऊर्जा विनिर्माण क्षेत्र में एक पूर्ण रूप से एकीकृत कंपनी बनाने की दिशा में है, क्योंकि कंपनी पहले से ही मॉड्यूल और सेल का निर्माण करती है। अधिकारी ने कहा कि कंपनी जनवरी 2026 तक परियोजना को अंतिम रूप देने का प्रयास कर रही है। वित्त वर्ष 2025-26 की अंतिम तिमाही में परियोजना की स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। परियोजना के लिए संभावित स्थल की खोज जारी है और स्थान चयन से पहले राज्य की नीतियों और प्रोत्साहनों पर विचार किया जाएगा। टाटा पावर वर्तमान में ओडिशा, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर नजर डाल रही है। चयनित स्थल पर कंपनी जल और इन्गोट संयंत्र स्थापित करने के साथ-साथ राज्य सरकारों द्वारा मिलने वाले प्रोत्साहनों को भी ध्यान में रखेगी। कंपनी की कुल ऊर्जा क्षमता 15.9 गीगावाट है, जिसमें थर्मल, सौर और पवन ऊर्जा शामिल हैं। इसके अलावा, टाटा पावर परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में विस्तार की भी योजना बना रही है। निजी कंपनियों के लिए कानूनी संशोधनों के बाद कंपनी 20-50 मेगावाट क्षमता वाले छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) परियोजनाओं की संभावनाओं का पता लगाएगी। इस नई परियोजना के साथ, टाटा पावर सौर ऊर्जा उत्पादन में और अधिक आत्मनिर्भर बनकर ऊर्जा क्षेत्र में अपनी भूमिका मजबूत करेगी।

अर्चना व्यास बनीं बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन की भारत कंट्री डायरेक्टर

नई दिल्ली । बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन ने अर्चना व्यास को भारत में अपना नया कंट्री डायरेक्टर नियुक्त किया है। वे हरि मेनन का स्थान लेंगी, जो जनवरी 2026 में वैश्विक नेतृत्व की भूमिका संभालेंगे। अर्चना व्यास फाउंडेशन के स्वास्थ्य, स्वच्छता, लैंगिक समानता और कृषि विकास पहलों की देखरेख करेंगी। उनका कार्यभार भारतीय सरकारी एजेंसियों, परोपकारी संस्थाओं और निजी क्षेत्र के साझेदारों के साथ सहयोग को मजबूत करना होगा। व्यास 2014 से फाउंडेशन से जुड़ी हुई हैं और इसके स्वास्थ्य एवं गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों में सक्रिय रही हैं। उन्होंने कहा कि वे भारत सरकार के 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य को साकार करने के लिए सभी साझेदारों के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं। इस नियुक्ति से फाउंडेशन और भारत के बीच सहयोग और मजबूती पाने की उम्मीद है।

बीडीएमए ने केंद्र से एमआईपी लागू करने में तेजी लाने का किया आग्रह

एमआईपी लागू होने पर भी मरीजों के लिए दवाओं की कीमतों में वृद्धि नहीं होगी

हैदराबाद । केंद्र सरकार ने चीन से सस्ते आयात के दबाव से घरेलू दवा निर्माताओं की सुरक्षा के लिए न्यूनतम आयात मूल्य (एमआईपी) लागू करने की तैयारी शुरू की है। चीन द्वारा हाल ही में आयात कीमतों में भारी कटौती ने घरेलू उद्योग के लिए चुनौती पैदा की है। थोक दवा निर्माताओं ने इसे संरक्षणवादी कदम के बजाय समयबद्ध सुधारात्मक उपाय के रूप में देखा है। बल्क ड्रग मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (बीडीएमए) ने एमआईपी के प्रस्ताव का समर्थन किया है। उनके अनुसार, लगातार कम कीमतों और अनुचित मूल्य निर्धारण से घरेलू उत्पादन की व्यवहार्यता खतरे में है। बीडीएमए ने सरकार से आग्रह किया है कि एमआईपी पर शीघ्र विचार किया जाए ताकि देश में समान अवसर और दीर्घकालिक एंटीबायोटिक सुरक्षा सुनिश्चित हो। एमआईपी लागू होने पर भी मरीजों के लिए दवाओं की कीमतों में वृद्धि नहीं होगी। दवाओं का अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) स्थिर रहेगा, भले ही एक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रीडिएंट (एपीआई) की कीमतें बढ़ जाएं। बीडीएमए के अनुसार प्रस्तावित एमआईपी स्तर उचित और तर्कसंगत हैं, जिससे फॉर्मूलेटर या उपभोक्ताओं पर महंगाई का कोई असर नहीं होगा।

गूगल ने भारत में एआई परियोजनाओं के लिए 80 लाख डॉलर का निवेश किया

गूगल स्वास्थ्य मॉडल के विकास में सहयोग के लिए 4,00,000 अमेरिकी डॉलर भी देगा

नई दिल्ली । अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल ने मंगलवार को भारत में स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा और टिकाऊ शहरों के लिए एआई उत्कृष्टता केंद्रों को 80 लाख अमेरिकी डॉलर की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की। कंपनी ने यह भी कहा कि भारत में स्वास्थ्य मॉडल के विकास में सहयोग के लिए वह 4,00,000 अमेरिकी डॉलर देगा। गूगल ने भारतीय भाषाओं के समाधान विकसित करने वाले स्टार्टअप्स ज्ञानीडॉटएआई, कोरोवरडॉटएआई और भारतजेन को 50,000 अमेरिकी डॉलर का अनुदान प्रदान किया। इसका उद्देश्य भारत की भाषाई विविधता के लिए एआई मॉडल तैयार करना है। स्वास्थ्य और कृषि क्षेत्र में बहुभाषी एआई-संचालित अनुप्रयोगों को बढ़ावा देने के लिए वधवानी एआई को 45 लाख अमेरिकी डॉलर की धनराशि दी जाएगी। गूगल का कहना है कि यह कदम भारत में एआई के समावेशी विकास को मजबूत करेगा। गूगल ने 'मेडगेम्मा' आधारित स्वास्थ्य मॉडल के विकास के लिए 4,00,000 अमेरिकी डॉलर देने की प्रतिबद्धता जताई। इसके साथ ही अजना लेंस भारतीय त्वचा विज्ञान और ओपीडी ट्रायजिंग में भारत-विशिष्ट मॉडल तैयार करेगी, जिसमें एआईआईएमएस के विशेषज्ञ सहयोग करेंगे। आईआईएससी के शोधकर्ता और चिकित्सक भी नैदानिक अनुप्रयोगों के लिए एआई मॉडल की संभावनाओं का अध्ययन करेंगे। गूगल ने आईआईटी मुंबई में नया भारतीय भाषा प्रौद्योगिकी अनुसंधान केंद्र स्थापित करने के लिए 20 लाख अमेरिकी डॉलर का प्रारंभिक योगदान देने की घोषणा की। इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वैश्विक एआई प्रगति भारत की भाषाई विविधता के अनुकूल हो।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 13 पैसे की गिरावट के साथ ही 90.91 पर बंद हुआ। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में सफलता न मिलने और विदेशी निवेशकों की निरंतर बिकवाली के चलते रुपया मंगलवार को 90.87 प्रति अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 90.77-90.87 के दायरे में कारोबार करता रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर के कमजोर होने तथा वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने हालांकि घरेलू मुद्रा में और गिरावट को रोका। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.78 के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी की गिरावट के साथ 98.27 पर रहा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 533, निफ्टी 167 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही रियल्टी और बैंकिंग स्टॉक्स में हुई बिकवाली से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 533.50 अंक टूटकर 84,679.86 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 167.20 अंक फिसलकर 25,860.10 पर रहा था। आज आईटी और बैंकिंग शेयरों के कारण बाजार पर दबाव आया। निफ्टी आईटी इंडेक्स 0.84 फीसदी और निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स 1.23 फीसदी नीचे आया। इसके अलावा, ऑटो, पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल, एनर्जी, इन्फ्रा और पीएसई इंडेक्स में दबाव रहा। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी मीडिया इंडेक्स बढ़त पर बंद हुए।

सेंसेक्स के शेयरों में टाइटन, भारती एयरटेल, एमएंडएम, एशियन पेंट्स, ट्रेंट, कोटक महिंद्रा बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर लाभ में रहे थे जबकि एक्सिस बैंक, एचसीएल टेक, बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, एनटीपीसी, टीसीएस, सन फार्मा, एलएंडटी, पावर ग्रिड, एचयूएल, बीईएल, एसबीआई, मारुति सुजुकी के शेयर नुकसान में रहे।

बीएसई पर 1,654 शेयर आज लाभ के साथ ही ऊपर आये जबकि 2,523 शेयर लाल गिरावट पर रहे।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। सेंसेक्स गिरावट के साथ 85,025 अंक पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 356.17 अंक की गिरावट के साथ 84,857.19 अंक पर कारोबार कर रहा निफ्टी-50 भी बड़ी गिरावट के साथ 25,951 अंक पर खुला। शुरुआती कारोबार में ही इसमें कमजोरी देखी गई जिसके बाद निफ्टी 105.35 अंक की गिरावट के साथ 25,919 अंक पर कारोबार करता नजर आया।

एशियाई शेयर बाजार में आज गिरावट रही। एशिया के शेयर बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। इसकी वजह वॉल स्ट्रीट में आई गिरावट रही। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 1.27 फीसदी गिरा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी लगातार दूसरे सेशन में नुकसान में रहा और 0.75 फीसदी नीचे आया। वहीं, ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 लगभग सपाट रहा।

अमेरिका में बाजार गिरावट के साथ बंद-

अमेरिका में वॉल स्ट्रीट के प्रमुख इंडेक्स सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 शुरुआती बढ़त गंवाकर 0.16 फीसदी गिरा। डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज में 0.09 फीसदी की हल्की गिरावट आई, जबकि टेक शेयरों वाला नैस्डैक कंपोजिट 0.59 फीसदी नीचे बंद हुआ।

भारत का ऊर्जा क्षेत्र 11 वर्षों में अद्वितीय प्रगति की ओर: पीयूष गोयल

- भारत ने बिजली की कमी से बिजली सुरक्षा और स्थिरता की ओर बड़ी छलांग लगाई है

नई दिल्ली ।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत ने पिछले 11 वर्षों में बिजली उत्पादन, ग्रिड एकीकरण और नवीकरणीय ऊर्जा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। 2013 में जहां बिजली की कमी 4.2 फीसदी थी, वहीं अब 2025 तक केवल 0.1 फीसदी रह गई है। देश ने 250 गीगावाट की रिकॉर्ड बिजली मांग को सफलतापूर्वक पूरा किया। गोयल ने बताया कि सौर ऊर्जा क्षमता पिछले 11 सालों में 46 गुना बढ़ी, जिससे भारत दुनिया में तीसरे स्थान पर आ गया है। पवन ऊर्जा क्षमता भी 2014 के 21 गीगावाट से बढ़कर 2025 में 53 गीगावाट हो गई। वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत ने 1,048 मिलियन टन कोयला उत्पादन किया, जबकि कोयला आयात लगभग 8 फीसदी घटा। भारत अब दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रिफाइनिंग हब बन चुका है और रिफाइनिंग क्षमता में 20 फीसदी तक वृद्धि की योजना है। देश में 34,238 किलोमीटर प्राकृतिक गैस पाइपलाइन स्वीकृत की गई, जिसमें से 25,923 किलोमीटर कार्यरत हैं। गोयल ने बताया कि भारत के ऊर्जा क्षेत्र की सफलता 5 प्रमुख स्तंभों पर आधारित है। पहला स्तंभ, सभी तक बिजली पहुंच है।

भारत ने सौभाग्य योजना के तहत हर घर में बिजली पहुंचाई है। इसके साथ ही, उजाला योजना के तहत 47.4 करोड़ एलईडी बल्ब वितरित किए गए हैं, जिससे बिजली के बिलों में कमी आई और कार्बन उत्सर्जन भी कम हुआ है। दूसरा स्तंभ सस्ती बिजली है। भारत सरकार ने सौर, पवन और अन्य साफ ऊर्जा उपकरणों पर जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किया है। इसके अलावा, ईथेनॉल मिश्रण लक्ष्य को 2030 से पहले ही 20 प्रतिशत तक पूरा कर लिया गया। तीसरा स्तंभ बिजली की उपलब्धता है। भारत ने 2013 में जहां 4.2 प्रतिशत बिजली की कमी अनुभव की थी, वही अब यह कमी 2025 तक 0.1 प्रतिशत रह गई है।

लिशस ने पहली बार मासिक राजस्व 100 करोड़ पार किया

नई दिल्ली ।

ओमनीचैनल मीट और सीफूड रिटेलर लिशस ने नवंबर 2025 में 104 करोड़ रुपये का शुद्ध मासिक राजस्व दर्ज किया। यह कंपनी का पहला तीन-हंदरे अंक वाला मासिक प्रदर्शन है। अक्टूबर में 94 करोड़ रुपये के मुकाबले यह वृद्धि महामारी के बाद मांग में तेजी का संकेत देती है। डिलाइटफुल गॉरमेट प्राइवेट लिमिटेड के लिए वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही में कुल 530 करोड़ रुपये का राजस्व रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 42 प्रतिशत अधिक है। नवंबर में ऑनलाइन चैनलों से 88 करोड़ रुपये और ऑफलाइन स्टोर्स से 16 करोड़ रुपये का योगदान आया। कंपनी के पास तीन प्रमुख महानगरों में 55 से ज्यादा फिजिकल स्टोर हैं, जो अब केवल ब्रांड एक्सपोज़र का टचपॉइंट नहीं बल्कि राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान देने लगे हैं। लिशस लगभग 15 लाख उपयोगकर्ताओं को सेवा प्रदान करता है। विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ती मांग और परिपक्व ओमनीचैनल रणनीति के चलते आगामी महीनों में कंपनी का प्रदर्शन और बेहतर होगा।

बीमा फंड से अब नहीं मिलेंगे बोनस और डिविडेंड?

- सरकार ने संसद में नया मसौदा पेश किया

नई दिल्ली । सरकार ने सोमवार को संसद में बीमा कानून संशोधन विधेयक, 2025 का नया मसौदा पेश किया। इस विधेयक का उद्देश्य जीवन बीमा और कुछ अन्य अधिसूचित बीमा कारोबार से जुड़े फंडों के उपयोग पर और अधिक सख्ती करना है। प्रस्तावित कानून में खासतौर पर बीमा फंड से लाभांश, बोनस या डिबेंचर के भुगतान पर रोक लगाने की व्यवस्था की गई है। विधेयक के अनुसार, जीवन बीमा या अन्य अधिसूचित बीमा कंपनियां बीमा फंड से किसी भी रूप में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष शेयरधारकों को लाभांश देने, पॉलिसीधारकों को बोनस देने या डिबेंचर का भुगतान करने के लिए धन का उपयोग नहीं कर सकेंगी। इससे पॉलिसीधारकों के हितों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है। यदि बीमांकिक मूल्यांकन के बाद अधिशेष निकलता है, तो उसका उपयोग किया जा सकेगा। हालांकि, ऐसे अधिशेष को भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण द्वारा तय किए गए तरीके से बैलेंस शीट में दिखाना अनिवार्य होगा और कानूनी रिटर्न के साथ जमा करना होगा। विधेयक में यह भी प्रावधान किया गया है कि डिबेंचर के लिए अधिशेष से किया जाने वाला कुल भुगतान, ब्याज समेत, घोषित

अधिशेष के 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा। वहीं, डिबेंचर पर दिया जाने वाला ब्याज अधिशेष के 10 प्रतिशत से ज्यादा नहीं हो सकेगा, जब तक कि मूल्यांकन के समय इसे बीमा फंड में समायोजित न किया गया हो। यह प्रस्तावित विधेयक बीमा अधिनियम, 1938, भारतीय जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 और आईआरडीएआई अधिनियम, 1999 में संशोधन का भी प्रस्ताव करता है। सरकार का मानना है कि इन बदलावों से बीमा क्षेत्र में पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन और नियामकीय निगरानी को और मजबूत किया जा सकेगा।

टोयोटा हाइलक्स ने सेफ्टी के मोर्चे पर भी श्रेष्ठता की साबित

नईदिल्ली ।

दुनियाभर में मजबूती, भरोसेमंद परफॉर्मेंस और टिकाऊपन के लिए टोयोटा हाइलक्स जानी जाती है। टोयोटा हाइलक्स पॉपुलर पिकअप ट्रक ने सेफ्टी के मोर्चे पर भी अपनी श्रेष्ठता साबित कर दी है। 2025 टोयोटा हाइलक्स को ऑस्ट्रेलियाई न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम (एएनसीएपी) के क्रैश टेस्ट में पूरे 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग मिली है। यह रेटिंग बताती है कि हाइलक्स न सिर्फ ड्राइवर और यात्रियों के लिए सुरक्षित है, बल्कि पैदल यात्रियों और बच्चों की सुरक्षा में भी बेहतर प्रदर्शन करती है। एडल्ट ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन कैटेगरी में हाइलक्स ने 40 में से 33.96 अंक हासिल किए, जो करीब 84 प्रतिशत स्कोर है। फ्रंटल ऑफसेट, साइड इंपैक्ट, पोल टेस्ट, फुल-विथ फ्रंटल और व्हिपलैश प्रोटेक्शन जैसे तमाम टेस्ट में इसकी बॉडी स्ट्रक्चर मजबूत साबित हुई। एयरबैग और सीटबेल्ट सिस्टम ने दुर्घटना की स्थिति में यात्रियों को बेहतर सुरक्षा प्रदान की। बच्चों की सुरक्षा के मामले में भी टोयोटा हाइलक्स ने शानदार प्रदर्शन किया।

चाइल्ड ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन में इसे 49 में से 44 अंक मिले, यानी 89 प्रतिशत स्कोर। इसोफिक्स माउंट्स और चाइल्ड सीट सेफ्टी फीचर्स को इसमें खास तवज्जो दी गई है। इसके अलावा पैदल यात्रियों और साइकिल सवारों की सुरक्षा से जुड़ी कैटेगरी में भी हाइलक्स को 82 प्रतिशत स्कोर मिला। सेफ्टी असिस्ट फीचर्स जैसे ऑटोमैटिक इमरजेंसी ब्रेकिंग, लेन असिस्ट, स्पीड असिस्ट और ड्राइवर मॉनिटरिंग सिस्टम की भी जांच की गई, जहां हाइलक्स ने भरोसेमंद प्रदर्शन किया।

100 ग्राहकों में से 70 चुन रहे हैं सिर्फ सी3 को

नईदिल्ली ।

भारतीय बाजार में सिट्रोन भले ही 5 मॉडल बेच रही हो, लेकिन हर 100 ग्राहकों में से करीब 70 लोग सिर्फ सी3 को ही चुन रहे हैं। सिट्रोन इंडिया की नवंबर 2025 की बिक्री रिपोर्ट सामने आ गई है, जिसमें साफ दिखता है कि कंपनी के लिए सिट्रोन सी3 सबसे बड़ा सहारा बनी हुई है।

इसकी शुरुआती कीमत 4.80 लाख रुपये है, जो इसे बजट सेगमेंट में एक मजबूत विकल्प बनाती है। हालांकि, कुल बिक्री के लिहाज से कंपनी को नवंबर में हल्की गिरावट का सामना करना पड़ा। अक्टूबर 2025 में जहां सिट्रोन ने 1,426 यूनिट्स की बिक्री की थी, वहीं नवंबर में यह आंकड़ा घटकर 1,224 यूनिट रह गया। नवंबर में सी3 की 861 यूनिट बिकीं, जबकि अक्टूबर में इसकी 897 यूनिट बिकी थीं। अन्य मॉडलों की बात करें तो बेसाल्ट कूपे की नवंबर में 139 यूनिट, सी3 एयरक्रॉस की 208 यूनिट और इलेक्ट्रिक मॉडल ईसी3 की सिर्फ 16 यूनिट बिकीं।

वहीं प्रीमियम एसयूवी सी5 एयरक्रॉस एक बार फिर शून्य बिक्री पर सिमट गई। इसमें एलईडी हेडलाइट्स, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल जैसे फीचर्स भी मौजूद हैं। कम कीमत और बेहतर फीचर्स की वजह से सी 3 भारतीय ग्राहकों की पसंद बनी हुई है।

सिट्रोन सी 3 के फीचर्स और इंजन ऑप्शंस इसे लोकप्रिय बनाते हैं। इसमें 1.2-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड और टर्बो पेट्रोल इंजन मिलते हैं। सेफ्टी के लिए अब इसमें स्टैंडर्ड 6 एयरबैग दिए गए हैं।

राइट टू डिसकनेक्ट बिल, 2025: काम-जीवन संतुलन पर नई बहस

- लोक सभा में निजी विधेयक पेश, तय समय से अधिक काम कराने पर जुर्माने का प्रस्ताव

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोक सभा में सांसद सुप्रिया सुले द्वारा 'राइट टू डिसकनेक्ट बिल, 2025' पेश किए जाने के साथ काम और निजी जीवन के संतुलन को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है। यह निजी विधेयक निजी कंपनियों पर लागू होगा और उन नियोक्ताओं पर जुर्माना लगाने का प्रावधान करता है, जो कर्मचारियों से तयशुदा कार्य घंटों से अधिक काम करने का दबाव डालते हैं। निजी विधेयक होने के कारण इसके पारित होने की संभावना भले ही कम हो, लेकिन इसने लंबे काम के घंटे और कर्मचारियों के शोषण जैसे मुद्दों को केंद्र में ला दिया है। यह विधेयक ऐसे समय में आया है, जब देश में नए श्रम कानून लागू किए गए हैं। इन कानूनों के तहत गिग वर्कर्स, एमएसएमई कर्मचारियों और न्यूनतम वेतन पाने वाले कामगारों सहित सभी श्रेणियों के लिए सप्ताह में 48 घंटे काम करने का प्रावधान है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के अनुसार, 2024 में भारत दुनिया की सबसे अधिक काम करने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल रहा, जहां औसतन 45.7 घंटे प्रति सप्ताह काम किया गया। इंडीड-सेंससवाइड के एक सर्वे में 79 प्रतिशत लोगों ने 'राइट टू डिसकनेक्ट' नीति

को सकारात्मक बताया, लेकिन 88 प्रतिशत ने स्वीकार किया कि उनसे तय समय के बाद भी काम कराया जाता है। इस बढ़ते दबाव के कारण पेशेवरों में नौकरी छोड़ने की प्रवृत्ति बढ़ रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय टीम चौथे टी20 में भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी

लखनऊ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चौथे टी20 मैच में उतरेगी। भारतीय टीम इस सीरीज में 2-1 से आगे है और ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर पांच मैचों की इस सीरीज में अपनी बढ़त बनाये रखना रहेगा। इस मैच में भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव भी लंबी पारी खेलना चाहेंगे। सूर्या अब तक इस सीरीज में रन नहीं बनाने के कारण निशाने पर हैं। इस मैच में उपकप्तान शुभमन गिल को आराम देकर उनकी जगह पर संजू सैमसन को भी अवसर मिल सकता है। शुभमन भी इस सीरीज में रन नहीं बना पाये हैं। ऐसे में सभी का मानना है कि उन्हें आराम दिया जाना चाहिये। भारतीय टीम चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में सही संतुलन से उतर कर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करना चाहेगी।

सूर्यकुमार का इस सत्र में औसत 15 से कम है। इसके अलावा 2025 में उनके नाम कोई अर्धशतक नहीं है जो उनके करियर में इस तरह का सबसे लंबा चरण है। वह इस दौरान केवल दो बार 20 गेंद से अधिक बल्लेबाजी करने में सफल रहे हैं। टी20 विश्व कप में दो महीने से भी कम समय बचा है और ऐसे में टीम चाहेगी कि उनका कप्तान अपनी लय हासिल करे।

वहीं उप-कप्तान शुभमन गिल का प्रदर्शन भी काफी खराब रहा है। उनके पारी की शुरुआत करने के बाद से ही टीम का शीर्ष क्रम विफल रहा है। शुभमन को अच्छी बल्लेबाजी कर रहे संजू सैमसन की जगह पर टीम में शामिल किया गया था पर वह परिणाम नहीं दे पाये। शुभमन अभी तक टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपने को स्थापित नहीं कर पाये हैं। वह रविवार को कम लक्ष्य का पीछा करते हुए भी सिर्फ 28 रन ही बना पाए जिसने विश्व कप से पहले उनकी बल्लेबाजी पर सवाल उठ रहे हैं।

विश्व कप से पहले भारत के पास इस प्रारूप में अब सिर्फ 7 मैच हैं। अक्षर पटेल के बीमारी के कारण सीरीज से बाहर होने के बाद भारत ने शाहबाज अहमद को इस मैच के लिए टीम में जगह दी है। जिससे स्पिनर कुलदीप यादव को अधिक अवसर मिल सकते हैं। वहीं

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह निजी कारणों से इस मैच से बाहर हैं। ऐसे में उनकी जगह पर बांए हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को टीम में बनाये रखा जाएगा। पिछले मैच में अर्शदीप ने जबरदस्त खेल दिखाया था। वहीं हर्षित राणा ने भी धर्मशाला में अच्छी बल्लेबाजी की। अभी भारतीय टीम 5 मैचों की सीरीज में 2-1 से आगे है। ऐमें उसका हौंसला बुलंद है।

वहीं दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीकी टीम का लक्ष्य किसी भी प्रकार ये मैच जीतकर सीरीज में वापसी करना रहेगा। टीम की बल्लेबाजी एडेन मारक्रम (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, डेविड मिलर पर आधारित रहेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान एनरिक नोर्किया, लुंगी एनगिडी, कोर्बिन बॉश, केशव महाराज के पास रहेगी। टी20 विश्व कप फाइनल के बाद से दक्षिण अफ्रीका की टीम छोटे प्रारूप में 28 में से 18 मैच हारी है। इससे पता चलता है कि टीम में निरंतरता की कमी है। दक्षिण अफ्रीका को बेहतर संयोजन की तलाश है और इसको देखते हुए टीम प्रबंधन लगातार बदलाव कर रहा है जिससे खिलाड़ी लय हासिल नहीं कर पा रहे।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, एनटी तिलक वर्मा, शाहबाज अहमद, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, संजू सैमसन, हर्षित राणा, कुलदीप यादव और वाशिंगटन सुंदर।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मारक्रम (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, रीजा हेंड्रिक्स, डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, डोनोवन फरेरा, मार्को यानसेन, लूथो सिपाम्ला, ओटनील बार्टमैन, एनरिक नोर्किया, लुंगी एनगिडी, कोर्बिन बॉश, केशव महाराज और जॉर्ज लिंडे।

बुमराह निजी कारणों से घर लौटे, अंतिम टी20 में हो सकती है वापसी

-अक्षर बचे हुए दोनो मैचों से बाहर हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह निजी कारणों से अपने घर वापसी चले गये हैं। इस कारण उन्हें टीम से बाहर रखा गया है। इससे पहले बुमराह के अचानक ही टीम से बाहर होने के कारण कई प्रकार के सवाल उठ रहे थे। बीसीसीआई और टीम प्रबंधन के अनुसार परिवार में मेडिकल इमरजेंसी को देखते हुए ही बुमराह को घर लौटना पड़ा है। गौरतलब है कि बुमराह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 में भी शामिल नहीं थे। इसी कारण उनकी जगह युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा को टीम में जगह मिली थी। एक रिपोर्ट में बीसीसीसीआई के हवाले से कहा गया है कि बुमराह के परिवार का एक सदस्य गंभीर रुप से बीमार होने के बाद अस्पताल में भर्ती है। इसी कारण उन्हें घर लौटना पड़ा है। उनके चौथे या पांचवें टी20 में वापसी की उम्मीदें हैं। वहीं इस रिपोर्ट के अनुसार, अगर सब कुछ ठीक रहता है तो बुमराह अहमदाबाद में होने वाले पांचवें टी20 मुकाबले के लिए टीम में शामिल हो सकते हैं। हालांकि अभी उनकी , प्राथमिकता अपने परिवार के साथ रहना और स्थिति संभालना है। बुमराह के अलावा स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल भी बीमार होने के कारण तीसरे टी20 से बाहर रहे थे। इसी कारण उनकी जगह कुलदीप यादव को जगह मिली थी। अक्षर पटेल बिमारी के कारण बचे हुए दो मैचों से बाहर हो गये हैं। उनकी जगह पर शाहबाज़ अहमद को टीम में जगह मिली है। तीसरे टी20 में जीत के साथ ही भारत ने पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है। सीरीज का चौथा मुकाबला 17 दिसंबर को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेला जाएगा।

अभिषेक ने किया सूर्यकुमार ओर शुभमन का समर्थन, विश्वकप में दोनो हमें जीत दिलाएंगे

धर्मशाला (एजेंसी)। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव और उपकप्तान शुभमन गिल पिछले काफी समय से अपने खराब फार्म के कारण आलोचकों के निशाने पर हैं। वहीं भारतीय टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का मानना है कि अगामी टी20 सीरीज और विश्वकप में ये दोनो अपने प्रदर्शन से टीम को जीत दिलाएंगे। अभिषेक ने माना कि अभी ये रन नहीं बना पा रहे हैं पर कहा कि जब इनकी सबसे ज्यादा जरूरत होगी तो ये दोनों ही टीम के लिए जमकर रन बनाएंगे।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जारी पांच मैचों की टी20 सीरीज में सूर्यकुमार ने 3 मैचों में 29 और शुभमन ने 3 मैचों में 32 रन बनाए हैं। भारतीय टीम हालांकि सीरीज में आग है। धर्मशाला में खेले गए तीसरे टी20 मैच में भी उप्तान और उपकप्तान विफल रहे थे। इस मैच में शुभमन की धीमी बल्लेबाजी पर ही सवाल उठे हैं। इसके बाद भी अभिषेक का मानना है कि किसी को भी चिन्ता की जरुरत नहीं है। अभिषेक ने कहा, मैं ये दोनों विश्व कप में और उससे पहले दूसरी सीरीज में भी मेज विजेता साबित होंगे। मैं उनके साथ इतने लंबे समय से खेल रहा हूं, खासकर शुभमन के साथ, इसलिए मुझे पता है कि वह कहां मैच जिता सकता है, कोई भी हालात हो और टीम कोई भी हो। मुझे उस पर शुरू से ही बहुत भरोसा रहा है और मुझे उम्मीद है कि सब लोग इसे बहुत जल्द देखेंगे और उनको भी भरोसा हो जाएगा।

आईपीएल ऑक्शन-ऑस्ट्रेलिया के ग्रीन 25.20 करोड़ में बिके

केकेआर ने खरीदा, लीग के इतिहास के सबसे महंगे विदेशी; स्टार्क का रिकॉर्ड तोड़ा

अबु धाबी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बन गए हैं। उन्हें मंगलवार को अबु धाबी में चल रहे मिनी ऑक्शन में कोलकाता नाइट राइडर्स ने 25.20 करोड़ रुपए में खरीदा।

ग्रीन ने अपने ही देश के मिचेल स्टार्क का रिकॉर्ड तोड़ा। उन्हें 2024 में केकेआर ने ही 24.75 करोड़ रुपए में खरीदा था। पहले सेट में 6 प्लेयर्स ऑक्शन पूल पर लाए गए। इसमें से 2 ही बिके। डेविड मिलर को दिल्ली कैपिटल्स ने 2 करोड़ रुपए में अपने साथ जोड़ा। जेक फ्रेजर-मैकगर्क, डेवोन कॉन्वे, सरफराज खान और पृथ्वी शॉ अनसोल्ड रहे हैं। उन पर किसी ने बोली नहीं लगाई।

ऑक्शन इतिहास के सबसे महंगे

प्लेयर ऋषभ पंत हैं। उन्हें पिछले साल मेगा ऑक्शन में लखनऊ सुपर जायंट्स ने 27 करोड़ रुपए में खरीदा था। 10 टीमें 77 खिलाडियों को खरीदने के लिए बोली लगा रही है। नीलामी में 350 प्लेयर्स के नाम ऑक्शन पूल पर लाए जाएंगे।

किस टीम का पर्स सबसे बड़ा है?

सबसे कम प्लेयर्स को रिटेन करने वाली केकेआर का पर्स ही सबसे बड़ा है, टीम 64.30 करोड़ रुपए लेकर नीलामी में आएगी। उनके बाद चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पर्स में 43.40 करोड़ रुपए है। मुंबई इंडियंस के पर्स में सबसे कम 2.75 करोड़ रुपए है। आरसीबी, आरआर, पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के पर्स में 11 से 17 करोड़ रुपए है। वहीं दिल्ली, लखनऊ और सनराईजर्स हैदराबाद के पर्स में 21 से 26 करोड़ रुपए है।

26 मार्च से शुरु होगा आईपीएल 2026 सत्र : बीसीसीआई

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि आईपीएल का 19वां सत्र अगले साल 26 मार्च 2026 से शुरू होगा। वहीं इसका खिताबी मुकाबला 31 मई को होगा। बीसीसीआई ने सभी फ्रेंचाइज़ियों को ये जानकारी दी है। जिसे सभी टीमें आगामी सत्र के लिए बेहतर तरीके से तैयारी कर सकें। इस बार मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) टूर्नामेंट का शुरुआती मैच खेलेगी। ये मैच घरेलू मैदान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में शायद ही खेला जाये क्योंकि इसकी उपलब्धता अभी पक्की नहीं हुई है। स्टेडियम की अनुमति राज्य सरकार से मिली है पर पिछले सत्र में आरसीबी की जीत के बाद यहां जिस प्रकार भगदड़ मची थी। उसे देखते हुए सुरक्षा मंजूरी के बाद ही यहां मैच खेला जा सकेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईपीएल का 19वाँ सीजन पुरुष टी20 विश्व कप के समाप्त होने के लगभग तीन हफ्ते बाद शुरू होगा। विश्व कप 7 फरवरी से 8 मार्च तक भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। इस कार्यक्रम से आईपीएल करीब दो महीने से ज्यादा चलेगा, जिसमें 10 टीमें हिस्सा लेंगी हालाँकि पूरे मुकाबलों का कार्यक्रम अभी शेष है पर फाइनल 31 मई को होगा। एक बड़ा मामला यह उभर रहा है कि लगातार दूसरे साल आईपीएल और पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की तारीखें टकरा रही हैं। पीएसएल 2026 का आयोजन 26 मार्च से 3 मई तक प्रस्तावित है। इस प्रकार दोनों लीग एक साथ चलेंगी। इससे खिलाड़ियों की उपलब्धता पर प्रभाव पड़ सकता है।

अब शुभमन की जगह पर सैमसन को अवसर दें : कैफ

नई दिल्ल। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले तीन मैचों में असफल रहे बल्लेबाज शुभमन गिल को अब आराम देकर उनकी जगह पर संजू सैमसन को बचे हुए मैचों में रखा जाये। कैफ ने कोच गौतम गंभीर और टीम प्रबंधन से कहा है कि अब सैमसन को पारी की शुरुआत का अवसर दिया जाना चाहिये। शुभमन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के शुरुआती तीन टी20 मैचों में विफल रहे ओर केवल 4, 0 और 28 रन ही बना पाये।

कैफ ने कहा, शुभमन गिल को आरात देते हुए किसी अन्य खिलाड़ी को अवसर दें। वहीं कैफ ने कहा, सैमसन खिलाड़ी योग्य है उसे उनकी जगह पर अवसर मिलना चाहिये। ये उसका अधिकार है। वह सोच रहा होगा कि शुभमन तो एक साल से खेल रहे हैं और मुझे 2-3 खराब पारियों के बाद ही बाहर कर गया। कैफ ने कहा, 'एक या दो खिलाड़ी अंतर पैदा करते हैं जिन्हें अवसरों के संदर्भ में विशेष अवसर दिये जाने चाहिये। शुभमन को देखिए, वह कितनी सारी पारियां पहले ही खेल चुके है?' उन्होंने आगे कहा, हम पिछले कुछ समय से इसके बारे में बात कर रहे हैं। अब आपको फैसला लेना होगा, समय आ गया है। भारतीय टीम सीरीज में अभी 2-1 से आगे है। भारतीय टीम को अगले साल से शुरू होने जा रहे टी20 विश्व कप से पहले अभी सात टी20 मैच खेलने हैं।

अभिज्ञान कुंडू के दोहरे शतक से भारतीय अंडर-19 टीम ने मलेशिया को 315 रन से हराया

-दीपेश ने 22 रन देकर पांच विकेट लिए

दुबई (एजेंसी)। अभिज्ञान कुंडू के रिकार्ड दोहरे शतक के बाद दीपेश देवेंद्रन की शानदार गेंदबाजी से भारतीय टीम ने अंडर-19 एशिया कप 2025 के मुकाबले में मलेशिया को 315 रन से हरा दिया। कुंडू ने 209 रन बनाये जबकि दीपेश देवेंद्रन ने 22 रन देकर पांच विकेट लिए। इससे भारतीय टीम ने मलेशिया को हराकर अंडर-19 एकदिवसीय क्रिकेट की सबसे बड़ी जीत हासिल की। भारतीय टीम ने इस मैच में 50 ओवर में 7 विकेट पर 408 रन बनाये। वहीं विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी मलेशियाई टीम भारतीय गेंदबाजी के सामने टिक नहीं पाई और 32.1 ओवर में 93 रन पर ही सिमट गयी।

दीपेश देवेंद्रन ने सात ओवर में 22 रन देकर पांच विकेट लिए। वहीं उधव मोहन ने दो विकेट लिए, जबकि किशन कुमार सिंह, खिलन पटेल और कनिष्क चौहान को एक-एक विकेट लिया।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत की शुरुआत साधारण रही, लेकिन इसके बाद कुंडू ने मैच दल दिया। ने जबरदस्त रफ्तार पकड़ी। वेदांत त्रिवेदी और अभिज्ञान कुंडू ने चौथे विकेट के लिए 209 रन की शानदार साझेदारी कर मलेशियाई गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। त्रिवेदी ने 90 रन बनाये जबकि कुंडू ने अंडर-19 का सबसे बड़ा स्कोर बनाया।

17 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज कुंडू ने 125 गेंदों में 17 चौकों और 9 छक्कों की मदद से 209 रन बनाए। उन्होंने सिर्फ 44 गेंदों में अर्धशतक और 80 गेंदों में शतक पूरा किया, जबकि 121 गेंदों में दोहरा शतक लगा दिया।

मोहाली गोलीबारी में घायल कबड्डी राणा बलाचौरिया की मौत

मोहाली। पंजाब के मोहाली शहर में कबड्डी टूर्नामेंट के दौरान हुई गोलीबारी में गंभीर रुप से घायल हुए खिलाड़ी राणा बलाचौरिया की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गयी है। राणा इस टूर्नामेंट के प्रमोटर भी थे। इस घटना से खेल जगत के साथ-साथ पूरे इलाके में शोक और आक्रोश है। मृतक खिलाड़ी की 10 दिन पहले ही में शादी हुई थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोहाना में कबड्डी का एक बड़ा टूर्नामेंट चल रहा था, इस कारण वहां दर्शकों की भारी भीड़ थी। टूर्नामेंट के आयोजक और प्रमोटर राणा बलाचौरिया भी मैदान के पास मौजूद थे। एक रिपोर्ट के अनुसार इसी दौरान बाइक और कार में सवार होकर आए कुछ बदमाश वहां पहुंचे। ये फोटो खींचने के नाम पर राणा के करीब पहुंचे और पास जाते ही अचानक गोलियां चला दीं। गोलीबारी की आवाज सुनते ही अफरा-तफरी मच गई। गोलियां लगने से गंभीर रूप से घायल हुए राणा को तत्काल ही करीब के अस्पताल पहुंचाया गया पर वह बचाये नहीं जा सके। इस प्रकार दिन दहाड़े हुई गोलीबारी से लोग सकते में हैं। अपराधियों की गोलीबारी से टूर्नामेंट में भगदड़ मच गयी थी। इस टूर्नामेंट में कई बड़ी पंजाबी सिंगरों के आने का भी कार्यक्रम था, लेकिन उनके पहुंचने से पहले ही यह घटना हो गई।, इसके बाद पूरा कार्यक्रम प्रभावित हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरु कर दी। पुलिस ने अपराधियों की तलाश के लिए कई टीमें गठित कर दी हैं। हत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चला है। पिछले कुछ समय से खेल मुकाबलों में भी हमले के मामले बढ़ते जा रहे हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टेस्ट के लिए एजाज पटेल न्यूजीलैंड टीम में शामिल

-ब्लंडेल की भी हुई वापसी, मिच बाहर हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने स्पिनर एजाज पटेल को वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच के लिए शामिल किया है। एजाज के अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज टॉम ब्लंडेल की भी टीम में वापसी हुई है। एजाज को ब्लेयर टिकनर की जगह शामिल किया गया है। टिकनर कंधे की चोट के कारण टीम से बाहर हैं।

वहीं पहले टेस्ट से बाहर रहे अनुभवी विकेटकीपर टॉम ब्लंडेल को इस मैच में शामिल किया गया है। वह हैमस्ट्रिंग में चोट के कारण पिछले मैच से बाहर थे। इसी कारण दूसरे टेस्ट में मिच विकेटकीपर के तौर पर शामिल किये गये थे। मिच अब फिर से घरेलू क्रिकेट में लौटेंगे और कैंटरबरी की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलेंगे। एजाज नवंबर 2024 में टेस्ट मैच में प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे। भारत में खेली टेस्ट सीरीज जीत के एक ही मैच में उन्होंने दस विकेट लेकर कीवी टीम को जीत दिलायी थी। फरवरी 2020 के बाद वह पहली बार घरेलू टेस्ट खेलेंगे।

न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा, एजाज ऐसा खिलाड़ी है, जिस पर हम भरोसा करते हैं। बे ओवल की पिच आमतौर पर न्यूजीलैंड की दूसरी पिचों के मुकाबले ज्यादा टर्न लेती है और जिस तरह से वह गेंद को राइट-हैंडर से दूर घुमाता है, वह बहुत अच्छा है। तीसरे टेस्ट में एक और स्पिनर को शामिल करने से हमारे गेंदबाजी आक्रमण में भी विविधता आएगी, साथ ही हमारे सीमर्स भी हैं जिन्होंने इस सीरीज में अब तक बहुत अच्छा काम किया है। वहीं टीम में कोई और बदलाव नहीं किया गया है। सिर्फ एजाज पटेल और टॉम ब्लंडेल को जोड़ा गया है, जबकि मिच को बाहर कर दिया गया है। न्यूजीलैंड अभी सीरीज में 1-0 से आगे है। पहला टेस्ट रोमांचक ड्रॉ पर खत्म हुआ था। आखिरी टेस्ट 18 दिसंबर से माउंट माउंगानुई के बे ओवल में खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड की टेस्ट टीम अब इस प्रकार है

टॉम लैथम (कप्तान), टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), माइकल ब्रेसवेल, क्रिस्टियन क्लार्क, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, जैक फॉक्स, डेरिल मिशेल, एजाज पटेल, ग्लेन फिलिप्स, माइकल रे, रचिन रवींद्र, केन विलियमसन और विल यंग

श्रीलंकाई टीम के पूर्व कप्तान अर्जुन रणतुंगा की गिरफ्तारी के आदेश जारी हुए

मंत्री रहते सरकारी तेल कंपनी को पहुंचाया नुकसान

कोलंबो। विश्वकप विजेता श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और पेट्रोलियम संसाधन विकास मंत्री रहे अर्जुन रणतुंगा की गिरफ्तारी के आदेश जारी हुए हैं। यहां की एक अदालत ने खेल से राजनीति में आये रणतुंगा का नाम भ्रष्टाचार के मामले में आने के कारण ये आदेश दिये हैं। इसी कारण उनके विदेश जाने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। रणतुंगा पर सरकारी तेल कंपनी को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचाने के आरोप हैं। वहीं रिश्वत और भ्रष्टाचार रोधी जांच एजेंसी ने कहा है कि रणतुंगा को गिरफ्तार कर पेश करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। श्रीलंका की भ्रष्टाचार या रिश्वत के आरोपों की जांच करने वाले आयोग (सीआईएबोक) ने मुख्य मजिस्ट्रेट न्यायालय को बताया कि रणतुंगा के मंत्री रहते सीलोन पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (सीपीसी) में ईंधन खरीद से जुड़े फैसलों के कारण लगभग 800 मिलियन श्रीलंकाई रुपये का कथित नुकसान हुआ। यह नुकसान इसीलिए क्योंकि दीर्घकालिक ईंधन टेंडर रद्द कर महंगे दामों पर स्पॉट टेंडर लागू किए गए। आयोग की ओर से पेश हुई सहायक निदेशक (कानूनी) अनुषा सम्मंथप्पेरुमा ने अदालत को बताया कि वर्ष 2017-2018 के लिए प्रस्तावित तीन दीर्घकालिक ईंधन आपूर्ति टेंडर रद्द किए गए थे। इसके बाद लिए गए फैसलों के कारण निगम को गंभीर आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। इसी आधार पर सीपीसी के पूर्व चेयरमैन धम्मिका रणतुंगा को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया है।

विराट-अनुष्का की वृंदावन यात्रा : प्रेमानंद जी महाराज के किए दर्शन, मिली जीवन की बड़ी सीख

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के सबसे बड़े नामों में शुमार विराट कोहली सिर्फ मैदान पर ही नहीं, बल्कि निजी जीवन में भी गहरी सोच और आध्यात्मिक जुड़ाव के लिए जाने जाते हैं। अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ उनकी हालिया वृंदावन यात्रा ने एक बार फिर यह दिखाया कि सफलता के शिखर पर पहुंचने के बाद भी वे आंतरिक शांति और मार्गदर्शन को कितना महत्व देते हैं। श्री हित राधा केली कुंज आश्रम में प्रेमानंद जी महाराज से हुई यह मुलाकात न सिर्फ आध्यात्मिक रही, बल्कि जीवन, सेवा और कर्म को देखने के नजरिए पर भी केंद्रित थी।

वृंदावन में तीसरी बार पहुंचे कोहली और अनुष्का

विराट कोहली और अनुष्का शर्मा का वृंदावन से खास जुड़ाव रहा है। यह जोड़ा नियमित रूप से यहां आता रहा है और साल 2025 में यह उनकी तीसरी यात्रा मानी जा रही है। इससे पहले जनवरी में वे अपने बच्चों के साथ आश्रम पहुंचे थे, जबकि मई में उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के ठीक एक दिन बाद वृंदावन का रुख किया था। हर बार की तरह इस बार भी दोनों ने सादगी और श्रद्धा के साथ समय बिताया।

प्रेमानंद जी महाराज की सीख- सेवा और विनम्रताआश्रम में हुई बातचीत के दौरान प्रेमानंद जी महाराज ने जीवन को सेवा के रूप में देखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अपने काम को केवल पेशा नहीं, बल्कि सेवा समझना चाहिए। साथ ही, गंभीरता, विनम्रता और ईश्वर के नाम का स्मरण जीवन को संतुलित बनाता है। महाराज जी ने यह भी समझाया कि ईश्वर के दर्शन की गहरी चाह मन में होनी चाहिए, वही इंसान को सांसारिक मोह से ऊपर उठाती है।

भावुक अनुष्का, सहमति में विराट

इस आध्यात्मिक संवाद के दौरान अनुष्का शर्मा काफी भावुक नजर आईं और पूरे ध्यान से महाराज जी की बातें सुनती रहीं। विराट कोहली भी हर सीख पर सहमति जताते दिखे। महाराज जी ने आगे कहा कि जब इंसान यह मान ले कि संसार के सुख उसे मिल चुके हैं और अब केवल ईश्वर की इच्छा शेष है, तब सच्चा आनंद उनके चरणों में मिलता है। इस पर अनुष्का ने विनम्रता से कहा, ÷हम आपके हैं, महाराज जी,÷ जिसके जवाब में उन्होंने सभी को ईश्वर का संतान बताया।

आध्यात्म के साथ मैदान पर भी फोकस

टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद विराट कोहली फिलहाल वनडे क्रिकेट में सक्रिय हैं और उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरुआती असफलताओं के बाद उन्होंने नाबाद 74 रन की अहम पारी खेली और टीम को आसान जीत दिलाई। इसके बाद लगातार दो वनडे शतक और तीसरे मैच में नाबाद 65 रन बनाकर उन्होंने सीरीज जीत में अहम

भूमिका निभाई।

विराट कोहली का नया संतुलन

विराट कोहली की यह यात्रा साफ दिखाती है कि वे अब क्रिकेट और आध्यात्म के बीच संतुलन बनाकर चल रहे हैं। मैदान पर आक्रामकता और आश्रम में शांति यही संतुलन शायद उनके करियर के इस नए अध्याय की सबसे बड़ी ताकत है।

ये टिप्स अपनाएंगे तो हर कोई हो जाएगा आपके पर्सनैलिटी का फैन

आप पर्सनालिटी डेवलपमेंट शब्द को परिभाषित करने का प्रयास करते हैं तो आपके मन में क्या ख्याल आता है? क्या आपको लगता है अच्छे कपड़े पहनना या अंग्रेजी बोलना या फिर लोगों से मिलना पर्सनालिटी डेवलपमेंट है? तो जवाब मिलेगा नहीं। केवल यह शब्द मिलकर पर्सनालिटी डेवलपमेंट का कार्य नहीं करते बल्कि कई ऐसी चीजें हैं जो पर्सनालिटी डेवलपमेंट का कार्य करते हैं। आइए कुछ टिप्स के विषय में जान लेते हैं जो पर्सनैलिटी डेवलपमेंट का कार्य करते हैं।

कॉन्फिडेंस बनाएं रखें

किसी भी कार्य को आसान करने का सबसे पहला मंत्र है कॉन्फिडेंस। अगर आप किसी भी काम करते समय कॉन्फिडेंस रखते हैं तो आप किसी भी समस्या का हल ढूंढ सकते हैं। कॉन्फिडेंस से भरे लोगों से हर व्यक्ति आकर्षित हो जाता है। अगर आप अपनी पर्सनालिटी को अच्छे से डेवलप करना चाहते हैं को खुद में कॉन्फिडेंस बिल्ड करने का प्रयास करें। कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए आप ज्यादा से ज्यादा पढ़ना शुरू करें और नए-नए विषयों को एक्सप्लोर करना शुरू करें।

हर विषय पर ओपिनियन बनाने का प्रयास करें

अगर आप खुद को दूसरों से अलग बनाना चाहते हैं तो प्रयास करें कि आप हर विषय में अपना एक ओपिनियन बनाएं ताकि कभी आपसे पूछा जाए तो आप जवाब दे सकें। लेकिन ध्यान रखें कि बिना मांगे ओपिनियन देने से आपकी पर्सनालिटी को नेगेटिव रूप में भी प्रदर्शित कर सकता है।

अच्छे श्रोता बनें

हम हमेशा उन लोगों को दूसरे के मुकाबले अधिक तवज्जो देते हैं जो हमारी बातों को सुनते हैं। कई लोग ऐसा मानते हैं कि अच्छा श्रोता होना एक अच्छे व्यक्तित्व की निशानी है। अगर आप भी अपनी पर्सनालिटी को बेहतर बनाना चाहते हैं तो लोगों को सुनना शुरू करें और एक अच्छा श्रोता बनने का प्रयास करें।

बॉडी लैंग्वेज को सुधारें

पर्सनैलिटी डेवलपमेंट के लिए बॉडी लैंग्वेज पर काम करना बेहद जरूरी है। आपकी बॉडी लैंग्वेज भी आपके बारे में कई बातें बताती है। आपके चलने, बैठने, बातें करने या खाने के तरीके सहित सब कुछ आपके आस-पास के लोगों पर प्रभाव डालता है। अच्छी बॉडी लैंग्वेज एक अच्छी पर्सनालिटी की तरफ कार्य करती है।

इन तरीकों से खुद को कर सकते हैं जॉब में मोटिवेट

आज के दौर में जब जॉब की इतनी बहुतायत है, वहीं लोगों में उस जॉब को पानी के लिए जरूरी स्किल्स की कमी है। अक्सर ऐसा देखने में आता है कि कुछ लोगों में अपनी सब्जेक्ट की नॉलेज तो है, पर कहीं न कहीं कई ऐसी वजहें होती है जो उन्हें अपने फील्ड में बहुत अच्छा करने से रोकती हैं। ये लोग डिमोटिवेट होते हैं। तो आइए जानते हैं खुद को मोटिवेट कैसे किया जाए

- खुद को शांत रखना सीखिए। ऐसा करने से आपका दिमाग ठीक तरीके से काम करता है और आप किसी भी समस्या का सामना कर सकते हैं।
- ऐसे विचारों को माइंड में कभी न लाएं जो आपके किसी अच्छे काम को प्रभावित करें। हम अक्सर दूसरों से राय लेने में नहीं चूकते। जब कुछ नया करने जा रहे होते हैं। अब यह निर्भर करता है कि जिससे आपने राय ली है, वह आपका हित चाहने वाला है या नहीं, तो तुरंत किसी की बात को न मानें। उस पर विचार करें। उसके बाद ही कोई कदम उठाएं।
- अगर आप किसी काम के लिए जा रहे हों तो अपने डर पर विजय हासिल करें। कॉन्फिडेंट रहिए, डर दूर करने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप सामने वालों को भी अपनी ही तरह एक आम इंसान ही समझें। सोचिए कि अगर आप किसी ऊंची पोस्ट पर होते हैं तो सब आपके हाथ में होता।
- जब आप कोई इंटरव्यू के लिए जा रहे हों तो ये सोचिए कि आप कई इंटरव्यू दे चुके हैं। भले ही यह आपका पहला इंटरव्यू रहो। इससे आपका कॉन्फिडेंस हाई रहेगा। अपनी सक्सेस को हमेशा अपने साथ लेकर चलें। यह कभी न सोचें कि अगर सिलेक्शन न हुआ तो।
- जब आप किसी इंटरव्यू के लिए जाएं तो अपना बेस्ट देने की कोशिश करें। अपनी कमियों को खुद पर हावी न होने दें। जो भी स्किल या नॉलेज आपके पास है उसे बेहतर ढंग से एक्सप्रेस करें।
- साफ-सुथरी बात सभी को अच्छी लगती है। आपका बात करने का अंदाज विनम्र होना चाहिए। साथ ही स्पष्ट और कम शब्दों में होना चाहिए।

बहुत बड़ा है एविएशन इंडस्ट्री का दायरा

अगर आप भी एविएशन इंडस्ट्री में अपना करियर बनाने की सोच रहे हैं, लेकिन अपने आप को पायलट व केबिन क्रू बनने के काबिल नहीं पाते, तो निराश मत हो, क्योंकि इसके अलावा भी अब इस सेक्टर में कई डिपार्टमेंट ऐसे हैं जहां आप अपना करियर बना सकते हैं। ज्यादातर लोग एविएशन क्षेत्र के दायरे को पायलट, एयर होस्टेज व केबिन क्रू तक सीमित कर देते हैं, लेकिन इसका दायरा बहुत बड़ा है। आप इस इंडस्ट्री में एयरपोर्ट मैनेजमेंट, एयरपोर्ट ग्राउंड स्टाफ, फ्लाइट इंजीनियर, एयर टिकटिंग, एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स, एयर कार्गो मैनेजमेंट, मीटिरियोलॉजिस्ट आदि जॉब प्रोफाइल पर भी कार्य कर सकते हैं।

ग्राउंड स्टाफ

एविएशन इंडस्ट्री में ग्राउंड स्टाफ महत्वपूर्ण होते हैं। इनका कार्य एयरपोर्ट की साफ-सफाई के साथ उसके रखरखाव करना है। एयरपोर्ट पर प्लेन जब उतर जाता है, तो उसके बाद पैसेंजरों की सुविधा और सुरक्षा का ध्यान रखना होता है। इसके साथ ही एयरपोर्ट पर सामान ढुलाई और माल स्टॉक का कार्य भी ग्राउंड स्टाफ को ही कराना होता है। ग्राउंड स्टाफ की एयरपोर्ट पर अलग-अलग कार्य की जिम्मेदारी संभालते हैं। एयरपोर्ट ग्राउंड स्टाफ में करियर बनाने के लिए आप एयरपोर्ट मैनेजमेंट से रीलेटेड सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, बैचलर और मास्टर लेवल के कोर्स कर इस फील्ड में प्रवेश कर सकते हैं। 12वीं के बाद आप इस सेक्टर में प्रवेश कर सकते हैं।

एयर कार्गो मैनेजमेंट

इस जॉब प्रोफाइल पर रहकर करियर बनाने के लिए आपको डिप्लोमा इन इंटरनेशनल एयर कार्गो मैनेजमेंट कोर्स करना होगा। जिसमें आप एविएशन हिस्ट्री एवं जियोग्राफी के अतिरिक्त कार्गो लॉ, कस्टम्स रूल्स, वेयरहाउसिंग, एयरक्राफ्ट लिमिटेशन व लोडिंग कैपेसिटी, क्लीयरेंस प्रोसिजर, क्लेम रूल्स, बीमा और फ्री ट्रेड जोन जैसे विषयों से रूबरू होंगे। इस क्षेत्र में भी प्रवेश के लिए आपको न्यूनतम 12वीं की शैक्षणिक योग्यता होना जरूरी है। यह कोर्स आपको 6 माह से 1 वर्ष तक का होता है।

एयर टिकटिंग

एविएशन के एयर टिकटिंग में करियर बनाने के लिए न्यूनतम 12वीं की शैक्षणिक योग्यता के साथ 18 वर्ष से ऊपर की आयु होनी चाहिए। न्यूनतम 6 माह से 9 माह तक की अवधि वाले कोर्स डिप्लोमा इन एयर टिकटिंग एंड ट्रैवल मैनेजमेंट में ट्रैवल एजेंसी बिजनेस, वर्ल्ड टाइम जोन, एयरपोर्ट व एयरलाइन कोड्स, पेमेंट मोड्स, फॉरेन करेंसी, पासपोर्ट व वीजा आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है।

फ्लाइट इंजीनियर

एविएशन के क्षेत्र में फ्लाइट इंजीनियर का कार्य बहुत अहम होता है। प्लेन के सभी पुर्जों की जांच करना इनकी जिम्मेदारी होती है। इसके लिए इलेक्टॉनिक्स इलेक्ट्रिकल्स, मैकेनिकल, एयरोनॉटिकल या कम्प्यूटर में से किसी एक में ग्रेजुएशन होना जरूरी है। अगर आपके पास फ्लाइट इंजीनियर का ग्राउंड पाठ्यक्रम या एयर क्राफ्ट इंजीनियर लाइसेंस या सीपीएल है तो आप अप्लाई कर सकते हैं। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आपने 12वीं विज्ञान विषयों से पास की हो और आपकी उम्र तीस साल से ज्यादा ना हो, तो आप इसमें करियर बना सकते हैं।

एयर ट्रैफिक कंटोलर्स

एविएशन के क्षेत्र में यह एक और महत्वपूर्ण जॉब प्रोफाइल है। एयरपोर्ट पर बने टॉवर से एयर ट्रैफिक कंटोलर्स हर वक्त प्लेन की उड़ानों पर नजर रखते हैं। इस फील्ड में करियर बनाने के आपको रेडियो इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रोनिक इंजीनियरिंग बीटेक या डिप्लोमा करना होगा।

मीटिरियोलॉजिस्ट

एविएशन में मीटिरियोलॉजिस्ट का भी बड़ा रोल होता है। इसमे कैरियर बनाने के लिए अगर आपके पास मौसम विज्ञान, भौतिक, कम्प्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स, गणित और दूरसंचार में ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री है तो आप इसके लिए अप्लाई करने योग्य हैं।

टूर एंड ट्रैवल

अगर आप एविशन के क्षेत्र में रहकर अतिरिक्त कमाई करना चाहते हैं तो टूर एंड ट्रैवल आपके लिए बेस्ट होगा, इस क्षेत्र में आपको बहुत काम मिलेगा। इस क्षेत्र में आने के लिए आप 6 माह का सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर तीन वर्षीय बैचलर इन ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट और उसके बाद पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स भी कर सकते हैं।

यहां से कर सकते हैं कोर्स

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एरोनॉटिक्स, नई दिल्ली
- फ्रांकलिन एविएशन एकेडमी, दिल्ली
- विंग्स कॉलेज ऑफ एविएशन टेक्नोलॉजी, पुणे
- ए जे एविएशन एकेडमी, मुम्बई
- राजीव गांधी एविएशन एकेडमी, हैदराबाद
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एरोनॉटिक्स साइंस, जमशेदपुर
- हिंदुस्तान एविएशन एकेडमी, बंगलूरू

क्या है आर्किियोलॉजी? किस कोर्स के बाद मिलेगी हाई सैलरी

अगर आप इतिहास से लगाव रखते हैं और आप रोमांच के साथ रहस्य से पर्द उठाना चाहते हैं। साथ ही आपमें ऐतिहासिक चीजों को जानने और उनके बारे में तरह-तरह की जानकारियां पता करने की इच्छा है तो आप आर्किंयोलॉजिस्ट के तौर पर अपना करियर बना सकते हैं। इतिहास और भूगोल के रहस्यों से पटे भारत में इसके अच्छे

हड़प्पा सभ्यता के बाद से भारत में ऐतिहासिक खोज न के बराबर हुई है और फिलहाल इतिहास संबंधित खोज को लेकर एक बड़ा वैक्यूम यहां बना हुआ है, जो बड़े आइडियाज और क्रिएटिविटी का इंतजार कर रहा है। इसके साथ ही दुनियाभर में शोध के लिए आर्किंयोलॉजी के विद्यार्थियों की मांग है।

क्या है आर्किंयोलॉजी

पृथ्वी पर छपी पुरानी सभ्यता और संस्कृति का वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अध्ययन करना व उनकी खोज करना आर्किंयोलॉजी कहलाता है। आर्किंयोलॉजी में उस इतिहास के बारे में यह जानने की कोशिश की जाती है कि पुरानी सभ्यताओं में लोगों का रहन- सहन कैसा था। किस तरह की वस्तुओं का वो इस्तेमाल करते थे। अनुमानों

लेकर तत्कालीन समाज और परिवेश के आकलन का काम भी एक आर्किंयोलॉजिस्ट को करना होता है। साथ ही वह कार्बन डेटिंग और समय गणना का काम भी करता है। सभी तरह के ऐतिहासिक वस्तु या सभ्यता के वर्तमान से जुड़ाव और विकास के क्रम को निर्धारित करने की जिम्मेदारी भी एक आर्किंयोलॉजिस्ट की होती है।

किस तरह का होता है कोर्स

अगर आप इस क्षेत्र में जाना चाहते हैं तो आपको 12वीं की परीक्षा इतिहास विषय के साथ पास करनी होगी। इसके बाद आप

आर्किंयोलॉजी में डिप्लोमा, बैचलर, मास्टर और पीएचडी पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, जिनमें प्रवेश के लिए अलग-अलग योग्यताएं निर्धारित की गई हैं। इससे जुड़े कोर्स देश के सभी प्रमुख विश्वविद्यालयों से किए जा सकते हैं। मास्टर इन कंजर्वेशनए प्रिजरवेशन एंड हेरिटेज मैनेजमेंट और मास्टर इन आर्किंयोलॉजी एंड हेरिटेज मैनेजमेंट जैसे कोर्स इस क्षेत्र में आगे बढ़ने की सीढ़ी हो सकते हैं। इसके अलावा आप हिस्टॉरिकल आर्किंयोलॉजी, जिओ आर्किंयोलॉजी, आर्किंयोबॉटनी, क्रॉनोलॉजिकल, एथनोआर्किंयोलॉजी, एक्सपेरिमेंटल ऑर्किंयोलॉजी, आर्किंयोमेट्री जैसे कोर्स भी कर सकते हैं।

जरूरी योग्यता

एक बेहतरीन आर्किंयोलॉजिस्ट अथवा म्यूजियम प्रोफेशनल बनने के लिए प्लीस्टोसीन पीरियड अथवा क्लासिकल लैंग्वेजए मसलन पाली, अपभ्रंश, संस्कृत, अरेबियन भाषाओं में से किसी की जानकारी आपको कामयाबी की राह पर आगे ले जा सकती है। आर्किंयोलॉजी न केवल दिलचस्प विषय है बल्कि इसमें कार्य करने वाले प्रोफशनल्स के लिए चुनौतियों में भरा क्षेत्र भी है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए अच्छी विश्लेषणात्मक क्षमताए तार्किक सोचए कार्य के प्रति समर्पण जैसे महत्वपूर्ण गुण जरूर होने चाहिए। कला की समझ और उसकी पहचान भी आपको औरों से बेहतर बनाने में मदद करेगा।

यहां से कर सकते है कोर्स

- आर्किंयोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी
- दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ हेरिटेज रिसर्च एंड मैनेजमेंट
- कर्नाटक स्टेट यूनिवर्सिटी

जॉब ऑप्शन क्या हैं

आर्किंयोलॉजी में कोर्स पूरा करने के बाद आपको जॉब के कई ऑप्शन मिलेंगे। जिनमें मुख्य रूप से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग, नई दिल्ली, राज्यों में स्थित भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग, विभिन्न संग्रहालय, एनजीओ और यूनिवर्सिटी, विदेश मंत्रालय का हिस्टोरिकल विभाग, शिक्षा मंत्रालय, पर्यटन विभाग, इंडियन काउंसिल ऑफ हिस्टोरिकल रिसर्च आदि।

सैलरी व संभावनाएं

यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां पर आपको रोमांच और रहस्य के साथ अच्छी सैलरी भी मिलती है। अगर आपने किसी प्राइवेट सेक्टर में जाना चाहते हैं तो आप 30 से 50 हजार रूपये प्रतिमाह की जॉब आसानी से पा सकते हैं, जो अनुभव व आपकी खोज के साथ

जॉब प्रोफाइल के हिसाब से लाखों रूपये की सैलरी पा सकते हैं।

इंश्योरेंस इंडस्ट्री में करियर बनाना है बेहद आसान

इंश्योरेंस इंडस्ट्री एक ऐसी इंडस्ट्री है जो पिछले कुछ सालों से लगातार तेजी से विस्तार कर रही है, जिसके चलते एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की डिमांड काफी बढ़ गया है। अगर आप भी इंश्योंरेस सेक्टर में करियर बनाने का सोच रहे हैं तो यह समय काफी अच्छा है, खास कर कोरोना के बाद इंश्योंरेस के हेल्थ सेक्टर में बूस्ट आया है। आज के समय लगभग हर परिस्थिति से निपटने के लिए बीमा कंपनियों के पास पॉलिसी हैं। जीवन बीमा, यात्रा बीमा, वाहन बीमा, स्वस्थ्य बीमा तथा गृह बीमा इनमें सबसे ज्यादा प्रचलित हैं।

एजुकेशन

इस क्षेत्र में जाने के लिए आप 12वीं व ग्रेजुएशन के बाद भी जा सकते हैं, लेकिन विषय का पूरा ज्ञान लेने के लिए एक्चुरियल साइंस से संबंधित कोर्सेस में स्नातक डिग्री के लिए मैथ्स या स्टेटिस्टिक्स में 55 प्रतिशत अंकों के साथ बारहवीं पास होना आवश्यक है जबकि पीजी डिप्लोमा, मास्टर्स डिग्री और सर्टिफिकेट कोर्स के लिए मैथ्स-स्टेटिस्टिक्स, इकोनॉमेट्रिक्स सब्जेक्ट से स्नातक जरूरी है। स्टूडेंट्स, इंस्टीट्यूट ऑफ एक्चुरीज ऑफ इंडिया को मेंबर के तौर पर भी ज्वाइन कर सकते हैं। एक्चुरी प्रोफेशनल बनने के लिए स्टूडेंट्स को एक्चुरियल सोसाइटी ऑफ इंडिया का फेलो मेंबर होना जरूरी है। यह संस्थान इसमें कोर्सेस भी कराता है।

इंश्योरेंस का कार्य क्षेत्र

इसके लिए मैथ्स और स्टैटिस्टिक्स के मेथड्स का इस्तेमाल करके इंश्योरेंस और फाइनेंस इंडस्ट्री में जोखिम का अनुमान लगाते हैं। एक्चुरियल प्रोफेशनल्स यह हिसाब लगाते हैं कि किसी पॉलिसी होल्डर को प्रीमियम के तौर पर कितनी राशि का भुगतान करना होगा या किसी कंपनी को पेंशन या रिटर्न पर कितना खर्च करना होगा। प्रोफेशनल का काम अचानक घटी घटना के आर्थिक प्रभाव का अंदाजा लगाने का भी होता है। आज इस क्षेत्र से जुड़े प्रोफेशनल्स को इंश्योरेंस इंडस्ट्री का बैकबोन भी कहा जाने लगा है।

स्किल व एलिजिबिलिटी

इस क्षेत्र में कार्य करने के लिए खुद को अपडेट रखना जरूरी है। खुद में लोगों की परेशानी को समझने, नई तकनीक सीखने में हिचकिचाहट न होने, कम्युनिकेशन के साथ मैथ और स्टेटिस्टिक्स पर पकड़ मजबूत रखने जैसे स्किल का होना जरूरी है। अपनी योग्यता के आधार पर आप एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर एंड असिस्टेंटए डेवलपमेंट ऑफिसरए इंश्योरेंस एजेंटए इंश्योरेंस सर्वेयरए एक्चुरी मैनेजरए रिस्क मैनेजर जैसे पदों पर काम कर सकते हैं।

जॉब्स के अवसर

अगर आपके पास एक्चुरियल साइंस की डिग्री है तो आपके लिए इन दिनों नौकरियों के लिए कई रास्ते खुल गए हैं। इंश्योरेंस, बैंकिंग, बीपीओ-केपीओ, आईटी सेक्टर, मल्टीनेशनल कंपनियों, फाइनेंशियल कंपनियों आदि में इनके लिए अच्छे मौके होते हैं। दूसरी तरफ, बीपीओ कंपनी में भी जोखिम के बारे में विश्लेषण करने के लिए बड़े पैमाने पर एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की हायरिंग होती है। बीपीओ में काम करने वाले एक्चुरी प्रोफेशनल्स की सैलरी भी आम बीपीओ एंप्लॉइज की तुलना में दो से तीन गुना अधिक होती है।

भारत में संभावनाएं इसलिए भी अधिक हैं, क्योंकि वैश्विक ग्राहकों को कम संसाधन और न्यूनतम लागत में अच्छी सुविधाएं मुहैया करा रहे हैं। वहीं एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की डिमांड सरकारी और प्राइवेट इंश्योरेंस कंपनियों में ही नहीं, बल्कि टेरिफ एडवाइजरी कमिटी, इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी, सोशल सिक्योरिटी स्कीम, फाइनेंशियल एनालिसिस फर्म में भी है।

सैलेरी

इस क्षेत्र में आप फ्रेशर के तौर पर प्रतिमाह 20 से 30 हजार रुपये तक आसानी से पा सकते हैं। वहीं अनुभव व समय के साथ किसी उच्च पद पर पहुंचने पर आप 1 लाख रुपये का मासिक वेतनमान भी ले सकते हैं। यदि आपने किसी टॉप कॉलेज से एमबीए इन इंश्योरेंस किया है तो आप अपनी फर्स्ट जॉब में ही ज्यादा बेहतर वेतनमान की अपेक्षा कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

कालेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय
एकेडमी ऑफ इंश्योरेंस मैनेजमेंट, दिल्ली
बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, दिल्ल
इंश्योरेंस इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, मुंबई
एक्चुरियल सोसाइटी ऑफ इंडिया
अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़
यूनिवर्सिटी ऑफ पुणे, पुणे
एमिटी स्कूल ऑफ इंश्योरेंस एंड एक्चुरियल साइंस, नोएडा

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नितिन नबीन के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर इस नेता ने बताया... कांग्रेस के लिए शुभ संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल ने बिहार सरकार के मंत्री नितिन नबीन को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर टिप्पणी कर उनकी नियुक्ति को कांग्रेस के लिए शुभ संकेत बताया है और केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने की उम्मीद जाहिर की है। उन्होंने नितिन नबीन की तुलना नितिन गडकरी से की, जो दिसंबर 2009 में भाजपा के अध्यक्ष बने थे। बघेल ने याद दिलाया कि जब गडकरी भाजपा अध्यक्ष बने थे, तब कांग्रेस की सरकार (यूपीए) बनी थी।उन्होंने कहा कि अब यह दूसरा नितिन आया है, इसलिए यह फिर से संकेत है कि केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने वाली है। इस टिप्पणी का उद्देश्य कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उम्मीद जगाना और भाजपा के आंतरिक घटनाक्रम को अपने पक्ष में राजनीतिक रूप से भुनाना मालूम होता है।बात दें कि गडकरी दिसंबर 2009 में भाजपा के अध्यक्ष बने थे, और उसके कुछ ही महीनों बाद हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए ने जीत हासिल की थी। हालांकि, वह 2009 में भी यूपीए की ही सरकार थी (जो 2004 में बनी थी), और 2014 के बाद से कांग्रेस को लगातार हार का सामना करना पड़ा है।

नागपुर में रक्षा उत्पादों के निर्माण से जुड़ी कंपनी की हवाई पट्टी पर दिखा अज्ञात ड्रोन

नागपुर (एजेंसी)। नागपुर में रक्षा उत्पादों के निर्माण से जुड़ी सोलर इंडस्ट्रीस कंपनी की हवाई पट्टी के ऊपर एक अज्ञात ड्रोन दिखने से हड़कंप मच गया है। नागपुर-अमरावती रोड पर स्थित सोलर इंडस्ट्रीज की हवाई पट्टी (नागपुर से करीब 40 किमी दूर) है। कंपनी सोलर इंडस्ट्रीज रक्षा संबंधी उत्पादों जैसे सशस्त्र ड्रोन, सैन्य विस्फोटक, रॉकेट एकीकरण प्रणाली, लाइटरिंग मुनिशन्स, ड्रोन रोधी मिसाइलें, बम और युद्धक सामग्री का निर्माण करती है। घटना 9 दिसंबर को शाम करीब 7:15 बजे हुई। कंपनी के सुरक्षाकर्मियों ने हवाई पट्टी के ऊपर आसमान में एक टिमटिमाती रोशनी देखी। अंधेरे के कारण ड्रोन के आकार का अंदाजा नहीं लग सका। इसके बाद कार्रवाई करते हुए कोंधली पुलिस थाने में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस अधीक्षक डॉ. हर्ष पोद्दार ने जांच जारी होने की पुष्टि की। पुलिस ने आस-पास के गांवों (मलकापुर, शिवा, सवांगा) में तलाशी अभियान चलाया, यह पता लगाने के लिए कि कहीं ड्रोन किसी निजी समारोह से भटककर तो नहीं आ गया था। दो दिनों तक पुलिस टीम गांवों में तैनात रहीं, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। खुफिया ब्यूरो की एक टीम भी घटना की जांच कर रही है। इस घटना को राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि सोलर इंडस्ट्रीज संवेदनशील सैन्य उपकरणों का निर्माण करती है।

दिल्ली में पीयूसी के बिना नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल, सिर्फ बीएस-6 गाड़ियों को एंट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली और एनसीआर में लगातार बिगड़ती वायु गुणवत्ता के बीच सरकार ने प्रदूषण पर काबू पाने के लिए सख्त फैसले लिए हैं। मंगलवार को दिल्ली में एक बार फिर जहरीले स्मॉग की मोटी परत छाई रही, जिसके बाद पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कड़े प्रतिबंधों की घोषणा की। उन्होंने बताया कि 18 दिसंबर से दिल्ली में बिना वैध पीयूसी के किसी भी वाहन को पेट्रोल या डीजल नहीं दिया जाएगा। इसके साथ ही सरकार ने स्पष्ट किया है कि दिल्ली में केवल बीएस-6 मानक वाली गाड़ियों को ही प्रवेश की अनुमति होगी। बीएस-4 और उससे पुराने वाहनों की एंट्री पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। यह फैसला बढ़ते प्रदूषण स्तर और स्वास्थ्य पर पड़ रहे गंभीर प्रभावों को देखते हुए लिया गया है। पर्यावरण मंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया है, कि राजधानी में निर्माण कार्यों पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। कंस्ट्रक्शन मटीरियल ले जाने वाले वाहनों पर भी सख्ती बरती जाएगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों के चालान काटे जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार हालात की गंभीरता को समझते हुए कोई ढिलाई नहीं बरतेगी। मनजिंदर सिंह सिरसा ने दिल्लीवासियों से प्रदूषण की स्थिति को लेकर माफी भी मांगी। उन्होंने कहा कि नई सरकार हर दिन एयर क्वालिटी इंडेक्स में सुधार के लिए काम कर रही है और पिछली सरकार से विरासत में मिली प्रदूषण की समस्या को ठीक करने का प्रयास किया जा रहा है। मंत्री ने लोगों से अपील की कि वे नियमों का पालन करें और निजी वाहनों के बजाय सार्वजनिक परिवहन का अधिक इस्तेमाल करें।

एलडीएफ नेता रामजीत पर हमला, बीजेपी के छह कार्यकर्ता गिरफ्तार

अलप्पुझा (एजेंसी)। केरल के तटीय जिले अलप्पुझा में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के नेता पर हमला करने के आरोप में बीजेपी के छह कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना रविवार रात हुई थी, जब मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के स्थानीय नेता रामजीत और उनके दोस्त रेनिथ, नीलमपेरूर पंचायत गए थे, जहां हाल ही में हुए निकाय चुनावों में बीजेपी ने जीत हासिल की है। पुलिस ने बताया कि रामजीत और उसके दोस्त रेनिथ की शिकायत के मुताबिक छह बीजेपी कार्यकर्ताओं ने उन्हें रोका, उनके लिए अभद्र का इस्तेमाल किया, रामजीत की पिटाई की और फिर उसके सिर पर लाठी से वार किया। शिकायतकर्ताओं ने दावा किया कि हमला इसलिए किया गया क्योंकि वे पंचायत क्षेत्र में गए थे। पुलिस ने बताया कि उन्होंने छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि रामजीत का कोट्टायम मेडिकल कॉलेज में उपचार हो रहा है।

हीटर से आग लगने के कारण नानी और नाती की मौत

रांची (एजेंसी)। झारखंड के धनबाद के सरायढेला अंतर्गत विकास नगर में एक घर में देर रात हीटर से आग लगने के कारण नानी और उनके 18 वर्षीय नाती की मौत हो गई। घटना विकास नगर, सरायढेला थाना क्षेत्र, धनबाद में सोमवार-मंगलवार की देर रात को हुई। मृतक में 62 वर्षीय चिंता मणि देवी (नानी) और 18 वर्षीय गोलू (नाती) शामिल है। तीन अन्य लोग गंभीर रूप से झुलस गए, जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। ठंड से बचाव के लिए जलाए गए हीटर पर कंबल गिर गया, जिससे आग भड़की और पूरे कमरे में धुआं व आग फैल गई। घटना में चिंता मणि देवी की मौके पर ही मौत हो गई। उन्हें बचाने के प्रयास में नाती गोलू भी गंभीर रूप से झुलस गया और उसकी भी मौत हो गई। मोहल्ला संकरा होने के कारण बड़ी दमकल गाड़ी अंदर प्रवेश नहीं कर सकी। छोटी गाड़ी मंगाई गई। घर का निचला हिस्सा अंदर से बंद होने के कारण भी कर्मियों को भीतर जाने में परेशानी हुई।

कैश कांड केस: जस्टिस वर्मा की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का लोकसभा अध्यक्ष बिरला को नोटिस

-मामले की सुनवाई 7 जनवरी को

नई दिल्ली(एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा ने संसद में उनके खिलाफ शुरू की गई महाभियोग (इम्पीचमेंट) प्रक्रिया को चुनौती देकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। यह मामला उनके नई दिल्ली स्थित सरकारी आवास से जला हुआ कैश मिलने से जुड़ा है।

जस्टिस वर्मा का कहना है कि उनके मामले में जजेज इन्क्वायरी एक्ट 1968 में तय प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। उन्होंने लोकसभा स्पीकर द्वारा गठित तीन सदस्यीय जांच कमेटी को अवैध बताया है। उनका तर्क है कि कानून के अनुसार, जब किसी जज को हटाने का प्रस्ताव दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) में लाया जाता है, तब जांच समिति का गठन भी लोकसभा और राज्यसभा द्वारा संयुक्त रूप से किया जाना चाहिए, न कि सिर्फ लोकसभा अध्यक्ष के द्वारा। याचिका में कहा गया है कि लोकसभा अध्यक्ष द्वारा अकेले समिति बनाना कानून और संविधान दोनों के खिलाफ है। याचिका में कहा गया है कि महाभियोग प्रस्ताव को दोनों सदनों से एक ही दिन में पारित किया जाना अनिवार्य था, जिसका पालन नहीं किया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए लोकसभा और राज्यसभा के सचिवालयों को नोटिस जारी किया है और सात जनवरी तक अपना जवाब दाखिल करने को कहा है। जस्टिस दीपांकर दत्ता की अध्यक्षता वाली बेंच ने नोटिस जारी करते हुए मौखिक रूप से टिप्पणी की, क्या कानून बनाने वालों को ये भी नहीं पता कि ऐसा नहीं किया जा सकता? यह टिप्पणी कमेटी के गठन की प्रक्रिया पर सवाल उठाती है। सुप्रीम कोर्ट अब लोकसभा और राज्यसभा सचिवालयों के जवाब के बाद अगली सुनवाई में यह तय करेगा कि जस्टिस वर्मा के खिलाफ शुरू की गई महाभियोग प्रक्रिया कानून के अनुरूप है या नहीं।

क्या है मामला?

बता दें, 14 मार्च, 2025 की शाम को जस्टिस वर्मा के घर में लगी आग के कारण दमकलकर्मियों द्वारा कथित तौर पर बेहिसाब नकदी बरामद की गई थी। हालांकि, घटना के वक्त जस्टिस वर्मा और उनकी पत्नी उस समय दिल्ली में नहीं थे और मध्य प्रदेश की यात्रा पर थे। आग लगने के समय घर पर केवल उनकी बेटी और वृद्ध माता ही मौजूद थे। बाद में एक वीडियो सामने आया जिसमें नकदी के बंडल आग में जलते हुए दिखाई दे रहे थे। इस घटना के बाद न्यायमूर्ति वर्मा पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे, जिन्हें उन्होंने नकारते हुए कहा कि यह उन्हें फंसाने की साजिश प्रतीत होती है। भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना (जो अब सेवानिवृत्त हो चुके हैं) ने आरोपों की आंतरिक जांच शुरू की और 22 मार्च को जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया।

चिदंबरम ने की विधेयकों में बढ़ती हिंदी शब्दों की प्रवृत्ति की कड़ी आलोचना

-अब अगली सुनवाई में सीबीआई दाखिल करेगी वेरिफिकेशन रिपोर्ट

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने विधेयकों के शीर्षकों में हिंदी शब्दों के इस्तेमाल की सरकार की ''बढ़ती प्रवृत्ति'' की कड़ी आलोचना की और कहा कि यह बदलाव गैर-हिंदी भाषी लोगों के लिए ''अपमानजनक'' है। उन्होंने कहा कि गैर-हिंदी भाषी लोग ऐसे विधेयक व अधिनियमों को नहीं पहचान सकते जिनके शीर्षक हिंदी शब्दों में अंग्रेजी अक्षरों में लिखे गए हों और वे उनका उच्चारण भी नहीं कर सकते। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने सोमवार देर रात कहा कि संसद में पेश किए जाने वाले विधेयकों के शीर्षक में सरकार द्वारा हिंदी शब्दों को अंग्रेजी अक्षरों में लिखने के बढ़ते चलन का मैं विरोध करता हूं। चिदंबरम ने कहा कि अब तक यह प्रथा थी कि विधेयक के अंग्रेजी संस्करण में शीर्षक अंग्रेजी शब्दों में और हिंदी संस्करण में हिंदी शब्दों में लिखा जाता था। उन्होंने कहा कि जब 75 साल से इस प्रथा में किसी को कोई दिक्कत नहीं हुई तो सरकार को बदलाव क्यों करना चाहिए? उन्होंने कहा कि यह बदलाव गैर-हिंदी भाषी लोगों और उन राज्यों का अपमान है जिनकी आधिकारिक हिंदी के अलावा कोई अन्य है। चिदंबरम ने कहा कि सरकारों ने लगातार दोहराया है कि अंग्रेजी एक सहयोगी आधिकारिक बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि मुझे डर है कि यह वादा टूटने की कगार पर है।

विकसित भारत-जी राम जी योजना का विरोध कर थरुर ने कहा... राम का नाम बदनाम ना करो

-लंबे समय बाद शशि थरुर ने कांग्रेस के सुर में मिलाया सुर

नई दिली (एजेंसी)। लोकसभा में मंगलवार को मनरेगा का नाम बदलने सहित कई प्रावधानों में फेरबदल वाले विधेयक को पेश किया गया है। नए विधेयक में मनरेगा को अब विकसित भारत-जी राम जी योजना नाम देने की तैयारी हो रही है। इस विधेयक को लेकर संसद में दिलचस्प बहस देखने को मिली है। कांग्रेस की ओर से सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने तीखा विरोध किया। वहीं उनके बाद बोलने खड़े हुए शशि थरूर ने भी लंबे समय बाद कांग्रेस के सुर में सुर मिलाया। उन्होंने कहा कि मैं मनरेगा स्कीम से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम बदलने के खिलाफ हूं। कांग्रेस नेता थरूर ने कहा कि मैं जी राम जी विधेयक का विरोध करता हूं। मेरी पहली शिकायत यह है कि इसका नाम बदला जा रहा है, जो पहले महात्मा गांधी के ऊपर था। महात्मा गांधी का राम राज्य का विजन राजनीतिक आयोजन नहीं था बल्कि सामाजिक सुधार था। वह चाहते थे कि हर गांव सशक्त हो और राम राज्य जैसी स्थिति बने। मेरे बचपन में गाते देखा कि देखो ओ दिवानों ये काम ना करो, राम का नाम बदनाम ना करो।

थरुर ने कहा कि इसके अलावा 40 फीसदी बजट सीधे राज्य सरकार के हिस्से में डालना गलत है। इससे उन राज्यों के लिए संकट की स्थिति पैदा होगी, जिनके पास राजस्व का संग्रह कम है। इसतरह के राज्य जो पहले ही किसी तरह की मदद पर निर्भर हैं, आखिर वे कैसे इस स्कीम के लिए फंडिंग कर पाएंगे। कांग्रेस सांसद का पार्टी के स्टैंड से मिलता हुआ यह रुख लंबे समय बाद देखने को मिला है। वह कई बार पीएम नरेंद्र मोदी की तारीफ कर चुके हैं। इसके अलावा कांग्रेस की लगातार तीन मीटिंगों से गैरहाजिर रहे हैं।

महाराष्ट्र में बीजेपी के बड़े नेता फडणवीस हैं, वह जो कहेंगे वह फाइनल होगा: पवार

-पुणे और पिंपरी चिंचवड़ निकाय चुनाव में बीजेपी-एनसीपी में होगा फेंडली मुकाबला

पुणे (एजेंसी)। पुणे और पिंपरी चिंचवड़ नगर निकाय चुनाव में बीजेपी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में मुताबला होने जा रहा है। सीएम देवेंद्र फडणवीस के ऐलान के बाद अब डिप्टी सीएम अजित पवार भी इसपर सहमति जता रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीएम ने जो कहा वो फाइनल है। महाराष्ट्र में मुंबई समेत 29 नगर निकायों के लिए मतदान 15 जनवरी को होगा और मतों की गिनती 16 जनवरी को होगी। राज्य निर्वाचन आयोग ने सोमवार को इसके शेड्यूल की जानकारी दी है। अजित पवार ने कहा कि अगर सीएम ने ऐसा कहा है, तो ध्यान से सोच समझकर कहा होगा। महाराष्ट्र में बीजेपी के सबसे बड़े नेता देवेंद्र फडणवीस हैं। वह जो भी कहेंगे, वो फाइनल होगा।

बता दें फडणवीस ने कहा था कि बीजेपी और शिवसेना आगामी नगर निकाय चुनावों में अधिकतर स्थानों पर एक साथ चुनाव लड़ेंगे और राकांपा समेत 'महायुति' के सहयोगी दलों के साथ अधिकतर स्थानों पर सीट बंटवारे को अंतिम रूप देने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि पुणे और पिंपरी-चिंचवड नगर निगमों में बीजेपी और अजित पवार के नेतृत्व वाली राकंपा के बीच फ्रेंडली मुकाबला होगा। फडणवीस ने कहा कि 'महायुति' के सहयोगी दलों के बीच गठबंधन होगा, लेकिन अधिकतर शहरों में समझौता बीजेपी और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के बीच होगा।

उन्होंने कहा कि पुणे में गठबंधन की संभावना नहीं है, जहां बीजेपी और अजित पवार नीत राकांपा प्रमुख दल हैं। राज्य चुनाव आयोग की तरफ से जारी कार्यक्रम के मुताबिक इन नगर निकायों में कुल 2,869 सीट के लिए मतदान होगा, जिनमें बीएमसी की 227 सीट भी शामिल हैं। बीएमसी 2025-26 में 74,000 करोड़ रुपए से अधिक के बजट के साथ एशिया का सबसे बड़ा नगर निकाय है।

वरिष्ठ आईएएस अधिकारी ने कहा कि महाराष्ट्र में फैले 29 नगर निकायों में 15 जनवरी को मतदान होगा और मतों की गिनती 16 जनवरी को होगी। उन्होंने कहा कि मतदान सुबह 7:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक होगा और जो लोग शाम 5:30 बजे तक कतार में खड़े होंगे, उन्हें एक पर्ची दी जाएगी और उन्हें तय समयसीमा के बाद भी मतदान करने की अनुमति दी जाएगी। उच्चतम न्यायालय ने सितंबर में एसईसी को 31 जनवरी तक नगर निकायों सहित स्थानीय निकाय चुनाव कराने का निर्देश दिया था।

दिल्ली में वायु प्रदूषण कंट्रोल के बाहर... होटलों, रेस्टोरेंट और खुली खाने की जगहों पर तंदूर पर बैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। तंदूर, दिल्ली में प्रदूषण से लड़ने की लड़ाई में नया निशाना बन गया है। दिल्ली प्रदूषण कंट्रोल कमेटी (डीपीसीसी) ने शहर के सभी होटलों, रेस्टोरेंट और खुली खाने की जगहों पर कोयले और लकड़ी का इस्तेमाल करने वाले तंदूर पर बैन लगाने के आदेश दिए हैं। रेस्टोरेंट और खाने की जगहों पर इस्तेमाल होने वाले तंदूर पर बैन पिछले हफ़्ते लगाया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, यह आदेश एयर (प्रिवेंशन एंड कंट्रोल ऑफ़ पॉल्यूशन) एक्ट, 1981 की धारा 31(ए) के तहत जारी किया गया था। सभी रेस्टोरेंट और खाने की जगहों को तुरंत इलेक्ट्रिक, गैस-आधारित या दूसरे साफ ईंधन वाले उपकरणों पर स्विच करना होगा। दिल्ली-एनसीआर में हवा की क्वालिटी खराब होने के कारण, पिछले हफ़्ते शनिवार को ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) का स्टेज 4 लागू किया गया था।

'परीक्षा पे चर्चा' के 9वें संस्करण के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू, अंतिम तिथि 11 जनवरी 2026

-कार्यक्रम में पीएम मोदी के साथ परीक्षा के स्ट्रेस, करियर के कई पहलुओं पर संवाद करते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी के सबसे लोकप्रिय कार्यक्रमों में शामिल 'परीक्षा पे चर्चा' के 9वें संस्करण के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो गए हैं। यह छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के लिए एक ऐसा मंच है, जहां वे सीधे पीएम के साथ परीक्षा के स्ट्रेस, करियर और जीवन के कई पहलुओं पर संवाद कर सकते हैं। यह कार्यक्रम हर साल छात्रों में परीक्षा के डर को कम करने और उन्हें 'एग्जाम वॉरियर्स' बनने के लिए प्रेरित करता है। इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए चयन की प्रक्रिया पारदर्शी और योग्यता आधारित होती है। इसमें ऑनलाइन प्रतियोगिता के जरिए चयन किया जाता है, जो मॉयजीओवी पोर्टल पर आयोजित की जाती है। परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में कक्षा 6वीं से 12वीं तक के छात्र, साथ ही शिक्षक और अभिभावक इस बहुविकल्पीय प्रश्न प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। यह प्रतियोगिता पीएम मोदी से डायरेक्ट बातचीत का मौका देती है। परीक्षा पे चर्चा में शामिल होने वाले सभी प्रतिभागियों को एनसीईआरटी की तरफ से एक खास प्रमाण पत्र भी मिलता है, जो उनके लिए बड़ी उपलब्धि है। 'परीक्षा पे चर्चा' 2026 के 9वें संस्करण के लिए पंजीकरण प्रक्रिया 1 दिसंबर, 2025 को शुरू हो चुकी है। इच्छुक छात्र, शिक्षक और अभिभावक मॉयजीओवी पोर्टल पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। पंजीकरण की अंतिम तिथि 11 जनवरी, 2026 है। अब तक करीब 18,78,098 उम्मीदवार इस कार्यक्रम के लिए रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। इनमें 17 लाख से ज्यारा छात्र शामिल हैं। पीपीसी 2026 में पीएम मोदी के साथ लाइव प्रोग्राम में शामिल होने वाले प्रतिभागियों का चयन किसी आवेदन या सिफारिश के आधार पर नहीं, बल्कि एक ऑनलाइन प्रतियोगिता के जरिए किया जाता है। चयनित प्रतिभागियों को कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी से सीधे उनके मन में चल रहे सवाल पूछने का अनमोल अवसर मिलता है। यह छात्रों को अपनी दुविधाएं दूर करने और पीएम से प्रेरणा लेने का एक सीधा माध्यम प्रदान करता है। इस प्रतियोगिता में शामिल होने वाले सभी प्रतिभागियों को कई फायदे मिलते हैं। पीपीसी प्रतियोगिता में शामिल होने वाले सभी छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को एनसीईआरटी से आधिकारिक प्रमाण पत्र मिलता है। शॉर्टलिस्ट किए गए छात्रों को पीएम मोदी के साथ लाइव 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में शामिल होने का मौका मिलता है। पिछले संस्करणों में कुछ विजेताओं को पीएम मोदी की लिखी गई 'एग्जाम वॉरियर्स' पुस्तक और एक विशेष 'किट' भी दी गई थी।

उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस पार्टी के वोट चोरी के आरोपों और अभियान से खुद को अलग किया

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस पार्टी के वोट चोरी के आरोपों और अभियान से इंडिया गठबंधन को अलग किया है। उन्होंने कहा कि इस वोट चोरी मुद्दे से इंडिया गठबंधन का कोई लेना-देना नहीं है। हर राजनीतिक दल अपना एजेंडा तय करने के लिए स्वतंत्र है। कांग्रेस ने वोट चोरी को अपना मुख्य मुद्दा बनाया है, लेकिन नेशनल कॉन्फ्रेंस (उनकी पार्टी) अपने मुद्दे खुद चुनेगी। वहां कांग्रेस के चुने मुददों पर राजनीति नहीं करेगी।

वहीं भाजपा नेता शशांक मणि ने प्रतिक्रिया देकर कहा कि उमर समझ रहे हैं कि विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) का उद्देश्य किसी को निशाना बनाना नहीं, बल्कि वास्तविक मतदाता सूची को अपडेट करना और चुनावी सुधार करना है। उन्होंने कहा कि इस तरह लोग इंडिया गठबंधन से अलग होते रहने वाले है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों इंडिया गठबंधन के कई और दल भी इस वोट चोरी के मुददे से अलग हो जाएगी। वहीं कांग्रेस ने दिल्ली के रामलीला मैदान में वोट चोर गद्दी छोड़ रैली का आयोजन कर अपने अभियान को तेज़ किया है। उन्होंने रैली में मुख्य चुनाव आयुक्त एवं अन्य चुनाव आयुक्त विधेयक, 2023 में बदलाव करने और कांग्रेस के सत्ता में आने पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त सुखबीर संधू और विवेक जोशी के खिलाफ कार्रवाई करने का संकल्प लिया। बात दें कि चुनावी अनियमितताओं के मुद्दे पर इंडिया गठबंधन के भीतर मतभेद सामने आए हैं, जहाँ उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस के आक्रामक रुख से दूरी बना ली है, जबकि भाजपा इसे चुनावी सुधार का मामला बता रही है।

भारत ने फिर कर दिया नोटम का ऐलान... के4 सबमरीन लांच बैलस्टिक मिसाइल का हो सकता है टेस्ट

-नोटम जारी होते ही पाकिस्तान की सांस गले में अटकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत रक्षा के क्षेत्र में लगातार एक के बाद एक धमाका कर रहा है, इन धमाकों से भारत के दुश्मन देश घबराए हुए हैं। अब भारत ने एक और तगड़ा ऐलान किया है। जिसके बाद दुश्मनों के गुट में चर्चा तेज हो गई है कि भारत किसी बड़ी तैयारी में है। पाकिस्तान के सारे टीवी चैनल्स पर इसी बात की बहस चल रही है कि कुछ घंटों बाद भारत क्या करने वाला है। पाकिस्तान ही नहीं बल्कि चीन और अमेरिका भी जानने के लिए बेचैन दिखाई दे रहे हैं कि आखिर भारत का प्लान क्या है। भारत ने नोटिस टू एयरमैन यानी कि नोटम जारी किया है। यह डेंजर ज़ोन एडवाइज़री डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम आइलैंड से बंगाल की खाड़ी के एक बड़े हिस्से को कवर करती है।

यह नो फ्लाई जोन करीब 2520 किमी तक फैला हुआ है। जो हवाई जहाजों और समुद्री यातायात के लिए अस्थायी प्रतिबंध लगाता है। यह नोटम 17 से 20 दिसंबर के बीच लागू रहेगा। कहा जा रहा है कि भारत एक बड़ी मिसाइल टेस्ट करने वाला है। पिछले परीक्षणों की तरह यह जोन पहले से ज्यादा बड़ा है जो मिसाइल की उन्नत रेंज और सटीकता का संकेत देता है। भारत ने इससे पहले 6 से 8 दिसंबर के बीच बंगाल की खाड़ी के ऊपर 14,000 कि.मी. के इलाके में नो फ्लाई जोन नोटिस जारी किया था। यह नोटम भी मिसाइल टेस्ट के लिए जारी किया गया था। हाल ही में नौसेना ने युद्धफोस से ब्रह्मोस मिसाइल का सफल परीक्षण किया था।

मिसाइल की बेजोड़ सटीकता, स्पीड और तबाही मचाने की ताकत देखने को मिली थी। यह मिसाइल दुश्मन के ठिकानों में तबाही मचाने के लिए काफी है। यह 300 से 800 किमी तक की दूरी पर बैठे दुश्मन को तबाह कर सकती है। इस सफल परीक्षण के बाद से ही भारत के दुश्मन खौफ में थे कि अब भारत ने एक और धमाका करने की तैयारी कर ली है। बताया जा रहा हैं कि के4 सबमरीन लॉन्च्ड बैलस्टिक मिसाइल का परीक्षण हो सकता है जो परमाणु सक्षम है और 3500 किमी तक वार कर सकती है। यह चीन नौसेना के खिलाफ एक मजबूत हथियार के रूप में है। यह मिसाइल ठोस ईंधन से चलती है। सबमरीन से लांच होने पर 20 से 30 मीटर गहराई से फायर की जा सकती है।

यह अग्नि मिसाइल सीरीज पर आधारित है। इसका वजन 17 टन, लंबाई 12 मीटर और यह एमआईआर भी तकनीक से लैस हो सकती है। यानी एक मिसाइल से कई लक्ष्य हिट कर सकती है। परमाणु हथियार ले जाने की ताकत इसके पास है। यह आईएएस, अरिहंत जैसी सबमरीन से लांच होती है। इस परीक्षण के बाद भारत अगले साल के5 मिसाइल का परीक्षण कर सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

हत्या मामला : मुकदमे का सामना कराने के लिए पेरू से अमेरिका लाया गया व्यक्ति

लॉस एंजिलिस , एजेंसी। दक्षिण कैलिफोर्निया के जंगल में अपनी पत्नी की हत्या करने और उसका शव फेंकने के आरोप में मुकदमे का सामना करने के लिए एक व्यक्ति को पेरू से अमेरिका लाया गया। लॉस एंजिलिस के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। लॉस एंजिलिस काउंटी शेरिफ विभाग ने कहा, जोसिमार कैब्रेरा (36 वर्षीय) शुक्रवार रात लॉस एंजेलिस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचा। उसे अगस्त के अंत से पेरू में हिरासत में रखा गया था। जिला अटॉर्नी कार्यालय ने उनके खिलाफ हत्या का मामला दायर किया है। रविवार तक यह पता नहीं था कि उसके पास वकील है या नहीं। शेयला कैब्रेरा (33 वर्षीय) का शव 16 अगस्त को लॉस एंजिलिस काउंटी के लैंकेस्टर शहर के दक्षिण में एंजल्स नेशनल फॉरेस्ट के एक ढलान के नीचे पाया गया।

नेपाल में भारतीय राजदूत के स्वास्थ्य में सुधार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव को स्टेंट डाला गया है। उनकी स्थिति में सुधार हो रहा है। राजदूत को शुक्रवार को चंपादेवी पहाड़ी पर हाइकिंग के दौरान दिल का दौरा पड़ा था। उन्हें नेपाली सेना के हेलिकॉप्टर से ग्रांडी अस्पताल लाया गया। जांच में हृदय की बाईं धमनी में ब्लॉकेज मिलने पर स्टेंट डाला गया।

अटॉर्नी जनरल को हटाने के फैसले पर सुप्रीम रोक

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइल के सुप्रीम कोर्ट ने रविवार को सरकार के अटॉर्नी जनरल गाली बहारव-मियारा को पद से हटाने के फैसले को पलट दिया और कहा कि वह अपने पद पर बनी रहेंगी। न्यायालय ने सरकार के इस प्रयास में प्रक्रियात्मक दोषों और कानूनी आधार की कमी के कारण उसकी आलोचना की। सात न्यायाधीशों की पीठ ने जोर दिया कि कानून का शासन सभी पर लागू होता है और कहा कि सरकार के इस आचरण के कारण हुई बड़ी असुविधा हुई है। न्यायालय ने कहा कि अगस्त में बिना उचित परामर्श और कानूनी आधार के बहारव-मियारा को हटाने का फैसला जल्दबाजी में लिया गया था।

बीजिंग में तबला वादक जाकिर हुसैन को दी संगीतमय श्रद्धांजलि

बीजिंग , एजेंसी। चीन के बीजिंग में भारतीय दूतावास ने महान तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन की याद में संगीत कार्यक्रम स्मरण का आयोजन किया। इसे विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र के सम्मानित कलाकार और तबला शिक्षक बिवाकर चौधरी ने तैयार किया।?दूतावास ने शनिवार को पोस्ट में कहा कि कार्यक्रम में हर ताल उस महान कलाकार को श्रद्धांजलि थी, जिनकी कलात्मकता ने सरहदों को पार करके लाखों लोगों के दिलों को छुआ था।

चिली : राष्ट्रपति चुनाव में वाम उम्मीदवार ने हार मानी, कास्ट विजयी

सैंटियागो, एजेंसी। चिली की सत्तारूढ़ वाम गठबंधन की उम्मीदवार जेनेट जारा ने रविवार को राष्ट्रपति चुनाव में हार स्वीकार कर ली है। शुरुआती नतीजों में अति-दक्षिणपंथी जोस एंटोनियो कास्ट को मजबूत बढ़त मिलती दिखाई दी। मतदाताओं ने बढ़ते अपराध और अप्रवासन के डर के बीच बदलाव के पक्ष में मतदान किया। 83 फीसदी मतों की गणना हो चुकी है। कास्ट ने 58 फीसदी और जारा ने 41 फीसदी वोट हासिल किए। जारा ने सोशल मीडिया पर कास्ट को चुनावी जीत पर बधाई दी और समर्थकों से वादा किया कि वह देश के बेहतर भविष्य के लिए काम करती रहेंगी।

30 वर्षीय युवक के सिर पर सवार हुई सनक, दो लोगों को चाकू मारा ; फुकुओका शहर में पुलिस ने दबोचा

टोक्यो, एजेंसी। जापानी पुलिस ने सोमवार को फुकुओका शहर में ।ग्यञ48 के एंटरटेनमेंट कॉम्प्लेक्स में हुई छुरी मारने की घटना के संदिग्ध को गिरफ्तार किया। इस हमले में दो लोग घायल हुए हैं। हालांकि अब उनकी हालत ठीक है। पुलिस ने बताया कि 30 वर्षीय संदिग्ध ने रविवार को 44 वर्षीय पुरुष को छाती में छुरी मारी। घायल पुरुष ।ग्यञ48 थिएटर में काम करते थे। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार, जब उन्होंने संदिग्ध को अनधिकृत क्षेत्र में देखा और उसे बाहर जाने के लिए कहा, तो यह हमला हुआ। सनकी युवक ने महिला को भी मारी छुरी इतना ही नहीं संदिग्ध ने 27 वर्षीय महिला को भी एक लिफ्ट हॉल में पीठ पर छुरी मारकर घायल किया और फिर वहां से फरार हो गया। पुलिस इस मामले की हत्या के प्रयास के रूप में जांच कर रही है, लेकिन उन्होंने संदिग्ध के मोटिव के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दी।

सिडनी में अधेड़ पिता और 24 वर्षीय बेटे के सिर पर खून सवार हुआ, 50+ यहूदी घरों में मातम..

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में यहूदी समुदाय के खिलाफ हमले की आशंका पहले से ही थी। गाजा में इस्राइल की कार्रवाई के बाद यहूदी समुदाय के खिलाफ घटनाओं में वृद्धि देखी गई थी। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने यहूदी विरोधी भावना के बारे में ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंटोनी अल्बनीज को चेताया भी था। सिडनी हमले से यह आशंका सच साबित हुई। आतंकी हमले के बाद समुद्र तट पर अफरा-तफरी मच गई। उत्सव मनाने के लिए जुटे लोगों को जहां-तहां भागकर जान बचानी पड़ी। नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि उन्होंने अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष को चेतावनी दी थी कि देश की नीतियां यहूदी-विरोधी भावना को बढ़ावा देती हैं। उन्होंने गोलीबारी को क्रूर हत्या बताया और कहा कि जब नेता चुप रहते हैं तो यहूदी-विरोधी भावना फैलती है। उन्होंने कहा, आपको कमजोरी की जगह कार्रवाई करनी होगी। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया में यहूदी विरोधी यह कोई पहले घटना नहीं है। यहूदियों के खिलाफ आक्रामकता की शुरुआत अक्तूबर 2023 में ही हो गई थी, हमास ने इस्राइल पर हमला किया था, जिसमें 1,200 से अधिक लोग मारे गए थे। इसके कुछ ही दिनों बाद सिडनी में एक यहूदी बेकरी के सामने लाल रंग का उल्टा त्रिकोण स्प्रे से बनाया गया। हमास के खिलाफ इस्राइल ने जबावी सैन्य कार्रवाई शुरू की तो यहूदी विरोधी घटनाओं में और तेजी आई। उसके बाद फिर यह सिलसिला चलता रहा। यहूदियों से जुड़े स्थलों पर हमले किए गए, दीवारों पर आपत्तिजनक नारे लिखे गए। इन घटनाओं के बाद से यहूदी माता पिता अपने बच्चों को डे केयर भेजने से डरने लगे थे। कई यहूदी स्कूलों ने अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की है। हालात को देखते हुए ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने पिछले वर्ष यहूदी विरोध से निपटने के लिए अपना पहला विशेष दूत नियुक्त किया था। ऑस्ट्रेलिया की कुल 2.70 करोड़ आबादी में करीब 1.50 लाख यहूदी समुदाय के लोग हैं। यह समुदाय संख्या में छोटा है, लेकिन समाज में गहराई से जुड़ा हुआ है. अनुमान के मुताबिक, इनमें से करीब एक तिहाई लोग सिडनी के पूर्वी उपनगरों में रहते हैं, जिनमें बोंडाई क्षेत्र भी शामिल है। रविवार को हुए हमले के पास मौजूद एक व्यक्ति ने कहा कि यहूदी होना पिछले कुछ वर्षों में बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया है। शायद एक दिन उन्हें इस्राइल जाना पड़े। इस्राइल यहूदियों के लिए अब वही दुनिया में एकमात्र सुरक्षित जगह नजर आने लगी है। ऑस्ट्रेलियाई तट पर यहूदियों पर हमला करने वाले एक आतंकी की पहचान नवीद अकरम के रूप में हुई है। सोशल मीडिया रिपोर्टों के अनुसार 24 अकरम मूल रूप से पाकिस्तान के लाहौर का रहने वाला है। वह सिडनी के अल-मुराद इंस्टीट्यूट में छात्र रहा है। उसका ड्राइविंग लाइसेंस ऑनलाइन प्रसारित हो रही है, जिसके फोटो में वह पाकिस्तान क्रिकेट जर्सी पहने नजर आता है। पुलिस ने उसके घर पर छापा मारा। अकरम वही आतंकी है, जिसके हथियार को एक व्यक्ति ने छीन लिया था। इसका वीडियो भी वायरल हो रहा है। हालांकि, पुलिस ने यह नहीं बताया है कि क्या अकरम को पकड़ लिया गया है।

बोंडी समुद्र तट पर यहूदी त्योहार मना रहे लोगों पर दो आतंकवादियों की तरफ से की गई गोलीबारी में 16 लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों समेत 40 लोग घायल हुए हैं। ऑस्ट्रेलियाई सरकार इसे आतंकी हमला करार दिया है। न्यू साउथ वेल्स प्रांत के पुलिस आयुक्त माल मैन्योल ने कहा कि यह लक्षित घटना है और इसमें इस्तेमाल किए गए हथियारों के कारण इस नरसंहार को आतंकवादी हमला घोषित किया गया। पुलिस ने बताया कि यह हमला भारतीय समय के अनुसार दोपहर 2:17 बजे (ऑस्ट्रेलियाई समय शाम 7:47 बजे) हुआ। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल के आसपास के इलाके में मिली कई संदिग्ध वस्तुओं की जांच विशेषज्ञ अधिकारी कर रहे हैं, जिनमें संदिग्धों की एक कार में मिला एक देसी बम भी शामिल है।

वेनेजुएला के पास आसमान में बड़ा हादसा टला

कैरेकस, एजेंसी। कैरेबियाई देश कुराकाओ से न्यूयॉर्क जा रही जेटब्लू की एक उड़ान शुक्रवार को बड़े हवाई हादसे से बाल-बाल बच गई। पायलट को अमेरिकी वायुसेना के एक ईंधन भरने वाले टैंकर विमान से टकराव से बचने के लिए उड़ान की चढ़ान रोकनी पड़ी। पायलट ने सैन्य विमान पर सीधे उड़ान मार्ग में आने और ट्रांसपोंडर बंद रखने का आरोप लगाया। यह घटना वेनिजुएला के पास अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र में हुई। पायलट और एयर ट्रैफिक कंट्रोल के बीच रिकॉर्ड हुई बातचीत में पायलट ने कहा कि हम लगभग हवा में टकरा ही गए थे। वे सीधे हमारे रास्ते में आए। उनका ट्रांसपोंडर चालू नहीं था, यह हैरान करने वाला है। यह घटना जेटब्लू फ्लाइट 1112 के साथ हुई, जो कुराकाओ से न्यूयॉर्क के जेएफके हवाई अड्डे की ओर जा रही थी। पायलट के मुताबिक, अमेरिकी वायुसेना का टैंकर विमान उसी ऊंचाई पर था और महज 2 से 5 मील की दूरी से सामने से गुजरा। टकराव टालने के लिए विमान की चढ़ान रोकनी पड़ी। पायलट ने बताया कि इसके बाद सैन्य विमान वेनिजुएला के हवाई क्षेत्र की ओर बढ़ गया। जेटब्लू के प्रवक्ता डेरेक डोंब्रोव्स्की ने कहा कि घटना की सूचना संघीय अधिकारियों को दे दी गई है और किसी भी जांच में कंपनी सहयोग करेगी। पेंटागन ने टिप्पणी के लिए वायुसेना का हवाला दिया, लेकिन तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

प्यूर्टो रिको की गवर्नर ने विवादित विधेयक पर किए हस्ताक्षर : प्यूर्टो रिको, एजेंसी। प्यूर्टो रिको की गवर्नर जेनिफर गोंजालेज ने रविवार को एक विवादित विधेयक पर हस्ताक्षर किए। आलोचक का कहना है कि यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक है और सार्वजनिक जानकारी तक पहुंच को मुश्किल बना देगा। प्यूर्टो रिको लंबे समय से सरकारी पारदर्शिता की कमी के लिए जाना जाता रहा है।

गोंजालेज ने कहा कि यह विधेयक मौजूदा कानून में संशोधन करता है, ताकि नियम अधिक स्पष्ट हों, भ्रम कम हो और मुकदमों की संख्या कम हो। उन्होंने यह भी कहा कि इसमें नियमों का पालन न करने पर दंड तय किया गया है। कई मीडिया संगठन और नागरिक अधिकार समूहों ने विधेयक का विरोध किया है। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स के उत्तरी अमेरिका के कार्यकारी निदेशक क्लेटन वेइमर ने कहा, यह अविश्वसनीय है। इस संशोधन से प्यूर्टो रिको के नेता जानबूझकर अपने नागरिकों की जानकारी तक पहुंच को रोकेंगे और प्रेस की स्वतंत्रता की गुणवत्ता को भी कम करेंगे।

इस्राइल-हिजबुल्ला तनाव: दक्षिणी लेबनान में आईडीएफ के हवाई हमले, वरिष्ठ आतंकी जकारिया याह्या समेत कई ढेर

तेल अवीव, एजेंसी। दक्षिणी लेबनान में इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच तनाव एक बार फिर तेज हो गया है। जहां इस्राइली सेना (आईडीएफ) ने हवाई हमले में हिजबुल्ला के वरिष्ठ आतंकी जकारिया याह्या अल-हज्ज समेत तीन आतंकियों को मार गिराने का दावा किया है। आईडीएफ के अनुसार ये आतंकी संगठन के ढांचे को दोबारा खड़ा करने में लगे थे और इस्राइल की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बने हुए थे।

आईडीएफ के मुताबिक जकारिया अल-हज्ज हिजबुल्ला में अहम भूमिका निभा रहा था। वह लेबनान की सुरक्षा एजेंसियों के भीतर अपने लोगों को सक्रिय करता था और हिजबुल्ला के खिलाफ आवाज उठाने वालों को दबाने का काम करता था। ऐसे में इस्राइली सेना ने कहा कि उसकी गतिविधियां इस्राइल के लिए खतरा थीं और इस्राइल-लेबनान के बीच हुए समझौते का उल्लंघन भी थीं।

बहुत तगड़ा हमला होगा, सीरिया में अमेरिकी सैनिकों की हत्या पर भड़के डोनाल्ड ट्रंप : दश्मिक, एजेंसी। सीरिया में हुए हमले में दो अमेरिकी सैनिकों और एक नागरिक के मारे जाने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने जवाबी हमले की कसम खा ली है। उन्होंने कहा कि अमेरिका करारा जवाब देगा। अमेरिका ने इस हमले के लिए इस्लामिक स्टेट समूह को जिम्मेदार ठहराया है। बाल्टीमोर में सेना-नौसेना फुटबॉल मैच के लिए रवाना होने से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा, 'यह आईएसआईएस का हमला है।' उन्होंने मारे गए तीन अमेरिकियों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई है। ट्रंप ने कहा कि सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल शारा भी इस हमले से बहुत परेशान और भड़के हुए हैं। रिपब्लिकन सेन जोनी ने कहा कि मारे गए सैनिक लोवा नेशनल गार्ड के जवान थे। उन्होंने कहा कि लोवा नेशनल गार्ड के सैनिकों की मौत पर बेहद दुख है और बाकी तीन घायल सैनिकों के जल्द ठीक होने की कामना करते हैं। यूएस सेंट्रल कमांड ने बताया कि एक आईएस के आतंकी ने हमला किया था और जवाबी हमले में वह भी मारा गया। इसके तुरंत बाद डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर कहा था, हमले के बहुत गंभीर परिणाम होने वाले हैं। बता दें कि बशर अल असद की सरकार गिरने केबाद पहली बार है।

डोनाल्ड ट्रंप ने इल्हान उमर को कहा था 'कचरा', अब उनके बेटे तक पहुंची आईसीई

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने के बाद से प्रवासियों के लिए जीवन थोड़ा कठिन हो गया है। इसी क्रम में मिनेसोटा की डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि इल्हान उमर ने दावा किया है कि शनिवार को उनके बेटे अदनान को अमेरिकी इमिग्रेशन एंड कस्ट्म्स एनफोर्समेंट के एजेंट्स ने रोक लिया और उससे अपनी नागरिकता सिद्ध करने के लिए कहा। सीबीएस न्यूज के मुताबिक यह एजेंट्स सरकार के आदेश पर अवैध अप्रवासियों की तलाश कर रहे हैं। इल्हान ने पूरी घटना के बारे में जानकारी देते हुए कहा, 'कल, जब वह एक स्टोर पर कुछ खरीद रहा था, तभी उसे कुछ आईसीई एजेंट्स ने रोक दिया और अपनी नागरिकता सिद्ध करने को कहा। चूंकि अदनान अपना पासपोर्ट हमेशा अपने साथ रखता है, उसने उसे दिखाया और फिर उसे जाने दिया गया।' फिलहाल उमर के इस दावे को लेकर आईसीई की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। दरअसल, अमेरिका में इल्हान उमर का नाम कोई कम जाना पहचाना नहीं है। कश्मीर के मुद्दे पर खुलकर पाकिस्तान का सपोर्ट करने वाली और यहां की यात्रा करने वाली इल्हान उमर सोमालिया की मूल निवासी हैं। डोनाल्ड ट्रंप कई बार उन पर निजी हमला करते हुए उन्हें कचर बताकर कहा था कि वह नहीं चाहते कि यह अमेरिका में रहे। ट्रंप का आरोप है कि अमेरिका की नागरिकता पाने के लिए इल्हान ने अपने भाई से ही शादी कर ली।

कौन है अदनान हिरसी : इल्हान उमर और उनके पूर्व पति अहमद हिरसी के बेटे का नाम अदनान है। इसके अलावा इस दंपत्ति के दो बेटियां और हैं। हालांकि, इन तीनों के बारे में सार्वजनिक जानकारी बहुत कम है। हालांकि, 2016 में जब मिनेसोटा से इल्हान जीतकर आई थीं, उस वक्त अदनान 10 साल के थे। उमर ने बताया कि यह पहली बार नहीं है, जब उनके बेटे को एजेंट्स ने रोका हो। इससे पहले भी एक मस्जिद में वह कुछ लोगों के साथ नमाज पढ़ रहा था। ठीक उसी समय वहां पर एजेंट्स आ गए और सभी से पूछताछ की। हालांकि, बाद में सभी को छोड़ दिया गया।

मोरक्को-अल्जीरिया सीमा पर ठंड से 9 अफ्रीकी प्रवासियों की मौत, मानवाधिकार समूहों ने जताई चिंता

रबात, एजेंसी। मोरक्को से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां अल्जीरिया सीमा के पास रास असफूर इलाके में बेहद ठंडे मौसम के कारण नौ अफ्रीकी प्रवासी की मौत हो गई है। यह क्षेत्र सर्दियों में बहुत ठंडा होता है। मरने वालों में सात पुरुष और दो महिलाएं शामिल थीं। ऐसे में मोरक्को के मानवाधिकार संगठन ने चिंता जताते हुए कहा कि उनके थके हुए शरीर अत्यधिक ठंड सहन नहीं कर सके।

जानकारी के अनुसार, इनमें से एक प्रवासी गिनी का था, जबकि बाकी लोग सब-सहारन अफ्रीका के विभिन्न देशों से थे। उनकी पहचान के बारे में अभी अधिक जानकारी नहीं मिली है। मोरक्को की आंतरिक मंत्रालय ने इस मामले पर तुरंत कोई बयान नहीं दिया।

मानवाधिकार समहों ने जताई चिंता : इन प्रवासियों की मौत पर मानवाधिकार समूह ने कहा कि मरने वाले छह शव पिछले हफ्ते दफन किए गए और दो शव संबंधियों को मांग पर रखे गए। उन्होंने कहा कि इस मामले की पूरी निगरानी की जाएगी। मोरक्को के अन्य मानवाधिकार संगठन ने इस हफ्ते सीमाओं को मानवतावादी बनाने, अवैध प्रवास और निवास को अपराध नहीं मानने और गायब हुए प्रवासियों पर निगरानी रखने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि रास असफूर जैसी त्रासदियों से बचा जा सके।

हर साल होता है हजारों प्रवासियों का प्रवेश : बता दें कि हर साल हजारों प्रवासी बेहतर जीवन की तलाश में उत्तरी अफ्रीका से यूरोप की ओर अवैध रूप से जाने की कोशिश करते हैं। कुछ स्पेन के छोटे हिस्सों, सीउता और मेलिला तक पहुंचने के लिए बॉर्डर फेंस पर चढ़ते हैं या तैरते हैं। कुछ कैनरी द्वीप तक पहुंचने के लिए लंबा रास्ता लेते हैं। मोरक्को की सुरक्षा एजेंसियां ऐसे प्रयासों को अक्सर रोक देती हैं।

पाकिस्तान में बढ़ रहा फर्जी शादियों का ट्रेंड

इस्लामाबाद , एजेंसी। शादी किसी भी समाज के लिए एक उत्सव का दिन होती है। खासतौर पर उपमहाद्वीप में यह एक त्योहार की तरह मनाया जाता है, जो कई दिनों तक चलता है। भारत और पाकिस्तान की बात करें तो यहाँ पर शादी का एक कार्यक्रम हल्दी, मेहंदी से शुरू होता है और विदाई तक चलता है। इसमें पूरा परिवार और समाज शामिल होता है। हां, इसमें जिम्मेदारियां बहुत होती हैं। अब इसी मुद्दे को लेकर पाकिस्तान में फर्जी शादियों का चलन बढ़ रहा है। इसमें दूल्हा भी लड़की होती है और दुल्हन भी लड़की। शादी की रस्में बिल्कुल वैसी ही होती हैं, जैसी किसी एक सामान्य शादी में होती हैं। एक आम शादी से इतर इसमें लोग बिना किसी दबाव के केवल आनंद लेने के लिए आ सकते हैं। डी डब्ल्यू की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान में फर्जी शादियों का यह चलन 2023 के बाद लगातार लोकप्रिय होता जा रहा है। इसमें एक बिल्कुल असली शादी की तरह माहौल होता है और ठीक उसी तरह की सजावट होती है, हां, लेकिन दूल्हा और दुल्हन में किसी तरह की आजीवन प्रतिबद्धता या फिर पारिवारिक दबाव नहीं होता है।

लाहौर यूनिवर्सिटी में फर्जी शादी : पाकिस्तान में इस तरह की पहली शादी का आयोजन लाहौर यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट साइंसेज में किया गया। इस शादी ने न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय मीडिया और सोशल मीडिया का ध्यान भी अपनी तरफ खींचा। इसके बाद लोगों के मन में इसको लेकर उत्सुकता बढ़ी और अब कई जगह पर इसका आयोजन किया जाने लगा। इसमें महिलाएं बिना किसी पारिवारिक दबाव के उन्मुक्त होकर शादी का आनंद ले सकती हैं।

यूनिवर्सिटी में फर्जी शादी के बाद विरोध भी शुरू : यूनिवर्सिटी में दो लड़कियों के बीच हुई फर्जी शादी को मिली सोशल मीडिया कवरेज के बाद पाकिस्तान में इसका जमकर विरोध भी हुआ। कई लोगों ने इसे समलैंगिक शादी समझकर इसका विरोध करना शुरू कर दिया। यूनिवर्सिटी की छात्र परिषद के पूर्व अध्यक्ष ने बताया कि इस शादी के वीडियो वायरल होने के बाद छात्राओं को ऑनलाइन ट्रोलिंग का शिकार होना पड़ा। इससे यूनिवर्सिटी की भी काफी बदनामी हुई। लोगों से इस यूनिवर्सिटी को एलीट यूनिवर्सिटी के तौर पर पेश करना शुरू कर दिया कि यह तो हकीकत से कटी हुई है, जबकि हम बस वास्तव में पढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक तौर पर भी कुछ करना चाहते थे। यूनिवर्सिटी में हुए इस कार्यक्रम के विरोध के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने भी छात्रों की सुरक्षा और निजता को सुनिश्चित करने के लिए कई तरह की सावधानियां बरतनी शुरू कर दीं। सबसे पहले ऐसी शादियों के वीडियो और फोटो को ऑनलाइन पोस्ट करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया। इसके अलावा ऐसी शादी में शामिल होने के लिए केवल ऐसे लोगों को एंट्री देना जो इसे मनोरंजन के तौर पर लेते हों। 2023 में हुई पहली फर्जी शादी के बारे में बात करते हुए उस समय यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाली छात्रा ने डी डब्ल्यू को बताया कि ऑनलाइन वीडियो वायरल होने के बाद दुल्हन बनने वाली लड़की को काफी परेशानी हुई थी।

ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच पर गोलीबारी के बाद बोले ट्रंप- डरने की जरूरत नहीं, गर्व के साथ हनुक्का मनाएं

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि हनुक्का (यहूदी त्योहार) मनाने वाले लोगों को डरने की जरूरत नहीं है और उन्हें गर्व के साथ जश्न मनाना चाहिए। यह बात उन्होंने तब कही जब ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच पर यहूदी समुदाय के लोगों को गोलीबारी में निशाना बनाया गया। इस हमले में 16 लोगों की मौत हुई। सीएनएन ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। फॉक्स न्यूज के एक पत्रकार ने ट्रंप से फोन पर बातचीत के बाद उनका संदेश साझा किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति का संदेश साफ है कि हनुक्का मनाने वालों को चिंता करने की जरूरत नहीं है, उन्हें गर्व के साथ जश्न मनाना चाहिए और अपनी पहचान पर गर्व करना चाहिए। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है, जब ऑस्ट्रेलिया में सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ी हुई हैं। ऑस्ट्रेलियाई सरकार के मुताबिक, देश में आतंकवादी हमले की संभावना बनी हुई है और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। न्यू साउथ वेल्स पुलिस के मुताबिक, इसका मतलब है कि अगले 12 महीनों में किसी आतंकवादी हमले की योजना बनने या उसके अंजाम दिए जाने की संभावना 50 फीसदी से अधिक है। ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी ने कहा कि देश की सुरक्षा स्थिति एक संवेदनशील दौर में प्रवेश कर चुकी है और नए तरह के खतरों का सामना कर रही है। एजेंसी ने चेतावनी दी कि कम लागत में ऐसे हमले किए जा सकते हैं, आसानी से मिलने वाले हथियार और सरल तरीके इस्तेमाल होते हैं। ऐसे हमले अक्सर बड़े शहरों की भीड़भाड़ वाली जगहों पर किसी अकेले व्यक्ति या छोटे समूह द्वारा किए जा सकते हैं। पुलिस ने पुष्टि की है कि सिडनी के मशहूर बॉन्डी बीच पर हनुक्का उत्सव के दौरान हुई गोलीबारी में 16 लोगों की मौत हो गई और 40 अन्य घायल हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, घटना के समय वहां एक हजार से ज्यादा लोग मौजूद थे। पुलिस ने बताया कि यह हमला सिडनी के यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर किया गया था। दो संदिग्ध हमलावरों में से एक को मौके पर ही मार गिराया गया, जबकि दूसरा हिरासत में है और उसकी हालत गंभीर है। पुलिस ने अभी संदिग्धों की पहचान सार्वजनिक नहीं की है और यह भी जांच की जा रही है कि कहीं कोई तीसरा हमलावर तो शामिल नहीं था। इस्राइल के विदेश मंत्रालय के मुताबिक, मरने वालों में एक इस्राइली नागरिक भी शामिल था। मंत्रालय ने बताया कि एक अन्य इस्राइली नागरिक घायल हुआ है और सिडनी के एक अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। घटना के कुछ घंटों बाद गोलीबारी को 'आतंकवादी हमला' घोषित किया गया। पुलिस ने कहा कि हनुक्का के पहले दिन हमले का समय और इस्तेमाल किए गए हथियारों सहित अन्य परिस्थितियों को देखते हुए यह फैसला लिया गया।

इस्राइल के अलग-अलग जगहों पर हमला : येरूशलम, एजेंसी। मामले में आईडीएफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि इस हमले से कुछ ही घंटे पहले उसने दक्षिणी लेबनान में दो और हिजबुल्ला आतंकियों को भी अलग-अलग हमलों में मार गिराया। इतना ही नहीं इस्राइली सेना ने यह भी दावा किया कि लेबनान के याटर इलाके में आईडीएफ ने एक ऐसे आतंकी को मारा, जो हिजबुल्ला के आतंकवादी ढांचे को फिर से खड़ा करने की कोशिशों में शामिल था। दूसरी ओर बिंत जिबैल इलाके में एक और आतंकी को मार गिराया गया, जो हिजबुल्ला का स्थानीय प्रतिनिधि था। वह लोगों से संपर्क रखता था और निजी संपत्तियों पर कब्जा कर उन्हें आतंकी गतिविधियों में इस्तेमाल करता था। ऐसे में आईडीएफ का कहना है कि ये सभी हमले दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्ला के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा हैं।

अब तक 40 से ज्यादा आतंकी ढेर : बेरूत, एजेंसी। अक्तूबर से लेकर अभी तक दक्षिणी लेबनान के करीब 30 इलाकों में इस्राइल के हमले में 40 से ज्यादा आतंकी ढेर हुए। इस बात का दावा इस्राइल की सेना ने किया। जो हिजबुल्ला के ढांचे को दोबारा मजबूत करने की कोशिश कर रहे थे। गौरतलब है कि इस्राइल ने हिजबुल्ला पर सीजफायर समझौते का बार-बार उल्लंघन करने का आरोप लगाया है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूपी में इतनी ठंड कि ओस बर्फ जैसी जम गई

बागपत में पुल से गिरी कार, कॉन्स्टेबल समेत दो की मौत, 35 शहरों में कोहरा

लखनऊ। यूपी में शीतलहर और पहाड़ों पर बर्फबारी से ठंड बढ़ गई है। गाजीपुर में ओस की बूंदें बर्फ जैसी जम गईं। मंगलवार सुबह लखनऊ, वाराणसी, अयोध्या और गोरखपुर समेत 35 शहर कोहरे की चादर में लिपटे हैं। आगरा, प्रयागराज, बरेली और मुरादाबाद में दृश्यता शून्य रिकॉर्ड की गई है। सड़कों पर 10 मीटर तक देखना मुश्किल है। इधर, आज तड़के मथुरा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर भीषण हादसा हुआ। इसमें 8 बसें और 3 कारें टकराईं। इसके अलावा प्रदेश में कोहरे के चलते 7 सड़क हादसे हुए, जिसमें 17 लोगों की मौत हो गई। मथुरा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर कोहरे के चलते 7 बसें और 3 कारें भिड़ गईं। टक्कर होते ही गाड़ियों में आग लग गई। 13 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों का आंकड़ा और भी बढ़ सकता है। बागपत में एक स्विफ्ट कार फिसलते हुए बालैनी पुल से हिंडन नदी में गिर गई। हादसे में एक हेड कॉन्स्टेबल समेत दो लोगों की मौत हो गई। दोनों ही मेरठ में दबिश देकर लौट रहे थे। लखीमपुर खीरी में घने कोहरे के चलते एक ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर सवार दो छात्र गम्भीर रूप से घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। बलरामपुर में घने कोहरे की वजह से डीसीएम और मौरंग लदे डंपर की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहनों के केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। दोनों चालक घायल हुए। सीतापुर में सुबह 9 बजे घने कोहरे के चलते कार और ट्रक की टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार दो महिलाओं सहित पांच लोग घायल हो गए, जिनमें से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। वहीं, दरोगापुरवा गांव के पास ट्रक से बाइक टकरा गई। बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान योगेंद्र कश्यप (33) के रूप में हुई है। एटा में कोहरे के चलते बंद दुकान से एम्बुलेंस टकरा गई। हादसे में चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और एम्बुलेंस में फंसे चालक को बाहर निकाला। बदायूं में घने कोहरे के कारण तेज रफ्तार वाहन से बाइक टकरा गई। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि पीछे बैठा युवक घायल हो गया। हादसा घटना बिसौली कोतवाली क्षेत्र के एमएफ हाईवे पर भटपुरा गांव के पास हुआ। भानपुर गांव निवासी लालू (22) पुत्र हरि सिंह कोरी अपने पड़ोसी मनोज (24) पुत्र रामकुमार के साथ अपनी बहन सोनी के घर से लौट रहे थे। भटपुरा गांव के बाहर हाईवे पर घने कोहरे में सामने से आ रहे किसी वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। इस टक्कर में लालू की मौत हो गई। जबकि मनोज घायल है। बाराबंकी में पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर घने कोहरे के कारण भीषण सड़क हादसा हो गया। आगे चल रही गाड़ी को ओवरटेक करने के चक्कर में स्कॉर्पियो ने अर्टिगा कार को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद अर्टिगा कार एक्सप्रेस वे से उतरकर नीचे खाई में जा गिरी। हादसे में अर्टिगा कार सवार 2 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा हैदरगढ़ थाना क्षेत्र के माइलस्टोन संख्या-42 पर सुबह साढ़े 11 बजे हुआ है। टक्कर इतनी भीषण थी कि अर्टिगा कार हवा में उछलकर लगभग 300 मीटर दूर खाई में जा गिरी। सीतापुर में घने कोहरे की वजह से ट्रक से बाइक टकरा गई। हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसा मिश्रिख कोतवाली क्षेत्र के दरोगापुरवा गांव के पास सुबह 10 बजे हुआ। मृतक की पहचान योगेंद्र कश्यप (33) के रूप में हुई है। योगेंद्र चार भाइयों में सबसे छोटा था। एटा में कोहरे के चलते एम्बुलेंस बंद दुकान से टकरा गई। हादसे में एम्बुलेंस चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और एम्बुलेंस में फंसे चालक को बाहर निकाला। घायल चालक को एटा के वीरांगना अवंतीबाई मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। हादसे में एम्बुलेंस और दुकान का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हादसा कोतवाली देहात के समीप स्थित गुरुकुल के पास हुई। सीतापुर के सिधौली-मिश्रिख मार्ग पर मंगलवार सुबह 9 बजे घने कोहरे के चलते सड़क हादसा हो गया। संदना थाना क्षेत्र के समीप मारुति स्विफ्ट डिजायर कार और एक ट्रक की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार दो महिलाओं सहित पांच लोग घायल हो गए, जिनमें से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद कुछ देर के लिए मार्ग पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

आरबीएसके टीम ए ने किया 64 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कसया की आरबीएसके टीम ए ने किया 64 बच्चों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर दवा और सलाह दी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कुशीनगर डॉ. चंद्र प्रकाश एवं अधीक्षक सीएचसी कसया डॉ मार्कंडेय चतुर्वेदी के निर्देशन में प्रतिदिन आरबीएसके टीम ए राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम कसया के अंतर्गत सभी आंगनबाड़ी, प्राइमरी, मिडिल स्कूलों में जाकर बच्चों का वजन, लंबाई एवं बीमारी को चिन्हित करके उपचार करते हैं। इसी क्रम में मंगलवार को पूर्व माध्यमिक विद्यालय अंधया में टीम लीडर डॉक्टर संजय कुमार सिंह, डॉक्टर सावित्री सिंह सहित चिकित्सा कर्मियों ने बच्चों का इलाज की।

बीमार पाए गए बच्चों को शनिवार को ओपीडी कसया पर सुबह 10:00 बजे उपचार के लिए बुलवाया गया है। डॉ. सिंह ने ठंड से होने वाले सर्दी, जुखाम, बुखार, निमोनिया से बचाव के बारे में बताया तथा मच्छरदानी, गर्म पानी, भाप,गरम कपड़ा प्रयोग करने व हरी साग सब्जियां व दाल खाने की सलाह दी। इस जांच शिविर में विक्रांत यादव, सत्यम शुक्ला के अलावा प्रधानाध्यापक शैलेश कुमार त्रिपाठी, अजय कुमार सपना शर्मा, रागिनी पांडेय उपस्थित रहे।

त्रिपुरा विधानसभा की प्राक्कलन समिति के सभापति सहित सदस्यों ने किया बुद्ध का दर्शन

संवाददाता

कसया। त्रिपुरा विधानसभा की प्राक्कलन समिति के सभापति सहित आठ सदस्य दल ने तथागत बुद्ध का दर्शन कर चीवर चढ़ाया। सोमवार को प्रदेश में अध्ययन भ्रमण पर आई त्रिपुरा विधानसभा की प्राक्कलन समिति के सभापति श्रीराम पडा जमातिया के नेतृत्व में आठ सदस्यीय दल में शामिल श्रीमती नीलेश्वर जमातिया, सदस्य अभिषेक देवराय, संजय मनिक त्रिपुरा, मानब देव बर्मा, विश्वजीत कलाई, दीपांकर सेन, निर्मल विश्वास ने महा परिनिर्वाण मंदिर में बुद्ध की लेटी प्रतिमा का दर्शन, पूजन कर चीवर चढ़ाया व स्तूप की परिक्रमा की। सभापति श्रीराम पदा जमातिया और सदस्यों को लेखपाल निलेश रंजन राव ने समिति के सदस्यों को कुशीनगर के पर्यटकीय, पुरातात्विक, ऐतिहासिक महत्व की जानकारी दी। त्रिपुरा विधानसभा की प्राक्कलन समिति प्रदेश के नौ दिवसीय भ्रमण पर 12 दिसंबर को पहुंची है जो पर्यटकीय, दर्शनीय स्थलों के भ्रमण के साथ ही प्रदेश के विकास का अध्ययन करेगी। इस दौरान त्रिपुरा विधानसभा से जुड़े अधिकारी व कानूनगो ब्रजेश मणि, शैलेन्द्र दूबे आदि मौजूद रहे।

बाइक सवार यात्रियों का तिब्बत मॉनेस्ट्री में हुआ स्वागत

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। स्पेशल फ्रंटियर फोर्स के दो पूर्व सैनिक क्षेत्रीय तिब्बती युवा कांग्रेस बीर के अध्यक्ष लोडो पलदेन और आरटीवाईसी डेकीलिंग जाम यांग तेंजिन बाइक से कुशीनगर पहुंचे और तिब्बत को आजादी दिलाने की मुहिम को गति देने और भारत के प्रति आभार व्यक्त किया। मंगलवार को बुद्ध स्थली कुशीनगर पहुंचे राष्ट्र व्यापी बाइक सवार यात्रियों का तिब्बती मंदिर में भंते कुंचुक लामा ने स्वागत किया। बाइक यात्रियों ने भारत तिब्बत पहचान, संस्कृति और स्वतंत्रता के प्रयासों के समर्थन की सभी भारत वासियों से अपील की। यात्रियों ने मुख्य महा परिनिर्वाण मंदिर पहुंचे और बुद्ध का दर्शन किया। मंगलवार को तिब्बती मंदिर में उनका स्वागत भंते लामा ने किया। बौद्ध धर्मगुरु 14 वें दलाई लामा को नोबल शांति पुरस्कार से सम्मानित होने और उनके 90 वर्ष पूरे होने के सम्मान में मनाए जा रहे करुणा वर्ष का संदेश देते हुए यात्री लोडो पलदेन व जाम यांग तेंजिन ने कहा कि 1959 में चीन के तिब्बत पर कब्जे के बाद भारत ने तिब्बतियों को शरण दी और उन्हें सुरक्षा, गरिमा, स्वतंत्रता प्रदान की। तिब्बती संस्कृति, भाषा, धर्म और पहचान को संरक्षण ही नहीं दिया अपितु निर्वासन में एक कार्यशील लोकतांत्रिक शासन स्थापित करने की अनुमति दी। हम तिब्बती भारत की उदारता के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। आगे कहा कि चीन की दमन नीति से तिब्बत की पहचान खत्म हो रही है। चार से पांच साल के दस लाख बच्चों को औपनिवेशक बोर्डिंग स्कूलों में रख परिवार, संस्कृति, धर्म, मातृभाषा से जबरन अलग कर दिया गया है। इन्होंने भारत के लोगों से तिब्बत के साथ खड़े होने का आह्वान किया ताकि करुणा, न्याय और शांति में निहित एक सभ्यता की रक्षा हो सके।

ग्रापए ने फाजिलनगर विधायक को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

कुशीनगर। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की ब्लाक इकाई द्वारा सात सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित एक पत्रक फाजिलनगर विधायक सुरेन्द्र कुमार कुशवाहा को सौंपा गया। पत्रकारों ने अपनी समस्याओं और मांगों से विधायक को अवगत कराते हुए शीघ्र समाधान की मांग की। पत्रक के माध्यम से पत्रकारों ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत पत्रकार अनेक चुनौतियों के बीच जनहित के मुद्दों को सामने लाने का कार्य कर रहे हैं।लेकिन सुविधाओं और सुरक्षा के अभाव में उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसी को ध्यान में रखते हुए एसोसिएशन द्वारा सात सूत्रीय मांगें रखी गई हैं। जिसमें तहसील स्तर पर कार्यरत पत्रकारों जिला सूचना कार्यालय द्वारा मान्यता देने, आयुष्मान कार्ड निर्गत करने, ग्रामीण पत्रकार आयोग गठित करने, किसी विवाद के स्थिति में राजपत्रित अधिकारी से जांच कराने के बाद मुकदमा दर्ज करने सहित सात मांगे शामिल है। विधायक ने पत्रकारों को आश्वस्त किया कि वह उक्त पत्रक मुख्यमंत्री तक अवश्य पहुंचाएंगे। तथा मांगों पर गंभीरता से विचार किए जाने का आग्रह करेंगे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में पत्रकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए वह हर संभव प्रयास करेंगे।पत्रक सौंपने वालों में आद्या सिंह, उमेश पाण्डेय, विनय तिवारी, वागीश सिंह, दिनेश सिंह, संतोष सिंह, रजनीश मिश्रा, राहुल श्रीवास्तव, रजनीश शुक्ला आदि पत्रकार शामिल रहे।

लखनऊ में सूर्या, शुभमन, गंभीर ने देखी 'धुरंधर'

लखनऊ। इंडिया क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों ने रणवीर सिंह स्टारर फिल्म धुरंधर देखी। कप्तान सूर्यकुमार यादव, गिल और अभिषेक शर्मा सबसे पहले फीनिक्स पलासियो मॉल पहुंचे। इसके बाद कोच गौतम गंभीर समेत अन्य खिलाड़ी और स्टाफ के लोग पहुंचे। सभी ने रात 10:30 बजे का शो देखा। यह मॉल इकाना स्टेडियम के बगल में है। कल बुधवार को टीम इंडिया का साउथ अफ्रीका से चौथा टी-20 मैच है। 5 मैचों की सीरीज में टीम इंडिया 2-1 से आगे चल रही है। सोमवार शाम को इंडिया और साउथ अफ्रीका की टीमें धर्मशाला से लखनऊ पहुंचीं। अमौसी एयरपोर्ट पर हार्दिक पांड्या हाथ हिलाते हुए निकले और फैंस का अभिवादन किया। टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव ब्लैक चश्मे में पहुंचे। कहा- लखनऊ आकर अच्छा लग रहा। शुभमन गिल चिल मूड में नजर आए। संजू सैमसन और तिलक वर्मा बात करते हुए नजर आए। दोनों टीमों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हयात होटल में ठहराया गया। होटल में खिलाड़ियों के पहुंचने से पहले सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता की गई। डॉग और बम स्क्वायड ने चेकिंग की। आदित्य धर द्वारा निर्देशित 'धुरंधर' हमजा नाम के एक भारतीय स्पाई एजेंट की कहानी है, जो रहमान डकैत के गिरोह में शामिल होने के लिए पाकिस्तान में घुसपैठ करता है। यह फिल्म 2001 के संसद हमले और 26/11 मुंबई आतंकी हमले जैसी वास्तविक घटनाओं से प्रेरित है। रणवीर सिंह स्टारर इस फिल्म में अक्षय खन्ना, संजय दत्त, आर माधवन और अर्जुन रामपाल भी हैं। इकाना स्टेडियम में टीम इंडिया के खिलाड़ी शाम 5 बजे से प्रैक्टिस करेंगे। इस दौरान ऑप्शनल ट्रेनिंग सेशन रखा गया है। शाम करीब 5 बजे टीम इंडिया की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की जाएगी। साउथ अफ्रीका की ऑप्शनल ट्रेनिंग दोपहर 1:30 बजे से है। इधर, मैच के टिकट 500 रुपए से 25 हजार रुपए तक बिक रहे हैं। टिकट बुकमायशो डॉट कॉम और जोमैटो के प्लेटफॉर्म से खरीदे जा सकते हैं। इकाना स्टेडियम के बाहर काउंटर से भी टिकट लिए जा सकते हैं। तीसरा टी-20 मैच रविवार को धर्मशाला में खेला गया था।

किसान अधिक क्षेत्रफल में गन्ना बोए भुगतान समय से मिल रहा है : सुधीर राव

संवाददाता

कुशीनगर। जनपद की मिट्टी और जलवायु गन्ने की खेती के लिए अनुकूल है। किसान अधिक क्षेत्रफल में गन्ने की बुवाई करे, भा.ज.पा. सरकार ने गन्ना मूल्य 30 रुपए कुन्तक गन्ना मूल्य बढाया है साथ ही साथ ढाढा चीनी मिल समय से कृषको का गन्ना मूल भुगतान कर रही है। ये बाते हाटा विकास खण्ड के व्लाक प्रमुख श्री सुधीर राव ने पूर्व सहायक निदेशक, गन्ना विशेषज्ञ तथा कृषको के साथ बैठक में कही, विकास का आधार है गन्ना। सुधीर राव ने बताया कि पडरौना, कटकुईया चीनी मिल बन्द है लेकिन हर तरफ गन्ना ही दिखाई दे रहा है जबकि ढाढा चीनी मिल के आस पास के गांव में बहुत कम गन्ना है, गन्ना क्षेत्रफल बढ़ाए, गन्ना क्षेत्रफल बढ़ाने के लिए ढाढा चीनी मिल कृषको को सुविधा भी दे रही है। उ० प्र० गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केन्द्र-पिपराईच गोरखपुर के पूर्व सहायक निदेशक गन्ना विशेषज्ञ ओम प्रकाश गुप्ता ने बताया कि पिछले वर्ष 2024-25 में हाटा गन्ना समिति के 12190 कृषको को 14.30 लाख कुन्तल गन्ना आपूर्ति बेचा था। इस गन्ने से 5272 लाख रूपए का गन्ना मूल्य भ भुगतान मिला था, जबकि पडरौना गन्ना समिति के 16 हजार कृषकों से गाढ़ा चीनी मिल को 24.89 लाख कुन्टल गन्ना आपूर्ति-बेचा था, 9036 लाख रूपए गन्ना मूल्य भुगतान पडरौना गत्रा समिति ने किया पूर्व सहायक निदेशक ओम प्रकाश गुप्ता ने बताया कि चीनी मिल ढाढा में लगी है। यहां के कृषको को लाभ तभी मिलेगा जब गन्ना मूल्य 100 करोण रूपया गन्ना फसल से मिले गन्ना क्षेत्रफल बढ़ाए जब 100 करोण रूपया गन्ना फसल से गांव में आयेगा, तो गांव और किसान का तस्वीर बदला जायेगा। अधिशाषी अध्यक्ष शआर. के गुप्ता का यही प्रयास है हाटा गेट क्षेत्र में गया बढे में और किसानो खुशहाली लाएं। गन्ना क्षेत्रफल बढ़ाना है और समय से गन्ना मूल्य भुगतान करना पहली प्राथमिकता है।

संक्षिप्त डायरी

बुद्ध ने विश्व को करुणा, मैत्री और शांति का पाठ पढ़ाया: ड्यू फॉक

संवाददाता

कुशीनगर। नगरपालिका परिषद कुशीनगर अंतर्गत वार्ड नंबर 20 शहीद भगत सिंह नगर स्थित एम आई ए स्कूल राम नगर में बौद्ध श्रद्धालु ड्यू फॉक, सपा नेता राजेश प्रताप राव उर्फ बंटी राव व कुशीनगर एयरपोर्ट सलाहकार समिति के सदस्य ओम प्रकाश जायसवाल ने बच्चों को निःशुल्क सायकिल वितरित की। मंगलवार को विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सपा नेता श्री राव ने कहा कि नैतिक और संस्कारिक शिक्षा से ही उन्नत राष्ट्र और समाज का निर्माण होगा। इसी क्रम में कुशीनगर एयरपोर्ट सलाहकार समिति के सदस्य श्री जायसवाल ने कहा कि बच्चों के भविष्य को संवारने के लिए विद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयास बहुत ही सराहनीय है। ट्रक लम फट थिन बुद्धिस्ट ग्रुप की मेंबर ड्यू फॉक सोमवार को सायकिल बच्चों को सायकिल वितरित करते हुए कहा कि भगवान बुद्ध ने विश्व को करुणा, मैत्री और शांति का पाठ पढ़ाया। विद्यालय के प्रबंधक पप्पू गुरु जी, अध्यापिका शबनम खातून ने अतिथियों का स्वागत किया। सोन थांग जेन मॉनेस्ट्री विंह लांग और डेवोटीज ऑफ विंह हांग वेन ड्यू कंपनी द्वारा 110 साइकिल प्रदत्त की गई हैं। इस दौरान सचिन सिंह, अजित सिंह, फिरोज अहमद, कृपा सिंधु पाठक, कल्पना देवी, पूनम कुशवाहा, श्रद्धा सिंह सहित बच्चे और अभिभावक मौजूद रहे।

गाय को बचाने के चलते स्कूली वैन हुई हादसे का शिकार, तीन बच्चे हुये जख्मी

संवाददाता

हमीरपुर। मुस्कुरा थाना क्षेत्र में गाय को बचाने के चलते स्कूली वैन हुई हादसे का शिकार! हादसे में तीन स्कूली बच्चे हुये जख्मी। हादसे की जानकारी मिलते ही मुस्करा पुलिस ने लीलावती पैट्रोल पंप के पास सड़क के किनारे मौके पहुँचकर जख्मियों को अस्पताल में एडमिट कराया गया। पुलिस ने बताया कि स्कूली वैन को 40 वर्षीय चालाक दिलीप पुत्र शिवपुरी, निवासी थोक, मुस्करा चला रहा था, हादसा उस वख्त हुआ, जब वैन बच्चों को लेकर विवेकानंद स्कूल मुस्करा ले जा रहा था,उसी वख्त अचानक एक गाय सामने आ जाने से चालक के ब्रेक लगाने से वैन डिस्बैलेंस होकर पलट गई। वैन में आठ बच्चे मौजूद थे, हादसे में तीन बच्चे जख्मी हुये थे, जिन्हें फौरन सीएचसी मुस्करा पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने बच्चों का इलाज किया। सभी बच्चों को उनके पैरेंट्स के साथ सुरक्षित घर पहुंचा दिया गया है।

प्रेरक कार्यों से उन्नत राष्ट्र का निर्माण होगा: ओम प्रकाश जायसवाल

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगरपालिका परिषद कुशीनगर अंतर्गत वार्ड नंबर 20 शहीद भगत सिंह नगर स्थित एम आई ए स्कूल राम नगर में कुशीनगर एयरपोर्ट सलाहकार समिति के सदस्य ओम प्रकाश जायसवाल ने बच्चों को निःशुल्क सायकिल वितरित किया और कहा कि बच्चों के भविष्य को संवारने के लिए विद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयास बहुत ही सराहनीय है। ट्रक लम फट थिन बुद्धिस्ट ग्रुप की मेंबर ड्यू फॉक ने कहा कि भगवान बुद्ध ने विश्व को करुणा का पाठ पढ़ाया। विद्यालय के प्रबंधक पप्पू गुरु जी, अध्यापिका शबनम खातून ने अतिथियों का स्वागत किया।

बागपत में अवैध प्लाटिंग पर चला बुलडोजर: डीएम के निर्देश पर 6 बाउंड्री वॉल, 2 मकान ध्वस्त

बागपत। बागपत-बड़ौत-खेखड़ा विकास प्राधिकरण (बीबीडीए) ने अवैध प्लाटिंग और बिना मानचित्र स्वीकृति के हो रहे निर्माण के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। जिला प्रशासन ने जिलाधिकारी अस्मिता लाल के निर्देश पर अवैध निमार्णों पर बुलडोजर चलाया। उपजिलाधिकारी बागपत अमरचंद वर्मा के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में 6 अवैध बाउंड्री वॉल और 2 अवैध रूप से निर्मित मकानों को ध्वस्त किया गया। यह कार्रवाई उन कॉलोनाइजरों के खिलाफ की गई है जो बिना अनुमति के प्लाटिंग कर रहे थे। प्रशासन का कहना है कि स्थानीय स्तर पर कुछ कॉलोनाइजरों द्वारा बिना मानचित्र स्वीकृति के प्लाटिंग और कॉलोनी निर्माण से राज्य सरकार को लगातार राजस्व का नुकसान हो रहा है। इसके अतिरिक्त, अल्प सुविधाओं के साथ अव्यवस्थित बसावट विकसित हो रही है, जिससे भविष्य में पेयजल, जल निकासी और मार्गों से संबंधित गंभीर समस्याएं उत्पन्न होने की आशंका है। इस कार्रवाई के दौरान रणवीर की भूमि पर कॉलोनाइजर नजाकत द्वारा अवैध रूप से प्लाटिंग करने का मामला भी सामने आया। नजाकत 10 रुपये के स्टांप पेपर पर धनराशि लेकर जमीन का लेनदेन कर रहा था, जो कि पूर्णतः अवैध है और विकास प्राधिकरण के नियमों का उल्लंघन है। नजाकत को भी कार्रवाई की श्रेणी में शामिल किया गया है। जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जनपद में कोई भी कॉलोनी बीबीडीए से मानचित्र स्वीकृति प्राप्त किए बिना विकसित नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि अवैध रूप से प्लाटिंग या कटिंग करने वाले कॉलोनाइजरों के खिलाफ कठोर और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिला प्रशासन ने जनसामान्य और बिल्डरों से अपील की है कि वे सुनियोजित और सुरक्षित शहरी विकास के लिए विकास प्राधिकरण के नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें।